राजनीतिक प्रचार के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रहे प्रधानमंत्री : ममता बनर्जी - 12

एलपीजी में 20 प्रतिशत डीएमई मिलाने से हर साल बचेंगे 34,200 करोड़ रुपये - 12

राजनीति में दिखावा जरूरी इसलिए कभी-कभी हमें शर्मिंदगी भरे काम भी करने पड़ते हैं :ट्रंप - 13

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को एक और साल का अनुबंध दिया गया - 14

आज का मौसम

41.0⁰ अधिकतम तापमान

26.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.41

सूर्यास्त 06.33

अमृत विचार

अयोध्या

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया 07:27 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2083

सोमवार, 20 अप्रैल 2026, वर्ष 4, अंक 243, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

विपक्ष का आचरण द्रौपदी चीरहरण जैसा नारी सम्मान के खिलाफ अक्षम्य पाप: योगी

नारी शक्ति वंदन संशोधन बिल पारित नहीं होने देने पर विपक्ष पर बोला तीखा हमला

- सीएम बोले, कांग्रेस, सपा, टीएमसी डीएमके समेत इंडी दलों को कभी माफ नहीं करेगी नारी शक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ : भाजपा के राज्य मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से वार्ता करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को पारित नहीं होने देने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने विपक्ष के आचरण की तुलना महाभारत के द्रौपदी चीरहरण प्रसंग से करते हुए इसे नारी सम्मान के खिलाफ अक्षम्य पाप बताया। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन का यह व्यवहार देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी।

भाजपा के राज्य मुख्यालय में रविवार को पत्रकार से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके जैसे दलों ने हर बार इन प्रयासों का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने संसद में गैर-जिम्मेदाराना आचरण करते हुए महिलाओं को उनका अधिकार मिलने से रोकने का षड्यंत्र किया। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2023 में पारित अधिनियम को 2034 के बजाय वर्ष 2029 से लागू करने के लिए संशोधन प्रस्तावित किया था।

इसके तहत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीटें बढ़ाने का प्रावधान किया गया था, ताकि किसी भी राज्य या वर्ग के अधिकार प्रभावित न हों। इसके बावजूद विपक्ष ने सहयोग नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण की मांग संविधान की भावना के विपरीत है। उन्होंने इस संदर्भ में डॉ. भीमराव आंबेडकर और सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और डीएमके सहित इंडी गठबंधन के दलों ने जिस प्रकार का रवैया अपनाया, वह लोकतंत्र के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है।

शाहबानो प्रकरण के समय मौन क्यों थे

योगी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में सरकार गंभीर थी और इसे वर्ष 2029 से लागू कराने के लिए संशोधन लाया गया था, लेकिन विपक्ष ने राजनीतिक कारणों से इसका विरोध किया। उन्होंने यह भी कहा कि जो दल आज मुस्लिम महिलाओं की बात करते हैं, वे शाहबानो प्रकरण के समय मौन थे और ट्रिपल तलाक कानून का भी विरोध करते रहे हैं, जो उनके दोहरे चरित्र को दर्शाता है।

योगी ने गिनाई महिला सशक्तिकरण योजनाएं

योगी ने महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाओं का उल्लेख किया। इनमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत शामिल हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश में लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक गतिविधियों में भाग ले रही हैं। इन प्रयासों से महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी में वृद्धि हुई है।

कानपुर में पिता ने जुड़वां बेटियों का गला घोंटा, फिर चापड़ से काट डाला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

हत्यारोपी शशि रंजन

- पत्नी पर शक के चलते की हत्या मारने के बाद शवों के पास बैठा रहा पिता, डेढ़ घंटे बाद खुद बुलाई पुलिस
- नौबस्ता थाना क्षेत्र के के-ब्लॉक त्रिमूर्ति अपार्टमेंट फेज-टू में सनसनीखेज वारदात, आरोपी गिरफ्तार

मारी गई बेटियां रिद्धी सिद्धी।

अमृत विचार : पत्नी पर शक के चलते नौबस्ता में के-ब्लाक किदवई नगर में शनिवार देर रात पिता ने अपनी 11 वर्षीय जुड़वां बेटियों का गला घोटने के बाद चापड़ से गला रेतकर हत्या कर दी। हत्या के बाद हत्यारोपी पिता शवों के साथ बैठा रहा। करीब डेढ़ घंटे बाद खुद पुलिस को फोन करके वारदात की सूचना दी और हत्या कबूल की। सूचना पर पुलिस फोर्स के साथ डीसीपी साउथ मौके पर पहुंचे। कमरे में फर्श पर दोनों बेटियों के खून से लथपथ शव मिले।

पुलिस ने दूसरा कमरा खुलवाया तो हत्यारोपी की पत्नी व बेटा अंदर सोते मिले। बेटियों की हत्या का पता चलने पर मां चीख पड़ी। पुलिस जांच में सामने आया कि वारदात रात करीब एक से तीन बजे के बीच हुई है। भोर पहर 4.32 बजे हत्या की खबर पुलिस को मिली। पुलिस ने जांच की और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। मौके से खून से सना चापड़ व हथौड़ा बरामद हुआ है। रोती-बिलखती पत्नी एक ही रट लगाए रही कि पति को फांसी हो।

मूलरूप से बिहार के गया निवासी शशि रंजन मिश्रा चंडीगढ़ की वन रेमेडीज कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव है। नौबस्ता में के-ब्लाक किदवईनगर स्थित त्रिमूर्ति अपार्टमेंट फेज-टू में किराये पर रहता है। शशि रंजन ने सिलीगुड़ी कलीमनगर की रहने वाली रेशमा से 2014 में मंदिर में प्रेम विवाह किया था। रेशमा स्वरूपनगर स्थित पार्लर में काम करती थी, जहां दोनों की मुलाकात हुई थी। शशि की दोनों 11 वर्षीय जुड़वां बेटियां रिद्धि व सिद्धि मदर टेरेसा मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा पांच की छात्राएं थीं। बेटा रुद्रव यूकेजी का छात्र है। पुलिस के अनुसार आरोपी शशि ने पुलिस पूछताछ में कबूल किया कि शनिवार रात सभी ने साथ में खाना खाया। इसके बाद वह बेटियों को अपने कमरे में लेकर चला गया, जबकि पत्नी बेटे के साथ दूसरे कमरे में सोने चली गई। आदत के अनुसार वह देर रात तक मोबाइल चलाता रहा। इसके बाद मकान की अधिकांश लाइट बंद कर दीं। जिससे घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कुछ स्पष्ट न दिखे।

पत्नी रेशमा व बेटे के दूसरे कमरे में सो जाने पर रात करीब ढाई बजे वह एक बेटी को लेकर वॉशरूम गया और फिर वापस आकर लाइट बंद कर दी। इसके बाद उसने दोनों बेटियों का गला दबाकर बेहोश किया। फिर जमीन पर लिटाकर चापड़ से गला काटा व हथौड़े से वार किया। आशंका यह भी जताई जा रही है कि शशि ने पूरे परिवार को नशीली गोलियां खिलाई होंगी। पत्नी और बेटे रुद्रव को हत्या का पता तक नहीं चला। दोनों तब तक नहीं जागे जब तक पुलिस नहीं पहुंची। कमरे से बड़ी मात्रा में दवाएं बरामद हुई हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पत्नी रेशमा के अनुसार पति उस पर शक करता था। मायके जाने पर अक्सर विवाद व मारपीट करता था। कई बार खाना तक नहीं खाने देता था। वह शराब का लती है। नींद की गोलियां भी लेता है। एक बार वह मायके चली गई थी तो आरोपी ने बेटियों को अपने पास ही रोक लिया था और बेटे को जाने दिया था। करीब नौ माह बाद वह लौटी थीं। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

ब्रीफ न्यूज

बोकारो में मालगाड़ी का डिब्बा कार से टकराने के बाद पटरी से उतरा

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले में रविवार को लेवल क्रॉसिंग पर मालगाड़ी का एक डिब्बा कार से टकराने के बाद पटरी से उतर गया। अधिकारियों के अनुसार, यह दुर्घटना बोकारो थर्मल पुलिस थाना (बीटीपीएस) अंतर्गत ओवरब्रिज के पास हुई, जब मालगाड़ी दामोदर वैली कॉर्पोरेशन (डीवीसी) ऊर्जा संयंत्र से निकल रही थी। मामले में जांच की जा रही है। ट्रेन से टक्कर के बाद कार कुछ दूरी तक घिसटती रही, जिसके बाद ट्रेन रुक गई।

ड्रोन आयात रिश्वत मामले में वरिष्ठ अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने एक अन्य निजी कंपनी के लिए ड्रोन आयात की सुविधा प्रदान करने के बदले पर 2.5 लाख रुपये की रिश्वत लेने के मामले में एक प्रमुख कॉरपोरेट समूह के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भरत माथुर और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के मुख्यालय, नई दिल्ली में 'एयरवर्दीनेस डायरेक्टरेट' के उप महानिदेशक मुदावथ देवुला को गिरफ्तार किया। आरोपी डीजीसीए के अधिकारी ने एक निजी एयरोस्पेस कंपनी के लिए डीजीसीए के पास लंबित आवेदनों की मंजूरी और संबंधित आदेश जारी करने के बदले में निजी व्यक्तियों से अनुचित लाभ की मांग की थी।

पटाखा फैक्टरी में भीषण धमाका, 18 की गई जान

विरुधुनगर, एजेंसी

तमिलनाडु की घटना

- विरुधुनगर में हुआ हादसा, छह गंभीर, 100 से अधिक मजदूर कर रहे थे काम
- भीषण विस्फोट से तीन कमरे मलबे में तब्दील, आसपास की कई इमारतें को भारी नुकसान

तमिलनाडु के विरुधुनगर के निकट स्थित एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में 18 से अधिक श्रमिकों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह विस्फोट वाचकारपत्ती पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत कट्टनरपत्ती में मुथुमानिकम के स्वामित्व वाली 'वनजा' पटाखा फैक्टरी में हुआ। पुलिस और अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, घायल हुए छह लोगों में से चार की हालत नाजुक है और उनका विरुधुनगर सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज जारी है।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इस पटाखा निर्माण इकाई को नागपुर स्थित पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन से लाइसेंस मिला हुआ है। परिसर में 100 से अधिक श्रमिक काम कर रहे थे। ऐसा माना जा रहा है कि विस्फोट बरामदे वाले क्षेत्र में हुआ, जहां श्रमिक कच्चे माल से पटाखों को अंतिम रूप दे रहे थे। विस्फोट का प्रभाव इतना भीषण था कि तीन कमरे मलबे में तब्दील हो गए और आसपास की कई इमारतें को भारी नुकसान पहुंचा। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, हमने अब तक 18 शव बरामद किए हैं, जिनमें से कई बुरी तरह जल चुके थे और उनकी पहचान करना मुश्किल था।

पटाखे फटते रहने से बचाव में आई बाधा

सूत्रों के अनुसार, अग्निशमन और बचाव कर्मियों ने कई घंटों तक आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन शुरुआती विस्फोट के काफी देर बाद भी पटाखे फटते रहने के कारण बचाव अभियान में काफी बाधा आई। आशंका है कि मलबे के नीचे और भी श्रमिक फंसे हो सकते हैं। यह घटना इस क्षेत्र में इस वर्ष की सबसे घातक औद्योगिक दुर्घटना है।

बचाव अभियान को दो मंत्री मौके पर मौजूद

इसी बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपना दुख व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए दो मंत्रियों को घटनास्थल पर भेजा है। स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विरुधुनगर जिले के कट्टनरपत्ती में पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में कई लोगों की मौत की खबर से गहरा दुख हुआ है।

गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुले, चारधाम यात्रा शुरू

देहरादून। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाट वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजा-अर्चना के साथ खोल दिए गए। इसके साथ ही रविवार से उत्तराखंड की चारधाम यात्रा 2026 का भी शुभारंभ हो गया है। धार्मिक परंपराओं के अनुसार रविवार को मां गंगा की उत्सव डोली भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर से चलकर गंगोत्री धाम पहुंची। गंगोत्री धाम में विशेष पूजा व अभिषेक के साथ दोपहर 12:15 बजे गंगोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए।

ईडी ने कोलकाता पुलिस उपायुक्त और अन्य व्यवसायी के परिसरों पर मारे छापे

कोलकाता। ईडी ने धन शोधन मामले की जांच के तहत रविवार को कोलकाता पुलिस के उपायुक्त शांतनु सिन्हा बिस्वास और एक स्थानीय व्यवसायी के कोलकाता स्थित परिसरों पर छापेमारी की।

अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी की यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल में एक अपराधी और उससे संबंधित गिरोह के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच के तहत की गई। बालीगंज क्षेत्र

- कार्रवाई अपराधी व उससे संबंधित गिरोह के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच के तहत की गई

स्थित बिस्वास के आवास सहित उनसे संबंधित दो परिसरों और सन एंटरप्राइज नामक कंपनी के प्रबंध निदेशक जॉय कामदार के एक परिसर पर पीएमएलए के प्रावधानों के तहत छापा मारा गया। कामदार को अधिकारियों द्वारा पूछताछ के लिए स्थानीय ईडी कार्यालय ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल और कोलकाता पुलिस कल्याण समिति के मुख्य समन्वयक और नोडल अधिकारी बिस्वास अपने परिसर में मौजूद नहीं थे।

यह कार्रवाई बिस्वजीत पोद्दार उर्फ 'सोना पप्पू' नामक एक स्थानीय अपराधी के खिलाफ धन शोधन के मामले से जुड़ी है। उस पर हत्या के प्रयास और वसूली के आरोपों में कई मामले दर्ज हैं।

युद्धविराम के दो दिन शेष ईरान नहीं खोलेगा होर्मुज

काहिरा/तेहरान, एजेंसी

- कहा- होर्मुज से हमारे जहाज नहीं निकले तो किसी के नहीं गुजरने देंगे, 2 और जहाज वापस लौटाए

ईरान ने अपने बंदरगाहों की नाकेबंदी जारी रहने तक होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर रोक लगाने के फैसले पर और कड़ा रुख अपना लिया है। अमेरिकी नाकाबंदी और ईरान के कड़े रुख के बीच मध्यस्थ युद्धविराम की अवधि बढ़वाने की कोशिश कर रहे हैं, जो बुधवार को खत्म हो जाएगी।

नाकेबंदी के कारण पाकिस्तान की मध्यस्थता में हो रही कोशिशें जटिल हो गई हैं और अब सवाल खड़ा हो गया है कि दो हफ्ते का संघर्षविराम आगे बढ़ पाएगा या नहीं। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ ने शनिवार देर रात कहा, जब हमारे खुद के जहाज होर्मुज जलडमरुमध्य से नहीं गुजर सकते तो दूसरों को भी इस रास्ते से गुजरने देना असंभव है। अमेरिका के साथ बातचीत में ईरान के मुख्य वार्ताकार गालिबाफ ने अमेरिकी नाकाबंदी को अज्ञानता के कारण लिया गया एक नासमझी भरा फैसला बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अब भी शांति चाहता है, लेकिन अमेरिका पर गहरा अविश्वास बना हुआ है। गालिबाफ ने कहा, अभी भी बड़े मतभेद बरकरार हैं, और कुछ बुनियादी मुद्दे अब तक हल नहीं हुए हैं। रविवार को भी ईरान ने दो और जहाज को होर्मुज से लौटा दिया।

भारतीय टैंकर ने होर्मुज को सुरक्षित पार किया

नई दिल्ली। भारत के ध्वज वाले एक तेल के टैंकर ने होर्मुज को सुरक्षित पार कर लिया। भारतीय टैंकर ने इस तनाव ग्रस्त जलमार्ग को ऐसे समय पार किया है, जब दो अन्य भारतीय जहाजों को गोलीबारी के बाद वापस लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा था और भारत ने वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता को ईरान के साथ साझा किया था। पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर सरकार द्वारा दी गई अद्यतन जानकारी के मुताबिक, कच्चे तेल से भरा टैंकर देश गरिमा 18 अप्रैल को रणनीतिक जलमार्ग को पार कर गया और 22 अप्रैल को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है। इस जहाज पर 31 भारतीय नाविक सवार थे।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल आज पहुंचेगा पाकिस्तान

वाशिंगटन। राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिकी वार्ताकार सोमवार को ईरान के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान पहुंचेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी।

डिजिटल अरेस्ट से बचाएगा सीबीआई का चैटबॉट अभय

नई दिल्ली, एजेंसी

- लोगों को जारी किए गए नोटिस की प्रामाणिकता को सत्यापित करने में करेगा मदद

सीबीआई डिजिटल अरेस्ट से लोगों को बचाने के लिए सोमवार को एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित चैटबॉट 'अभय' की शुरुआत करेगी, जो लोगों को जारी किए गए नोटिस की प्रामाणिकता को सत्यापित करने में मदद करेगा।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने अपने संस्थापक निदेशक के सम्मान में सोमवार को 22वें डी पी कोहली स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया है और इसी अवसर पर सीजेआई सूर्यकांत चैटबॉट 'अभय' की औपचारिक शुरुआत करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधान न्यायाधीश 'साइबर अपराध की चुनौतियां - पुलिस और न्यायपालिका की भूमिका' विषय पर व्याख्यान देंगे। इस अवसर पर वह सराहनीय सेवा के लिए 24 पदक भी प्रदान करेंगे। सीबीआई के प्रवक्ता ने कई मामलों में यह सामने आया है कि सीबीआई अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करने वाले ठगों ने एजेंसी की ओर से जारी किए गए फर्जी नोटिस दिखाकर जनता को धमकाया है, उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' किया है और इस दौरान करोड़ों रुपये की उगाही की है।

सुप्रीम आदेश | कोर्ट ने सड़क सुरक्षा पर देशभर के लिए जारी किए निर्देश, कहा- एक भी व्यक्ति की जान जाना, नागरिकों की रक्षा करने में राज्य की विफलता को दर्शाता है

खतरे के कॉरिडोर बन रहे एक्सप्रेसवे, नए ढाबों पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में सड़क सुरक्षा मजबूत करने के लिए कई निर्देश जारी करते हुए कहा है कि प्रशासनिक सुस्ती या बुनियादी ढांचे की कमियों के कारण एक्सप्रेसवे खतरे का गलियारा नहीं बनने चाहिए। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने कहा कि देश की सड़कों की कुल लंबाई का केवल दो प्रतिशत राष्ट्रीय राजमार्ग हैं लेकिन सड़क हादसों में होने वाली मौत की कुल संख्या में इनकी हिस्सेदारी करीब 30 प्रतिशत है।

पीठ ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, एनएचएआई और राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को सड़कें अधिक सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। पीठ ने कहा कि अवैध रूप से वाहन खड़ा करना या दुर्घटना संभावित स्थलों जैसे टाले जा सकने वाले खतरों के कारण एक भी व्यक्ति की जान जाना, नागरिकों की रक्षा करने में राज्य की विफलता को दर्शाता है। कोर्ट ने 13 अप्रैल के अपने आदेश में कहा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दिया गया जीवन का अधिकार जीवन को केवल गैरकानूनी तरीके से छीने जाने के विरुद्ध गारंटी नहीं देता, बल्कि राज्य पर यह सकारात्मक दायित्व भी डालता है कि वह ऐसा सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करे, जहां मानव जीवन सुरक्षित रहे और उसका सम्मान हो। पीठ ने राजस्थान के फलोदी और तेलंगाना के रंगारेड्डी में दो और तीन नवंबर, 2025 को हुई सिलसिलेवार सड़क दुर्घटनाओं में 34 लोगों की मौत के बाद दर्ज किए गए स्वतः संज्ञान मामले में यह आदेश पारित किया। इन दुर्घटनाओं के लिए प्रणालीगत लापरवाही और विनाशकारी बुनियादी ढांचागत विफलताओं को जिम्मेदार ठहराया गया है।

आर्थिक या प्रशासनिक बाधा मानव जीवन की शुचिता से अधिक महत्वपूर्ण नहीं

पीठ ने कहा कि न्यायालय इस बात को दोहराता है कि कोई भी आर्थिक या प्रशासनिक बाधा मानव जीवन की शुचिता से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकती और यहां दी गई सख्त समयसीमा इस संवैधानिक दायित्व की तात्कालिक आवश्यकता को दर्शाती है। उसने निर्देश दिया कि राजमार्ग पर वाहनों को कहीं भी खड़ा या रोका नहीं जाएगा। उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएमएस) के जरिये राज्य पुलिस को सतर्क किया जाएगा, जीपीएस आधारित तस्वीरों को साक्ष्य बनाया जाएगा जिनमें समय दर्शाया होगा और एकीकृत ई-चालान प्रणाली का इस्तेमाल होगा। निर्देशों का पालन एनएचएआई, राज्य पुलिस और राज्य परिवहन विभाग के अधिकारी एवं कर्मी करेंगे। संबंधित जिलों के जिला मजिस्ट्रेट मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करेंगे, जिसमें सभी एजेंसियों द्वारा नियमित निरीक्षण और गश्त का प्रावधान होगा। आदेश की तारीख से 60 दिन के भीतर इन निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए।

व्यावसायिक ढांचे के निर्माण व अन्य संचालन पर तत्काल रोक लगाई

महत्वपूर्ण निर्देशों में से एक निर्देश यह है कि किसी भी राष्ट्रीय राजमार्ग के मार्ग अधिकारी क्षेत्र में किसी नए ढाबे, भोजनालय या व्यावसायिक ढांचे के निर्माण अथवा संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक रहेगी। पीठ ने निर्देश दिया, जिला मजिस्ट्रेट सात अगस्त, 2025 की मानक संचालन प्रक्रिया और सीएनएच अधिनियम में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 60 दिन के भीतर सभी नए या मौजूदा अनधिकृत ढांचों को हटाना सुनिश्चित करें। अदालत ने कहा कि कोई भी विभाग, प्राधिकरण या स्थानीय निकाय राजमार्ग सुरक्षा क्षेत्र के भीतर स्थित किसी स्थल के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की पूर्व अनुमति के बिना कोई लाइसेंस, अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) या व्यापार मंजूरी न दे और न ही उसका नवीनीकरण करे। ऐसे सभी मौजूदा लाइसेंस की 30 दिन के भीतर समीक्षा की जाए।

अमृत विचार

अयोध्या, सोमवार, 20 अप्रैल 2026

सदियों के आक्रमणों के बावजूद सनातन आस्था अडिग

लखनऊ से 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा' की मुख्यमंत्री योगी ने की शुरुआत, सांस्कृतिक चेतना का दिया संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश से 1000 से अधिक श्रद्धालु सोमनाथ धाम के लिए विशेष ट्रेन से रवाना

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा उत्तर प्रदेश' की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि सदियों के आक्रमणों के बावजूद भारत की सनातन आस्था अडिग रही है और आज भी मजबूती से आगे बढ़ रही है। "जैसे आत्मा अजर-अमर है, वैसे ही सनातन आस्था भी अमर पथ का प्रतीक है," उन्होंने कहा।

गोमतीनगर रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने बार-बार भारत की संस्कृति और आस्था पर प्रहार किए, लेकिन वे इसे न तो तोड़ सके और न झुका पाए। सोमनाथ मंदिर पर हुए हमलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बर्बरता के बावजूद सनातन धर्म की शक्ति अक्षुण्ण रही और आज "यतो धर्मस्ततो जयः" के भाव के साथ पुनः शिखर पर स्थापित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्र भारत में सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार को सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रतीक बताते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल और डॉ. राजेंद्र प्रसाद के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बाधाओं के बावजूद सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प से मंदिर का पुनर्निर्माण संभव हुआ।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक पुनर्जागरण नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। अयोध्या में राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर सहित तीर्थों के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अब काशी की जीवंतता, अयोध्या की मर्यादा, मथुरा-वृंदावन की भक्ति और प्रयागराज की समरसता एक साथ दिखाई देती है।

लखनऊ के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन से सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के तहत यात्रियों को विशेष ट्रेन से रवाना करते मुख्यमंत्री योगी।

उन्होंने बताया कि इस यात्रा के तहत प्रदेश से 1000 से अधिक श्रद्धालु गुजरात स्थित सोमनाथ धाम के लिए विशेष ट्रेन से रवाना हो रहे हैं। यह यात्रा देश को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करेगी। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, महापौर सुषमा खर्कवाल, मंत्री डॉ. संजय निषाद, विधायक डॉ. नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव, एमएलसी पवन चौहान, मुकेश शर्मा, लालजी प्रसाद निर्मल व अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात मौजूद रहे।

अयोध्या का नाम आते ही गूंजता है 'जय श्री राम'

सीएम योगी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक अभियान नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक अयोध्या में भव्य राम मंदिर की कल्पना कठिन थी, लेकिन आज देश-दुनिया में "जय श्री राम" का उद्घोष गूंज रहा है। अयोध्या का नाम सुनते ही हर भारतीय के मन में श्रद्धा उमड़ पड़ती है और वहां जाने की इच्छा जाग उठती है।

श्रद्धालु बोले, सोमनाथ यात्रा से पूरी हुई वर्षों पुरानी इच्छा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री योगी का आभार जताया

अमृत विचार: प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने वर्षों से लंबित उनकी आस्था से जुड़ी इच्छा को सोमनाथ यात्रा से पूरा किया है।

प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ से 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा (उत्तर प्रदेश) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शुरू हुई इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला।

मुजफ्फरनगर के सतीश कुमार भावुक होते हुए बोले कि वर्षों से बाबा सोमनाथ के दर्शन की इच्छा थी, लेकिन कभी अवसर नहीं मिला। इस पहल से उनका सपना साकार हुआ है। वहीं बरेली की बिंदु इशिका सिंघानिया ने कहा कि यह यात्रा केवल दर्शन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति को जोड़ने का माध्यम है, जिससे युवा पीढ़ी अपनी परंपराओं से जुड़ सकेगी। आजमगढ़ के अनंत तिवारी ने इसे आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए वरदान बताते हुए कहा कि पहले साधन न होने के कारण लोग तीर्थ यात्रा नहीं कर पाते थे, लेकिन अब सभी को समान अवसर मिल रहा है। मेरठ के अनंत राणा ने भी पहली बार सोमनाथ दर्शन के अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए सरकार का आभार जताया।

न्यूज ब्रीफ

15 मेडिकल कॉलेजों को 625 करोड़ रुपये मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों को बड़ी राहत देते हुए वेतन मद में 625 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। यह स्वीकृति अनुदान संख्या-31 के अंतर्गत मानक मद-31 (सहायता अनुदान-सामान्य/वेतन) में प्रदान की गई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव चंद्र शेखर मिश्र द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह धनराशि फेज-1 के पांच, फेज-2 के आठ मेडिकल कॉलेजों के साथ जौनपुर और बलरामपुर मेडिकल कॉलेज को दी जाएगी। इस फैसले से प्रदेश के कुल 15 स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों को लाभ मिलेगा। बजट पाने वाले मेडिकल कॉलेजों में अयोध्या, बस्ती, बहराइच, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर, एटा, फतेहपुर, गाजीपुर, हरदोई, मीरजापुर, प्रतापगढ़, सिद्धार्थनगर, देवरिया, जौनपुर तथा बलरामपुर के मेडिकल कॉलेज शामिल हैं।

शराब पीकर ड्यूटी करने पर वार्ड बॉय निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ: बांदा जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विसंडा में वार्ड बॉय द्वारा शराब के नशे में ड्यूटी करने और अधिकारियों के प्रति अमर्यादित व्यवहार करने का मामला सामने आया है। इसका वीडियो 10 अप्रैल को वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित कुमार घोष ने मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित वार्ड बॉय सुशील कुमार के निलंबन के निर्देश दिए। इसके बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बांदा ने तत्काल प्रभाव से उसे निलंबित कर दिया। बताया गया कि प्रभारी चिकित्साधिकारी ने पहले कर्मचारी से स्पष्टीकरण मांगा था, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर यह कार्रवाई की गई। मामले की जांच के लिए समिति गठित कर दी गई है।

मातृशक्ति को पीएम मोदी के कार्यक्रम की कमान

अमृत विचार, लखनऊ: वाराणसी में 28 अप्रैल को प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा ने सक्रियता तेज कर दी है। रविवार को प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर मंथन किया और इसकी कमान पूरी तरह मातृशक्ति को सौंप दी। बैठक में महानगर और जिला इकाइयों के साथ जनसंपर्क अभियान, बूथ स्तर तक जिम्मेदारियों के निर्धारण और कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई। खास बात यह रही कि महिला सहभागिता को केंद्र में रखते हुए महिला मोर्चा की पदाधिकारियों को अहम जिम्मेदारियां दी गईं। उन्होंने जोर दिया कि यह आयोजन न केवल राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा, बल्कि महिला नेतृत्व और सामर्थ्य का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

महिला रेल कर्मियों ने देखा जंगल सफारी

अमृत विचार, लखनऊ: पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कर्मचारी कल्याण निधि के तहत कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के लिए एक दिवसीय निशुल्क जंगल सफारी का आयोजन किया। कार्यक्रम में गोंडा और बलरामपुर की 18 महिला रेल कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने दुर्लभ वन्यजीवों और वनस्पतियों का अवलोकन कर प्रकृति के करीब समय बिताया।

राहत : तकनीकी जांच तक पुराने मीटर बदलने पर फिलहाल रोक

ऊर्जा मंत्री ने समीक्षा बैठक कर जारी किए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिलेगा पांच स्तरीय एसएमएस अलर्ट और 45 दिन कनेक्शन न काटने का फैसला

अमृत विचार: प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर बढ़ते विवाद के बीच योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश में पुराने मीटरों को स्मार्ट/प्रीपेड मीटर से बदलने की प्रक्रिया फिलहाल रोक दी गई है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने शक्ति भवन, लखनऊ में अधिकारियों के साथ रविवार को समीक्षा बैठक के बाद यह निर्देश जारी किए।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं का बैलेंस शून्य होने पर भी अधिकतम तीन दिन तक या दो किलोवाट भार तक 200 रुपये के नेगेटिव बैलेंस की सीमा तक बिजली आपूर्ति बाधित नहीं की जाएगी। साथ ही हाल में लगे मीटरों के लिए 15 दिन की कन्वर्जन अवधि और उसके बाद 30 दिन यानी कुल 45 दिन तक किसी भी उपभोक्ता का कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। सबसे बड़ा फैसला यह लिया गया कि तकनीकी समिति की रिपोर्ट आने तक पुराने मीटरों को स्मार्ट मीटर से बदलने की प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक रहेगी। स्मार्ट मीटर की गुणवत्ता की जांच के लिए चार सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है, जो 10 दिन में अपनी रिपोर्ट देगी।

उपभोक्ताओं को समय रहते जानकारी देने के लिए पांच स्तरीय एसएमएस अलर्ट प्रणाली लागू की जाएगी। इसके तहत बैलेंस 30% होने पर पहला, 10% पर दूसरा, बैलेंस खत्म होने पर तीसरा, डिस्कनेक्शन से एक दिन पहले चौथा और कटने के बाद पांचवां संदेश भेजा जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि रविवार और अन्य अवकाश के दिनों में किसी भी स्थिति में बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। साथ ही बिल भुगतान के बाद तुरंत बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए 24×7 व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण के लिए टोल फ्री नंबर 1912, आधिकारिक वेबसाइट और व्हाट्सएप चैटबॉट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही स्मार्ट मीटर से जुड़ी जानकारी के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

नारी शक्ति वंदन विधेयक पर सियासी संग्राम

33 प्रतिशत आरक्षण बिल गिरने पर महिला नेताओं ने जताया कड़ा विरोध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

काला दिवस के रूप में जाना जाएगा 17 अप्रैल : अन्नपूर्णा देवी

अमृत विचार: संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक पारित न होने के बाद प्रदेश में सियासत गरमा गई है। भाजपा की महिला नेताओं और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं ने विपक्षी दलों पर महिलाओं का हक छीनने का आरोप लगाते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है।

महिला नेताओं का कहना है कि यह विधेयक लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से जुड़ा था, लेकिन विपक्ष ने इसे पारित नहीं होने दिया। इसे नारी विरोधी कदम बताते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष की यह राजनीति आगामी चुनावों में उसे भारी पड़ेगी।

प्रदेश सरकार की मंत्री बेबी रानी मौर्य ने तीखा सवाल उठाते हुए कहा कि क्या सिर्फ डिम्पल यादव को ही संसद में जाने का अधिकार है? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का महिला विरोधी चेहरा सामने आ गया है।

मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं, जिसमें तीन तलाक जैसी कुप्रथा से मुक्ति भी शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का समय आया, तो विपक्ष ने बाधा डाल दी।

मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि विपक्ष का मूल स्वभाव ही विकास कार्यों में अड़ंगा लगाने का रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं को आरक्षण मिलने से सशक्त भारत का सपना साकार होता, जिसे विपक्ष नहीं चाहता।

भाजपा विधायक अदिति सिंह ने कहा कि संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से देश के विकास को नई गति मिलेगी, लेकिन परिवारवाद की राजनीति करने वाले दल इसका विरोध कर रहे हैं।

प्रेस कांफ्रेंस में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, मुख्यमंत्री योगी व अन्य।

डीएमके सहित विपक्षी दलों ने इसका विरोध कर महिलाओं की आकांक्षाओं को ठेस पहुंचाई। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि इन दलों ने हमेशा की तरह इस बार भी विधेयक को लटकाने, भटकाने और अटकाने की राजनीति अपनाई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की महिलाएं अब अधिक जागरूक और सशक्त हो चुकी हैं तथा हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी दर्ज करा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने अधिकारों के खिलाफ खड़े होने वालों को लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देंगी।

नई पीढ़ी की महिलाएं भाजपा के झांसे में नहीं आने वाली

महिला आरक्षण बिल पर सपा प्रमुख अखिलेश ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक में हार के बाद भाजपा में बौखलाहट और हताशा है। चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि जब बीती रात 8 बजे प्रधानमंत्री के संबोधन की खबर आई, तो सबको लगा कि शायद किसी महिला को प्रधानमंत्री बनाने का ऐतिहासिक ऐलान होगा, लेकिन हाथ सिर्फ मायूसी हाथ लगी।

पार्टी मुख्यालय में सपा प्रमुख कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा यह पार्टी पहले लोगों को बांटती है और फिर उन्हें डराकर अपने पाले में लाने की कोशिश करती है, लेकिन अब यह भय का खेल जनता के बीच नहीं चलने वाला। भाजपा पुरानी सोच वाली महिलाओं को तो शायद वे गुमराह कर लें, लेकिन आज के दौर की जागरूक और पढ़ी-लिखी महिलाएं समझ चुकी हैं। 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के नाम पर वह अपनी मनमानी करना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा विपक्ष विशेषकर उत्तर प्रदेश में सपा का विरोध प्रायोजित षड्यंत्र के तहत कर रही है। भाजपा के दूषित और भ्रामक प्रचार तंत्र के जवाब धरना-प्रदर्शन के बजाय सपा की महिलाओं और कार्यकर्ताओं को संयम से काम लेना चाहिए और धरना-प्रदर्शन से बचना चाहिए।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव

चाय पिलाने वाले को भेंट किए पीतल के बर्तन

अमृत विचार : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फतेहपुर में जिस चाय वाले के यहां पर चाय पी थी। उस चाय वाले शेषमन यादव को सपा कार्यालय में पीतल के बर्तन भेंट किए। चाय दुकान चलाने वाले शेषमन ने बताया कि अखिलेश भैया के दुकान पर आने के बाद 16 अप्रैल को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग के अधिकारी आए और पूछा कि एल्युमिनियम के बर्तन में चाय क्यों बनाते हो ? उन्होंने दुकान बंद करने की चेतावनी दी थी। दुकान चलाना मुश्किल कर दिया था। साथ ही कहा कि यह सरकार गरीबों को परेशान कर रही है।

हैदराबाद से पाकिस्तानी हैंडलर्स तैयार कर रहे आतंक का नेटवर्क

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एटीएस व बिजनौर पुलिस कर रही मास्टरमाइंड समेत तीन अन्य आरोपियों की तलाश

अमृत विचार: देश में हिंसात्मक गतिविधियों और सांप्रदायिक दंगे भड़काने की साजिश रच रहे एक संगठित नेटवर्क का एटीएस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि दुबई और दक्षिण अफ्रीका में बैठे युवक पाकिस्तानी हैंडलर्स के निर्देश पर इस गिरोह का संचालन कर रहे थे, जबकि हैदराबाद से इसका नेटवर्क सक्रिय रूप से संचालित हो रहा था।

एटीएस ने 3 अप्रैल को लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन के पास से साकिब, अरबाब, विकास और लोकेश को गिरफ्तार किया था। इसके बाद हापुड़ पुलिस ने अजीम राणा को दबोचा, जबकि बिजनौर पुलिस ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका से दिल्ली पहुंचे आरोपी मैजुल को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया। अब तक इस मामले में सात आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। मुख्य आरोपी आकिब और उसका साथी आजाद समेत तीन आरोपियों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है और उनकी तलाश जारी है।

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए युवाओं को भड़काकर उन्हें देशविरोधी और आतंकी गतिविधियों से जोड़ने का काम कर रहे थे। आरोपियों के पास से बरामद सात मोबाइल फोन में आगजनी, विस्फोट और हथियारों के प्रदर्शन से जुड़े कई आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं। एक वीडियो में मुख्य आरोपी आकिब एके-47 और हैंड ग्रेनेड के साथ दिखाई दिया, जिसे सोशल मीडिया पर साझा किया गया था।

एटीएस की जांच में हैदराबाद कनेक्शन भी उजागर हुआ है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों के तार पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के नेटवर्क से जुड़े हैं। अजीम राणा के माध्यम से हैदराबाद में संपर्क स्थापित किए गए थे, जहां से नेटवर्क को दिशा मिल रही थी। इसके अलावा, कुछ आरोपी सैलून में काम करते हुए युवाओं को जोड़ने और उन्हें भड़काने का काम कर रहे थे।

मामले में एटीएस और अन्य केंद्रीय एजेंसियां लगातार पूछताछ कर नेटवर्क की गहराई तक पहुंचने में जुटी हैं।

सखी एप से जुड़ नहीं पाए स्वयं सहायता समूह, कई जिलों की प्रगति खराब

अमृत विचार, लखनऊ: राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूह संगठित नहीं हो पाए हैं। समूहों को ग्राम संगठन और संकुल स्तरीय संघ से जोड़ने के लिए सखी एप (लोकोश) पर मैप करने में कई जिलों की प्रगति खराब है। इस कारण समूह को धनराशि निर्गत नहीं हो पा रही है।

मिशन के तहत गांव-गांव संचालित समूहों के माध्यम से महिलाएं घर बैठे बड़ा-छोटा काम करके आजीविका चलाती हैं। इन समूह को और बेहतर व हाईटेक बनाने के लिए ग्राम पंचायत और ब्लॉक स्तर पर संगठित करना है। पहले समूहों को लोकोस एप पर मैपिंग करके ग्राम संगठन से जोड़ना है। इसके बाद ग्राम संगठन को संकुल स्तरीय संघ से जोड़ना है। मिशन स्तर पर समीक्षा की गई तो ग्राम संगठन में हाथरस, गाजीपुर, ललितपुर, महाराजगंज, बलिया, शाहजहांपुर, सीतापुर आदि जिलों की प्रगति बेहद खराब मिली। जबकि संकुल स्तरीय संघ में महाराजगंज, बरेली, गाजीपुर, उन्नाव और मुरादाबाद की प्रगति सर्वाधिक खराब मिली। इस कारण समूहों को मिशन द्वारा सीआईएफ की धनराशि निर्गत करना संभव नहीं हो पा रहा है। मिशन से मिलने वाली धनराशि से ही समूहों का संचालन होता है। भुगतान के लिए समूहों का ग्राम संगठन और संकुल स्तरीय संघ से 100 फीसद मैप होना जरूरी है। मिशन निदेशक ने 100 फीसद लक्ष्य पूर्ति करने के निर्देश दिए हैं।

डिप्थीरिया-टिटनेस से बचाव को टीडी टीकाकरण अभियान आज से

अमृत विचार, लखनऊ: डिप्थीरिया और टिटनेस जैसे गंभीर संक्रामक रोगों से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रदेश में सोमवार से 30 अप्रैल तक स्कूल-आधारित टिटनेस-डिप्थीरिया (टीडी) टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान सभी सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में संचालित होगा। राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि डिप्थीरिया के मौसमी खतरे को देखते हुए 20, 21, 23, 24, 27 और 28 अप्रैल को विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाएंगे। अभियान के दौरान कक्षा 1 के बच्चों को डीपीटी-2 बूस्टर, कक्षा 4 व 5 के बच्चों को टीडी-10 तथा कक्षा 10 व 11 के छात्रों को टीडी-16 का टीका लगाया जाएगा।

पहल

6 जिलों के 50 केंद्रों पर 39 हजार अभ्यर्थियों ने दी सहायक आचार्य पुनर्परीक्षा

एआई निगरानी और ओएमआर स्कैनिंग से हुई पारदर्शी परीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से सहायक आचार्य की लिखित पुनर्परीक्षा शनिवार और रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। 16 विषयों की यह परीक्षा प्रदेश के छह जिलों आगरा, मेरठ, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर और वाराणसी के 50 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित हुई। एआई निगरानी और प्रयागराज में ओएमआर स्कैनिंग के पायलट प्रोजेक्स से पारदर्शिता की नई पहल सामने आई।

परीक्षा सुबह 9:30 से 11:30 बजे और दोपहर 2:30 से 4:30 बजे तक आयोजित की गई। आयोग ने परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एआई इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड रूम से सभी केंद्रों की निगरानी की।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने स्वयं प्रयागराज के कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। यहां पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक अभिनव प्रयोग के तहत पांच केंद्रों पर ओएमआर शीट की स्कैनिंग परीक्षा समाप्त होते ही परीक्षार्थियों और कक्ष निरीक्षकों की उपस्थिति में कराई गई। इस प्रक्रिया की समीक्षा भी अध्यक्ष ने मौके पर पहुंचकर की। दो दिनों में कुल 39,192 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। 18 अप्रैल को 19,718 परीक्षार्थी और 19 अप्रैल को 19,474 परीक्षार्थी शामिल हुए।

पुनर्परीक्षा के दौरान निरीक्षण करते आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार।

मदरसा बोर्ड परीक्षा में 18.29 फीसद बढ़े विद्यार्थी

अमृत विचार, लखनऊ: वर्ष 2026 की मदरसा बोर्ड परीक्षा में छात्र-छात्राओं की संख्या में 18.29 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में जहां 68,423 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था, वहीं इस बार 80,933 परीक्षार्थी शामिल हुए। यानी कुल 12,510 छात्रों की बढ़ोतरी हुई है। मदरसा शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित मुंशी/मौलवी (सेकेंडरी) और आलिम (सीनियर सेकेंडरी) परीक्षाएं 9 फरवरी को प्रदेशभर में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई थीं। आंकड़े यह भी बताते हैं कि रीक्षा को नकलविहीन और निष्पक्ष बनाने के लिए इस बार व्यापक इंतजाम किए गए थे। मदरसा शिक्षा परिषद के अनुसार, परीक्षा परिणाम मई माह में जारी किए जाने की तैयारी अंतिम चरण में है।

महिलाओं को गन्ना समिति परिसर में मिलेगा मुफ्त स्थान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दो विभागों के बीच एमओयू, स्वयं सहायता समूह खोलेंगे प्रेरणा कैंटीन व मार्केटिंग सेंटर

अमृत विचार: अब गन्ना सहकारी समितियों के परिसरों में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए निशुल्क स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल के तहत महिलाएं 'प्रेरणा कैंटीन' और अपने उत्पादों के प्रदर्शन व बिक्री के लिए मार्केटिंग सेंटर संचालित कर सकेंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग और उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के बीच इस संबंध में एमओयू साइन किया गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। गन्ना आयुक्त मिनिस्थी एस. के अनुसार, गन्ना समितियां अपने परिसरों में उपलब्ध खाली स्थान को महिलाओं के समूहों को देंगी। शुरुआती दो वर्षों तक इन स्थानों के लिए कोई किराया नहीं लिया जाएगा। इसके बाद भी महिलाओं को केवल 50 प्रतिशत किराया ही देना होगा, जो जिला प्रशासन द्वारा तय सर्किल रेट के अनुसार निर्धारित होगा।

शुभ अक्षय तृतीया
की मंगलकामनाएँ
मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर
विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज
कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

यूपी 42 नंबर की गाड़ियों को सभी बैरियरों पर फ्री करने की योजना

यलो जोन में कम होगी बैरियरों की संख्या, कुछ पर समयानुसार मिलेगी छूट

विशाल तिवारी, अयोध्या।

अमृत विचार : विगत दिनों नई दिल्ली में अयोध्या पर्व के दौरान गूंजे रामनगरी के दर्द के बाद जिला प्रशासन द्वारा बंदिशों में दिए गए राहत के प्रयोग के पीछे की कहानी कुछ अलग ही है। सब ठीक रहा तो जल्द ही यूपी 42 नंबर के वाहनों को सभी बैरियरों से आने जाने की छूट मिलेगी। साथ ही यलो जोन से कुछ बैरियर हटाए भी जाएंगे। कुछ पर समयानुसार ढील दी जाएगी।

अयोध्यावासियों को सुरक्षा प्रतिबंधों में राहत देने के लिए पुलिस ने कार्ययोजना बना ली है। इसके तहत प्रयोग के तौर पर शनिवार की शाम से 24 घंटे के लिए यलो जोन के 52 बैरियरों को हटा दिए गए। हालांकि इसका मिला जुला असर दिखा। श्रीराम अस्पताल से पोस्ट आफिस तिराहे तक जाम की स्थिति रही। साथ ही प्रवेश में छूट पाने से बाहरी गाड़ियां राम मंदिर व हनुमानगढ़ी के पास रामपथ पर खड़ी हो गईं। हालांकि रविवार के अवकाश व दोपहर में कड़ी धूप के चलते श्रद्धालुओं की संख्या कम होने से अन्य स्थानों पर जाम की स्थिति नहीं रही। शाम को भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने पोस्ट आफिस तिराहे से हाशिम अंसारी बैरियर तक के मार्ग पर वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह कवायद अयोध्यावासियों को आने जाने में छूट देने के लिए की जा रही है। इसकी पहल एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने की है। उनकी योजना जिले के वाहन नंबर यूपी-42 वाले वाहनों (जो अयोध्या धाम क्षेत्र में रहते हैं) को सभी बैरियर पर आने जाने पर रोकटोक से मुक्त करने की है। योजना के अनुसार यलो जोन के बैरियरों की संख्या कम की जा सकती है। साथ कुछ संवेदनशील बैरियरों पर कुछ समय के लिए छूट भी दी जा सकती है।

यलो जोन से बैरियर हटाने का 24 घंटे का हुआ ट्रायल

सुरक्षा में छूट के ट्रायल के दौरान श्रीराम अस्पताल के पास लगी वाहनों की भीड़। अमृत विचार

दोपहर बाद पोस्ट आफिस चौराहे से हासिम अंसारी बैरियर तक मार्ग बंद

टेढ़ी बाजार बैरियर से बेरोकटोक आते जाते वाहन। अमृत विचार

ट्रायल की बनाई गई वीडियो, जल्द होगा फैसला

24 घंटे तक पुलिस व यातायात विभाग द्वारा किए इस प्रयोग की जगह-जगह वीडियोग्राफी भी कराई गई। जानकारी के अनुसार सबसे ज्यादा समस्या बाहरी चार पहिया वाहनों के प्रवेश से आई। रामपथ पर श्रीराम अस्पताल से श्रीराम जन्मभूमि पथ-हनुमानगढ़ी चौराहा, श्रृंगारहाट, तुलसी उद्यान, लता चौक आदि महत्वपूर्ण स्थानों पर यह वाहन खड़े हो गए। इसे यातायात के साथ सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी अतिसंवेदनशील माना गया। उचित स्थानों पर वाहन पार्किंग न होने की समस्या को भी गंभीरता से लिया। हालांकि रविवार को भीड़ ज्यादा न होने से जाम की समस्या का आकलन ठीक से नहीं हो सका। इन सभी समस्याओं को लेकर जल्द ही एसएसपी जिले के वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व आम लोगों से राय लेंगे।

यलो जोन में बढ़ाई गई पास की सुविधा, लगाया शिविर

इस प्रयोग से पहले ही यलो जोन में वाहनों से आने जाने के लिए पास जारी करने की योजना को और विस्तृत किया गया। रविवार को रामकथा पार्क में यातायात पुलिस द्वारा शिविर लगाया गया। इसमें करीब दो सौ लोगों ने आवेदन किया। जल्द ही आवेदनों की जांच कर पास जारी किए जाएंगे। अगला शिविर 26 अप्रैल को आरटीओ कार्यालय में आयोजित होगा।

उदया चौराहे पर भी हटाए गए बैरियर।

हाशिम अंसारी आवास से रेलवे स्टेशन मार्ग पर पार्किंग बनाने की योजना

बाहरी वाहनों को हाशिम अंसारी आवास के पास बने बैरियर तक आने की छूट देने की योजना है। इसके लिए यहां से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन तक करीब चार सौ मीटर फोरलेन मार्ग पर वाहनों को पार्क कराने की योजना है। हालांकि यहां पार्किंग फुल होने के बाद टेढ़ी बाजार से वाहनों का प्रवेश रोक दिया जाएगा। इससे बाहर से आने वाले श्रद्धालु राम मंदिर के और करीब तक पहुंच सकेंगे।

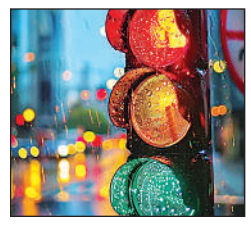

लोग बोले - सहुलियत चाहिए, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं

अयोध्यावासियों को आवागमन में छूट देने की यह प्रशासन की यह पहल सराहनीय है। इसके लिए एडीजी जोन प्रवीण कुमार भी प्रयासरत थे। फिलहाल आने जाने की छूट जरूर मिले, लेकिन रामनगरी की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षा के साथ अतिथि सत्कार का भाव देना हमारा दायित्व है। प्रशासन की योजना में हमारा पूरा सहयोग रहेगा। – इं. सिद्धांत सिंह, अयोध्या

योगी जी की अगुवाई में जिला प्रशासन का यह प्रयास बेहद सराहनीय है। इससे स्थानीय लोगों के साथ साधु संतों को भी बैरियर पर सुरक्षा बलों की अनुनय विनय नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय लोगों के वाहनों को बैरियर पर रोक टोक न होने से हम सभी खुश हैं। प्रदेश सरकार ने अयोध्यावासियों की सुध ली, इसे लिए उन्हे सादर आभार। – महंत सत्येंद्र दास वेदांती, राम जानकी मंदिर।

सरयू आरती करने वाले पुजारियों को ड्रेस कोड लागू

अयोध्या, अमृत विचार : रामनगरी में मां सरयू की आरती को और आकर्षक और व्यवस्थित बनाने के लिए अब नया ड्रेस कोड लागू किया गया है। सरयू नदी तट पर होने वाली आरती में पुजारी सप्ताह के सातों दिन अलग-अलग रंगों के वस्त्र धारण करेंगे। इस पहल का उद्देश्य आरती को भक्ति के साथ-साथ सौंदर्य और सांस्कृतिक अनुभव से जोड़ना है। सरयू आरती की नई व्यवस्था के तहत रविवार को सफेद, सोमवार और शुक्रवार को लाल, मंगलवार को भगवा, बुधवार को हरा, बृहस्पतिवार को पीला और शनिवार को नीले रंग के वस्त्र पहने जाएंगे। हर रंग का अपना धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व बताया गया है। सरयू आरती संस्था के अध्यक्ष महंत शशिकांत दास ने बताया कि इस बदलाव से आरती का स्वरूप और भव्य होगा। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए यह पहल आकर्षण का केंद्र बनेगी।

आज से फिर शुरू होगा प्रशिक्षण

अयोध्या, अमृत विचार : जनगणना-2027 के लिए कार्मिकों का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। नगर निगम के जोन-एक और जोन-दो के साथ सदर तहसील क्षेत्र के मतगणना कार्मिकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 16 से 18 अप्रैल के बीच समाप्त हो गया। अब 20 अप्रैल से नगर निगम जोन तीन के कार्मिकों का प्रशिक्षण शुरू होगा। इसके साथ अन्य तहसीलों और निकायों के लिए भी प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन में आग लगने की सूचना पर यात्रियों में हड़कंप

बड़ागांव, अमृत विचार : अयोध्या कैंट से आनंद विहार टर्मिनल को जाने वाली ट्रेन की ब्रेक में लगी आग से यात्रियों में हड़कंप मच गया। रविवार शाम अयोध्या कैंट से 05213 अप आनंद विहार टर्मिनल आनंद विहार को जा रही थी। इसी बीच बड़ागांव रेलवे स्टेशन पर ब्रेक में आग लग गई। कोच संख्या S7 में ब्रेक में लगी आग की दुर्गंध आने से यात्रियों को जानकारी पर बड़ा गांव रेलवे स्टेशन पर गाड़ी को रोक दिया। यात्री डिब्बे से नीचे उतरने लगे। मौके पर स्टेशन मास्टर, गार्ड, ट्रेन चालक ने मौका मुआयना किया। स्टेशन मास्टर देव दत्त ने बताया कोच के ब्रेक को चेक किया गया। सब ओके मिलने पर गाड़ी गंतव्य की ओर रवाना किया गया। गाड़ी लगभग आधे घंटे रुकी रही।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

सोहावल, अमृत विचार : रौनाही पड़ाव से डयोढ़ी जाने वाले मार्ग सलोनिया तिराहे के पास सब्जी लेकर जा रहे युवक की बाइक पेड़ से टकरा जाने से मौत हो गई। नरेंद्र पुत्र रामचंद्रर (35) गौरा कुर्मियान अपनी मोटरसाइकिल पर सब्जी लेकर गांव जा रहा था। सलोनिया चौराहे पर संतुलन बिगड़ गया। घायल अवस्था में ग्रामीण एंबुलेंस से सीएचसी सोहावल पहुंचे। डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। क्षेत्रीय लोगों ने बताया वह गौरा कुर्मियांन के पास सब्जी की दुकान लगाकर अपने परिवार का पालन पोषण करता था। रौनाही थाने के उपनिरीक्षक कमल सिंह ने बताया की परिवार वालों को सूचना दे दी गई है। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच पड़ताल की जा रही है।

मॉडिफाइ साइलेंसर लगवाने वाले 12 वाहनों का चालान

अयोध्या, अमृत विचार : मॉडिफाइ साइलेंसर, हूटर, सायरन एवं प्रेशर हॉर्न के प्रयोग के विरुद्ध परिवहन विभाग द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 17 व 18 अप्रैल को 12 वाहनों का चालान किया गया। एआरटीओ प्रशासन डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि उच्च न्यायालय द्वारा वाहनों में प्रयोग किए जा रहे मॉडिफाइ साइलेंसर व प्रेशर हॉर्न के प्रयोग होने वाले ध्वनि प्रदूषण पर कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत वाहनों में इस तरह के हॉर्न लगाने वाले दुकानदारों, गैराजों एवं वर्कशॉपों के विरुद्ध पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

अमरनाथ यात्री का बदल दिया ब्लड ग्रुप

अयोध्या, अमृत विचार : जिला अस्पताल की आईपीएचएल से एक और गड़बड़ी का मामला सामने आया है। यहां अमरनाथ यात्री के ब्लड सैंपल की जांच में ही ग्रुप ही बदल दिया गया। अश्वनीपुरम निवासी अनुज श्रीवास्तव ने बताया कि वह गत वर्ष अमरनाथ यात्रा के दौरान जिला अस्पताल में मेडिकल कराने पहुंचे थे। उस दौरान ब्लड ग्रुप ए पॉजीटिव बताया था। साथ ही सात जीएम ब्लड होने की रिपोर्ट दी थी। इसके दूसरे दिन निजी लैब में जांच कराने पर शरीर में हीमोग्लोबिन 14 जीएम की रिपोर्ट मिली थी। इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रा पर जाने से पहले मेडिकल कराने जिला अस्पताल पहुंचा था। जांच कराई तो ब्लड ग्रुप ओ पॉजीटिव बता दिया, जबकि उनका ब्लड ग्रुप ए पॉजीटिव है। उन्होंने बताया कि वह इस संबंध में उच्चाधिकारियों से शिकायत करेंगे। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने बताया कि अभी हमारे पास ऐसी कोई शिकायत नहीं आई है। मामले की जांच कराई जाएगी।

फेमिली आईडी बनाने पर प्रशासन का जोर

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: जिले में फेमिली आईडी बनाने को लेकर प्रशासन का जोर है। आईडी को एक परिवार एक पहचान के रूप में लिया जा रहा है। इसे सरकारी योजनाओं से दूसरे कार्यों में उपयोग में लाया जा सकता है।

फेमिली आईडी एक परिवार के सभी सदस्यों का एक डेटा बेस बनाकर 12 अंकों का डिजिटल नंबर दिया जाता है। इसका मुख्य लाभ सरकारी योजनाओं का पारदर्शी और आसान लाभ बताया गया है। साथ ही इसे 76 सरकारी योजनाओं से सीधे जुड़ा माना जाता है। इसके जरिए आय,जाति, निवास जैसे प्रमाण पत्र बनवाना आसान हो जाता है। फेमिली आईडी का नोडल विभाग अर्थ एवं संख्या है। आईडी बनाने के लिए कोई भी व्यक्ति आवेदन कर सकता है। यह निशुल्क है। जिले के लिए फेमिली आईडी का कुल लक्ष्य 125231 है। अब तक 77591 परिवारों की आईडी बनाई जा चुकी है। ग्रामीण क्षेत्र के सभी 11 ब्लाक क्षेत्रों के लक्ष्य 118219 के सापेक्ष कुल 80267 आवेदन आए। इनमें 76672 की फेमिली आईडी निर्गत कर दी गई। यह कुल ग्रामीण लक्ष्य का 64.86 फीसदी है। पांचों तहसीलों के शहरी क्षेत्र के लोगों का आकर्षण फेमिली आईडी की ओर ज्यादा नहीं है। कुल लक्ष्य 7012 है। अप्रैल के पहले सप्ताह तक इनमें से 919 आवेदन स्वीकृत किए गए थे। यह कुल लगभग 13 फीसदी है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में औसतन 61.96 फीसदी फेमिली आईडी बनाई जा चुकी है।

बंगाल व दिल्ली की नृत्यांगनाओं ने की श्रीराम स्तुति

अयोध्या, अमृत विचार : बंगाल तथा दिल्ली से आईं 81 नृत्यांगनाओं ने रविवार को श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर की यज्ञशाला में श्रीरामलला की स्तुति और आराधना की। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही विभिन्न क्षेत्रों से भक्तों का जत्था पहुंच रहा है। इसी क्रम में नैतालिम डांस अकादमी पूर्व वर्धमान, बंगाल और दिल्ली से आई मातृशक्तियों ने नृत्य के माध्यम से श्रीराम की आराधना की।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देती नृत्यांगना। अमृत विचार

360 करोड़ से संवरेगी बिजली आपूर्ति व्यवस्था

अयोध्या कार्यालय

- 14 लाख से अधिक उपभोक्ता होंगे लाभान्वित

अमृत विचार : अयोध्या मंडल में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ और निर्बाध बनाने के लिए पावर कार्पोरेशन ने वर्ष 2026-27 के लिए 360 करोड़ रुपये का बिजनेस प्लान तैयार कर शासन को भेजा है। मंडल में 14 लाख से अधिक उपभोक्ता हैं। इन उपभोक्ताओं को 180 बिजली घरों के माध्यम से बिजली आपूर्ति की जाती है। उपभोक्ताओं को अनवरत बिजली आपूर्ति मिले, इसके लिए पावर कॉर्पोरेशन द्वारा संसाधनों में वृद्धि की जा रही है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बिजनेस प्लान 2026-27 में 360 करोड़ रुपये की लागत से मंडल में बिजली व्यवस्था में सुधार किया जाएगा।

इनमें नए बिजली सब स्टेशन की क्षमता वृद्धि, नए वितरण ट्रांसफार्मर और पुराने ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि, नई लाइन खींचने जैसे कार्य कराए जाएंगे। समय के साथ उपभोक्ताओं की संख्या और बिजली की मांग बढ़ रही है। ऐसे में बिना संसाधनों की वृद्धि किए और सुदृढ़ बनाए निर्बाध बिजली आपूर्ति कर पाना मुश्किल होगा। बिजनेस प्लान 2026-27 के तहत सभी 13 खंडीय कार्यालयों से कार्यों का प्रस्ताव मांगा गया था। प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है। मंडल के चारों सर्किल में चार हजार नए ट्रांसफॉर्मर लगाने के साथ ही करीब 40 सब-स्टेशनों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। एक हजार नए बिजली भी बनाए जाने का प्रस्ताव शामिल है। अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर, बाराबंकी और अयोध्या में सर्वाधिक कार्य होंगे। अमेठी में पचास करोड़ का कार्य तय किया गया है।

बिजनेस प्लान का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। शीघ्र ही स्वीकृत भी मिल जाएगी। कार्यों के लिए तैयारी की जा रही है। इससे सभी जिलों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होगी। – बृजेश कुमार, मुख्य अभियंता वितरण

कोतवाल ने की अभद्रता, अग्निपीड़ित किसानों का धरना

संवाददाता, सोहावल।

अमृत विचार: अग्निपीड़ित धौरहरा गांव के किसानों ने कोतवाल रौनाही की अभद्रता के विरोध में धरना दिया। शनिवार को धौरहरा गांव में खराब कंबाइन को कंपनी से आए इंजीनियर से ठीक करने के दौरान आग लग गई। कंबाइन के साथ आधा दर्जन किसानों की 50 बीघा गेहूं की फसल, दो बाइक, भूसा तैयार कर रहे विवेक सिंह का ट्रैक्टर जल कर राख हो गया।

किसानों का आरोप है कि आग की राख ठंडी भी नहीं हुई कि किसानों की जली फसल की चिंता न कर कोतवाल लालचंद सरोज ने गाड़ी से उतरते ही किसानों पर गालियों की बौछार कर दी। गांव के बाहर धरने पर बैठे किसान विवेक सिंह का आरोप कि किसी ने अफवाह फैलाई कि आग लगने से पीड़ित किसानों ने दो इंजीनियरों को बंधक बना लिया। कोतवाल सरोज ने फसल के नुकसान की बात करना दीगर मौजूद चौकी प्रभारी सत्यम अग्रवाल से मौके के हालात को जाने बगैर गाड़ी से उतरते हुए गालियों की बौछार कर दी। नाराज हो विभागीय अधिकारियों से कोतवाल को सस्पेंड करने की मांग को लेकर दो दिन से धरने पर बैठे हैं।घटना की सूचना पर एसडीएम सोहावल सविता देवी, सीओ अरविन्द सोनकर ने पहुंचकर मामले को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन समस्या का निस्तारण नही हो सका। सीओ सदर ने बताया कि सभी से लिखित शिकायत देने को कहा गया है। इसके मिलने पर देर शाम तक समस्या का निस्तारण कर लिया जाएगा।

धौरहरा गांव में प्रदर्शन करते ग्रामीण। अमृत विचार

महिला सिपाही ने श्रद्धालु का खोया झुमका ढूंढकर सुपुर्द किया

अयोध्या, अमृत विचार : हनुमानगढ़ी मंदिर में महिला श्रद्धालु का खोया झुमका एक महिला श्रद्धालु की मदद से ढूंढ कर महिला कांस्टेबल ने वापस किया। रविवार को श्रद्धालु विनीता कुमारी पत्नी हिमांशु तिवारी निवासी बीकापुर जनपद अयोध्या अपने परिवार के साथ हनुमानगढ़ी मंदिर पर दर्शन करने के लिए आई थी। इस दौरान उनके एक कान का झुमका कीमत करीब दो लाख, दर्शन करते समय मंदिर में गिर गया। जब वह निकास द्वार के आगे पहुंचीं तो इसकी जानकारी हुई। इसकी सूचना चौकी इंचार्ज हनुमानगढी नरेश सिंह को दी तो उन्होंने टीम को लगाया। टीम की महिला कांस्टेबल रीना व दर्शन करने आई एक महिला के द्वारा झुमके को ढूंढ कर महिला को सुपुर्द कर दिया गया। झुमका पाकर महिला श्रद्धालु ने महिला कांस्टेबल तथा दर्शन करने आई महिला का आभार जताया।

बाउंड्रीवॉल निर्माण के लिए 1000 मीटर में डाली गई नींव

राम मंदिर परिसर के पश्चिम दिशा में बन रहा बाउंड्रीवाल। अमृत विचार

अयोध्या, अमृत विचार : राम मंदिर परिसर के 3.5 किलोमीटर लंबी बाउंड्री वॉल का निर्माण सितंबर माह तक पूरा करने का लक्ष्य है। पहले चरण में मंदिर के उत्तरी दिशा में लगभग तीन सौ मीटर लंबी दीवार को पूरा करने के बाद पश्चिम दिशा में 1000 मीटर में पाईलिंग (गहरी नींव) कर बाउंड्री वॉल निर्माण शुरू कर दिया गया है। रक्षा मंत्रालय के उपक्रम इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड के द्वारा राम मंदिर परिसर के 70 एकड़ के बाउंड्री वॉल को सुरक्षा के लिए 14 फीट ऊंची और लगभग 3.5 किलोमीटर लंबी बाउंड्रीवाल का निर्माण किया जा रहा है। राम मंदिर ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल जी राव ने कहा कि दीवार को बनाए जाने का कार्य तेज कर दिया गया हैं। एक हजार मीटर लंबे क्षेत्र में जमीन के अंदर पाईलिंग कर लिया गया हैं। आने वाले 6 माह में निर्माण पूरा कर लिया जाएगा।

अक्षय तृतीया | सराफा बाजारों में दिखी भीड़, हल्के आभूषण रहे पहली पसंद

चांदी के आभूषणों की रही अधिक डिमांड

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर रामनगरी के बाजारों में खासा उत्साह और चहल-पहल देखने को मिली। रविवार को इस तिथि पर सराफा बाजार सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ से गुलजार रहा। दुकानदारों ने बताया कि सुबह 10 बजे के बाद शुभ मुहूर्त शुरू होते ही खरीदारी की रफ्तार तेज हो गई। दिन भर में करीब 25 करोड़ का व्यापार होने का अनुमान लगाया गया।

ग्राहकों ने मुख्य रूप से हल्के और आकर्षक डिजाइन वाले आभूषणों को प्राथमिकता दी। झुमकी, अंगूठी, बाली, पायल, हल्की हसली और चूड़ियां खासतौर पर पसंद की गईं। महिलाएं और युवतियां इन हल्के गहनों की ओर ज्यादा आकर्षित दिखीं, क्योंकि ये रोजमर्रा के पहनने और आधुनिक फैशन दोनों के लिए उपयुक्त हैं। अयोध्या के चौक, रिकाबगंज समेत अयोध्या धाम के सराफा बाजार में कई दुकानदारों ने स्पेशल ऑफर और डिस्काउंट घोषित किए, जिससे खरीदारी और बढ़ी। परिवारों के साथ आए लोग पूजा सामग्री के साथ-साथ शुभ मुहूर्त में सोना खरीदने की परंपरा निभाते दिखे।

सराफा व्यवसायी विजय मेहता ने बताया इस बार महंगाई के बावजूद हल्के आभूषणों की बिक्री में 30-40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ग्राहक वजन कम रखकर डिजाइन पर फोकस कर रहे हैं। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मंत्री व थोक व्यापारी उत्तम बंसल ने बताया कि रविवार को मिला जुला असर देखने को मिला। सोने का कम चांदी का व्यापार अधिक हुआ है।

चौक में आभूषण केंद्र पर खरीदारी करतीं महिलाएं। अमृत विचार

राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में अब वार्ड बॉय की दिखी दबंगई

अयोध्या कार्यालय

- तलब वार्ड बॉय कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक समेत कर्मियों पर हमलावर

अमृत विचार : राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं हैं। हाल ही में जूता तानने के घटनाक्रम के बाद अब एक वार्ड बॉय की दबंगई सामने आई है। हद यह रही कि एक शिकायत पर तलब वार्ड बॉय कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक समेत कक्ष में मौजूद कर्मियों पर हमलावर हो गया। मामले की शिकायत कोतवाली अयोध्या में की गई है।

जानकारी के मुताबिक एक प्रदाता कम्पनी के वार्ड बॉय सुभांशु रंजन की शिकायत नर्सिंग ऑफिसर वंदना वर्मा ने की थी। आरोप था कि वार्ड बॉय कार्यों में लापरवाही बरतता है। आरोपित वार्ड बॉय को 18 अप्रैल को रंजन को जब मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय में पूछताछ के लिये बुलाया गया तो वह कक्ष में उपस्थित वंदना वर्मा नर्सिंग ईंचार्ज, पुष्पा पाण्डेय मैट्रर्न एवं बागीश कुमार मिश्रा कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को धमकी देने लगा। कक्ष में उपस्थित अन्य चिकित्सक, नर्सिंग इंचार्ज, लिपिक संवर्ग एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ऑफिस में तैनात वार्ड बॉय सुशील गुप्ता और पन्ना लाल यादव के समझाने पर भी नहीं माना। इतना ही नहीं आक्रामक होकर वहां पर उपस्थित लोगों पर हमला करने की चेष्ठा करने लगा। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस चौकी के इंचार्ज, प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ अरविन्द कुमार सिंह एवं फ्यूजन टेक सुपरवाइजर अमन यादव को दी गई। पुलिस से इस संबंध में कार्रवाई की मांग की गई है। वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्य दिए गए हैं। इस संबंध में जब अयोध्या कोतवाल पंकज सिंह से ने बताया कि अभी हमें किसी तरह की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

अमृत विचार

अयोध्या, सोमवार, 20 अप्रैल 2026

स्कूलों की मनमानी पर लगेगी लगाम, समिति होगी गठित

जिला शुल्क नियमन समिति के पदेन अध्यक्ष होंगे जिलाधिकारी ■ शासनादेश के अनुसार ही शुल्क निर्धारण, टीसी अंक पत्र वसूली पर होगी कार्रवाई

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : निजी स्कूलों द्वारा मनमानी शुल्क वृद्धि और तयशुदा दुकान से किताबों की खरीद समेत अन्य प्रकार की वसूली और अभिभावकों का दोहन रोकने के लिए जिला प्रशासन एक्शन के मूड में आ गया है। स्ववित्तपोषित कॉलेजों और स्कूलों समेत शैक्षणिक संस्थानों को कसने के लिए जिले में जिला शुल्क नियमन समिति गठन के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यह समिति सभी निजी स्कूलों की निगरानी के साथ

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय अयोध्या।

साथ अभिभावकों की शिकायतों की सुनवाई का फोरम का भी काम करेगी। इतना ही नहीं शुल्क समेत विभिन्न नियमों का पालन न करने पर न केवल एक से 5 लाख तक का जुर्माना होगा वरन मान्यता तक रद की जा सकती है। हालांकि समिति गठन का निर्णय देर से लिया गया, अब तक निजी स्कूलों द्वारा अभिभावक बड़ी संख्या में प्रभावित हो चुके हैं।

उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2018 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। इस दायरे में सीबीएसई, आईसीएसई और यूपी बोर्ड से संबद्ध निजी स्कूलों आएंगे। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने निर्देश दिए हैं कि जिला शुल्क नियमन समिति का गठन किया जाए, जिसकी अध्यक्षता डीएम स्वयं करेंगे और जिला विद्यालय निरीक्षक सदस्य सचिव होंगे। मनमानी तरीके से शुल्क बढ़ाने वाले स्कूलों पर सख्त कार्रवाई होगी। चेतावनी दी गई कि यदि किसी स्कूल द्वारा अंकपत्र या टीसी जारी करने के नाम पर अभिभावकों से अतिरिक्त पैसे लिए जाने की शिकायत मिली तो न केवल जुर्माना लगाया जाएगा बल्कि स्कूल की मान्यता भी छीनी जा सकती है।

जिला स्तरीय समिति का यह होगा काम

- बिना फिटनेस सर्टिफिकेट वाली स्कूली बसों पर तत्काल रोक।
- सभी स्कूलों में वाहन पार्किंग की उचित व्यवस्था।
- विद्यालय प्रबंधन किसी भी बच्चे के अभिभावक को ड्रेस, किताबें या अन्य सामग्री खरीदने के लिए किसी खास दुकान से ही खरीदने के लिए बाध्य न करें।
- स्कूली वाहनों का फिटनेस संबंधित पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य।
- शुल्क निर्धारण शासनादेश के अनुसार ही किया जाए, कोई मनमानी नहीं चलेगी।
- वाहन चालकों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए।
- हर स्कूल में विद्यालय सुरक्षा समिति का गठन किया जाए।

उल्लंघन पर दंडात्मक प्रावधान

उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय शुल्क विनियमन अधिनियम 2018 के अनुसार शुल्क संबंधी शासनादेश का उल्लंघन करने पर पहली बार 1 लाख रुपये का अर्थदंड (जुर्माना) अतिरिक्त शुल्क की वापसी, दूसरी बार में 5 लाख रुपये का अर्थदंड अतिरिक्त शुल्क की वापसी, तीसरी बार में स्कूल की मान्यता रद्द करने की सिफारिश और विकास निधि की अनुमति वापस लेना शामिल है।

> समिति द्वारा सभी स्कूल संचालकों से अपील अधिनियम और संबंधित शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। शुल्क नियमन समिति अभिभावकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। – **डॉ. पवन कुमार तिवारी, डीआईओएस**

विधायक ने किया भागवत कथा का रसपान

शुजागंज अयोध्या। अमृत विचार: रुदौली तहसील क्षेत्र के जैथरी गांव में भागवत कथा के अंतिम दिन रुदौली के लोकप्रिय विधायक राम चन्द्र यादव ने पहुंचकर कथा वाचक पंडित संतोष शास्त्री का सम्मान कर कथा का श्रवण किया। संतोष शास्त्री ने भगवान के बाल स्वरूप का वर्णन किया।

विधायक ने कहा कि अयोध्या प्रभु श्री राम की नगरी है जहां निरंतर भागवत कथा व अन्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होता रहता है। जिला पंचायत सदस्य राम नेवल लोधी, मायाराम राजपूत, विकास मिश्रा, बीरेंद्र यादव, परशुराम, पहलवान यादव आदि लोग मौजूद रहे।

पदक पाकर कराटे के विजेता खिलाड़ियों के चेहरे खिले

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: बलदेव अकादमी में स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन के तत्वावधान में हुई जिला कराटे चैंपियनशिप के विभिन्न वर्गों में पदक जीतकर खिलाड़ियों के चेहरे खिल उठे। फ्लड लाइट में देर रात तक चले मुकाबले में खिलाड़ियों में खासा उत्साह रहा। मुख्य अतिथि स्पोर्ट्स कराटे संघ के जिलाध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह व विशिष्ट अतिथि अवध विश्वविद्यालय के क्रीड़ा उपसचिव डॉ. अनुराग पांडेय ने विजेताओं को पदक प्रदान कर सम्मानित किया। जिला सचिव हरिओम शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

प्रतियोगिता में सब जूनियर, कैडेट व जूनियर तीन वर्गों में कड़े मुकाबले

जिला कराटे चैंपियनशिप के पदक विजेता खिलाड़ी अतिथियों के साथ। अमृत विचार

हुए। खिलाड़ियों ने कुमिते व काता दोनों विधाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता के सब जूनियर (बालिका कुमिते) में अवनीत कौर (24 किग्रा), अग्रिमा (36 किग्रा), श्रेयांशी सिंह (21 किग्रा), अलंकृता पांडेय (28 किग्रा), अनिका आनंद (36 किग्रा) विजेता रहीं। (बालक कुमिते) में रेयान कश्यप (18 किग्रा), अनन्य पांडेय (24 किग्रा), प्रणव के. सिंह (44 किग्रा), युवराज उपाध्याय (28 किग्रा) विजेता रहे। कैडेट वर्ग (बालिका कुमिते) में शैलजा निषाद (30 किग्रा), अविका सिंह (44 किग्रा) और बालक कुमिते में सात्विक निषाद (39 किग्रा) विजेता रहे। जूनियर वर्ग (बालिका कुमिते) में अंशिका रावत (43 किग्रा), वैष्णवी मिश्रा (49 किग्रा), जूनियर बालक कुमिते में दिव्यांश पांडेय (46 किग्रा), रुद्र यादव (44 किग्रा), यश यादव (59 किग्रा) एवं दुर्गेश निषाद (64 किग्रा) और जूनियर काता बालिका में साक्षी चौधरी व बालक अर्पण कांत विजेता रहे। एसोसिएशन के महासचिव हरिओम शर्मा ने बताया कि सभी विजेता 24 से 26 अप्रैल तक चौक स्टेडियम लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे चैंपियनशिप के लिए चयनित किए गए हैं। प्रतियोगिता में प्रखर उपाध्याय, चंदन कुमार, रमेश विश्वकर्मा, प्रशांत, मानसी, आदित्य रावत, अवनीश कुमार व आदित्य पांडेय ने निर्णायक की भूमिका में निभाई। कीर्ति द्विवेदी, रेखा उपाध्याय, सिमरन कौर, श्वेता सहित अभिभावक उपस्थित रहे।

रूदौली में तहसीलदार विजय गुप्ता को ज्ञापन सौंपते भाकियू के पदाधिकारी।

स्मार्ट मीटर के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

मवई, अयोध्या। अमृत विचार : स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में प्रदर्शन कर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली के बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है, जिससे किसान और आम उपभोक्ता आर्थिक रूप से परेशान हैं। तहसील सभागार में आयोजित बैठक में भाकियू के तहसील अध्यक्ष रवि शंकर पांडे के नेतृत्व में किसानों ने तहसीलदार विजय गुप्ता और एसडीओ पटरंगा अभय सिंह के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। किसानों का कहना था कि मीटर रीडिंग में गड़बड़ी के चलते उपभोक्ताओं को मनमाने बिल भेजे जा रहे हैं। किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 22 अप्रैल तक स्मार्ट मीटर हटाने अथवा बिल संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो 23 अप्रैल को तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। किसी भी प्रकार की स्थिति उत्पन्न होने पर इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। किसानों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। जिला उपाध्यक्ष शंकरपाल पांडे, मंडल सचिव भोला सिंह, लक्ष्मीकांत, कमल तिवारी, राजेश तिवारी, सुरेश रावत, राजकुमारी, मीना देवी, मालती देवी समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

पूर्वांचल में आड़ू की खेती के खुले नए रास्ते

कृषि विवि में छात्रों को शोध के बारे में जानकारी देते अध्यापक।

कुमारगंज अयोध्या।

अमृत विचार : आड़ू को जहां पहाड़ी इलाकों की ठंडी जलवायु का फल माना जाता रहा है, वहीं बदलती कृषि तकनीक और वैज्ञानिक शोध इस धारणा को बदलने लगे हैं। अयोध्या जनपद स्थित आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में चल रहे प्रयोगों ने यह साबित करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

आड़ू की खेती अब मैदानी क्षेत्रों, खासकर पूर्वांचल में भी सफलतापूर्वक की जा सकती है। कुमारगंज स्थित कृषि विश्व विद्यालय के उद्यान एवं वानिकी महाविद्यालय के प्रक्षेत्र में वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध से उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। यहां वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश और पंजाब से आड़ू की विभिन्न प्रजातियों के पौधे मंगवाकर रोपित किए गए थे। आश्चर्यजनक रूप से इन पौधों में दूसरे ही वर्ष फल आना शुरू हो गया और वर्तमान समय में फल पकने की अवस्था में हैं।इस शोध का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ.भानु प्रताप कर रहे हैं,जबकि डॉ. निरंजन सिंह सक्रिय रूप से प्रजातियों के अनुकूलन और विकास पर कार्य कर रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि अयोध्या सहित पूर्वांचल की जलवायु पूरी तरह अनुपयुक्त नहीं है, बल्कि सही किस्मों के चयन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से यहां आड़ू की व्यावसायिक खेती संभव है। डॉ. निरंजन सिंह के अनुसार, अगले दो वर्षों में किसानों के लिए उन्नत प्रजातियां और वैज्ञानिक खेती की तकनीक विकसित कर दी जाएगी, जिससे वे इस फसल से बेहतर उत्पादन और अधिक मुनाफा प्राप्त कर सकेंगे। इससे क्षेत्र के किसानों के लिए आय के नए स्रोत खुलेंगे और पारंपरिक फसलों पर निर्भरता भी कम होगी। पोषण के दृष्टिकोण से भी आड़ू बेहद लाभकारी फल है। इसमें विटामिन सी, ए, ई, के और बी कॉम्प्लेक्स प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, आंखों की रोशनी सुधारने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मददगार होते हैं। कृषि विश्वविद्यालय का यह शोध न केवल किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, बल्कि पूर्वांचल की बागवानी को भी एक नई पहचान दिला सकता है।

इस गर्मी में भी ठंडी रहेगी शिक्षकों की स्थानांतरण प्रक्रिया

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों के लिए इन गर्मी की छुट्टियों में भी तबादले के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। मई में जनगणना के लिए घर-घर प्रगणन का काम शुरू होने वाला है। ऐसे में स्थानांतरण की प्रक्रिया इस बार भी शुरू होने की उम्मीद नहीं है।

परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों के जिले के अंदर और एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादले पिछले साल गर्मी की छुट्टियों में हुए थे, जबकि सर्दी की छुट्टियों (दिसंबर) में एसआईआर के कारण उनके तबादले की प्रक्रिया नहीं की गई। उन्हें उम्मीद थी कि

- **मई में जनगणना के चलते आसार नहीं**

इस बार गर्मी की छुट्टियों में उन्हें इसका मौका मिलेगा। किंतु इसके आसार नहीं दिख रहे हैं। शिक्षकों ने बताया कि जनगणना के लिए उनकी ट्रेनिंग शुरू होने वाली है। वहीं 22 मई से 20 जून तक घर-घर जनगणना के लिए उनकी ड्यूटी लगनी है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी ने कहा कि अगर तिथि नहीं बढ़ी तो जून में दस दिन का समय विभाग को मिलेगा, लेकिन इसके लिए उन्हें सभी आवश्यक प्रक्रिया पहले से पूरी करनी होगी। वहीं अगर जनगणना की तिथि केंद्र ने बढ़ा दी तो फिर इसकी भी संभावना समाप्त हो जाएगी। हालांकि, तबादला नीति इसी महीने आ रही है, विभाग चाहे तो मई में जनगणना शुरू होने से पहले भी इसकी प्रक्रिया पूरी कर सकता है। हमारी मांग है कि विभाग इस तरफ ध्यान दे। दूसरी तरफ विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जनगणना की वजह से इस बार तबादला प्रक्रिया शुरू करना संभव नहीं दिख रहा है। अगर दस दिन का मौका मिलता है तो जिले के अंदर परस्पर तबादले किए जा सकते हैं। किंतु इसके लिए उच्च अधिकारियों की सहमति जरूरी होगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी लालचंद ने कहा कि यह शासन स्तर का मामला है वह कुछ भी नहीं बता सकते हैं।

कर्मचारियों के बदलेंगे पटल, होंगे तबादले

अयोध्या कार्यालय। सरकारी विभागों में तबादले और पटल बदले जाने की तैयारी शुरू हो गई है। हालांकि अभी नई स्थानांतरण नीति प्रदेश सरकार ने जारी नहीं की है, लेकिन इसके जल्द आने की संभावना है। इसको लेकर महत्वपूर्ण विभागों में खाका तैयार किया जा रहा है। बताया गया है कि अब तक की तबादला नीति में तीन साल से एक पटल पर रहने वाले और सात साल से ज्यादा मंडल में रहने वाले कर्मचारियों सहित कई अन्य नियम हैं। इसी के तहत अतीत में तबादले और पटल परिवर्तन किए जाते रहे हैं। नए साल में अभी प्रदेश सरकारी की तबादला नीति नहीं आई है। सूत्रों का कहना है कि शासन स्तर पर यह तैयार की जा रही है। इसकी भनक लगने के साथ ही विभागों में भी हलचल शुरू हो गई है। जिला प्रशासन सहित कई महत्वपूर्ण विभागों में पुरानी फाइलें निकलनी शुरू हो गई है। वह इसलिए कि किन कर्मचारियों के पटल परिवर्तन कब हुए थे और कौन कर्मचारी विभाग में दूसरे स्थान से तबादले पर कब आया था। इसका पूरा खाका खींचने की तैयारी शुरू कर दी गई है, जिससे नीति आने के बाद यदि कोई बड़ा फेरबदल नहीं किया गया है तो तबादले और पटल परिवर्तन का काम तेजी से किया जा सके। चर्चा है कि इस साल माह मई में नई स्थानांतरण नीति आना संभव है, लेकिन इस बार स्थानांतरण नीति आने के साथ ही तबादले और पटल परिवर्तन तेज किए जाएंगे। हालांकि जनगणना के चलते तबादले पर इसका प्रभाव भी होगा। जानकारों की मानें तो बड़े पदों पर तैनात अफसरों को जनगणना के चलते शायद तबादले न के बराबर होने की संभावना भी है।

आकर्षण का केंद्र दुर्लभ इमू पक्षी का जोड़ा

अयोध्या, अमृत विचार: दुर्लभ पक्षी इमू लोगों के आकर्षण का केंद्र है। ऐतिहासिक बहू बेगम मकबरा परिसर में पक्षियों का जोड़ा टहलते दिखा है। पर्यटक और स्थानीय लोग इसे देख आनंद लेते हैं। यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा पक्षी इमू है। खास बात यह है कि इमू अपने वजन और छोटे पंखों के कारण उड़ नहीं सकता है, लेकिन यह बाइक की रफ्तार लगभग 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकता है। इसे आस्ट्रेलियन पक्षी बताया जाता है। यह भूरे रंग, लंबी गर्दन और मजबूत पैरों वाला पक्षी है। चर्चा है कि इसे पालने के लिए कई साल पहले कोई व्यक्ति यहां लाया था। यह दोनों नर पक्षी हैं। इसलिए इसका कुनबा बढ़ नहीं सकता है। वन विभाग के रेंजर अनिल त्रिगुनायत ने बताया कि सूचना पर वह गए थे, लेकिन यह वन संरक्षण अधिनियम के तहत नहीं आता है। यह विदेशी पक्षी है। लोगों का आकर्षण इसमें है। यह एएसआई से संरक्षित बहू बेगम मकबरा परिसर में टहलता है।

खंड विकास अधिकारी अनुराग सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए मनरेगाकर्मी।

मनरेगा कर्मियों की कलमबंद हड़ताल

पूराबाजार, अमृत विचार : अपनी मांगों को लेकर पूराबाजार ब्लाक के मनरेगा कर्मचारी 16 से 25 अप्रैल तक कलमबंद हड़ताल पर हैं। ग्राम रोजगार सेवक संघ के जिलाध्यक्ष अमरदीप गौड़ का कहना है कि उनकी लंबित मांगों पर शासन स्तर से अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है] जिससे वे आंदोलन के लिए मजबूर हुए हैं। ब्लॉक अध्यक्ष अनूप सिंह ने कहा कि यदि 25 अप्रैल तक उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज करेंगे। 26 व 27 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर पोस्टकार्ड अभियान चलाकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजा जाएगा। 28, 29 और 30 अप्रैल को क्षेत्र के विधायकों और सांसदों को भी ज्ञापन सौंप समस्याओं से अवगत कराया जाएगा। एक मई मजदूर दिवस पर जिला मुख्यालय पर एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन कर डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। शनिवार को ब्लॉक अध्यक्ष अनूप सिंह, महेश चतुर्वेदी, लोकेश आनंद पाण्डेय के नेतृत्व में बीडीओ अनुराग सिंह को ज्ञापन सौंपा। मौके पर विजय निषाद , सभाजीत, ओम प्रकाश गुप्ता, अजय पाण्डेय, रघुनाथ मौर्य, बृजेश कुमार, सुरेश कनौजिया, किस्मता, सरस्वती, यदुनाथ, शिव बालक बर्मा, बृजेश गौड, कल्याणी यादव ,धनपता, घनश्याम, आशा, जन्तिरा सहित अन्य मनरेगा कार्मिक शामिल रहे।

होटलों में छह माह पर आग से बचाव प्रशिक्षण जरूरी : पचेरीवाला

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अग्नि शमन विभाग द्वारा 14 से 20 अप्रैल तक मनाए जा रहे अग्निशमन सप्ताह के अंतर्गत आभा होटल मोतीबाग में होटल एवं रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस, अतिथि भवन और मैरिज लॉन के मालिकों एवं प्रबन्धकों को आग से बचाव विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए अयोध्या होटलियर्स एसोसिएशन के अरुण कुमार अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए अग्नि सुरक्षा के महत्व को बताया। मानस और तुलसी भवन के प्रबन्धक ट्रस्टी भागीरथ पचेरीवाला ने कहा कि संस्थानों एवं होटलों में कर्मचारी बदल जाते हैं, अतः हर छह महीने पर

मोतीबाग स्थित होटल में आयोजित गोष्ठी में मौजूद मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह, भागीरथ पचेरीवाला व अरुण कुमार अग्रवाल।

सभी अग्नि शमन उपकरणों को चला कर कर्मचारियों को उसका प्रशिक्षण देना आवश्यक है। गोष्ठी के मुख्य अतिथि, मुख्य अग्निशमन अधिकारी एम पी सिंह ने बताया कि प्रतिवर्ष 14 अप्रैल को शहीद फायरमैनों की याद में यह सप्ताह मनाया जाता है। अप्रैल और मई महीने में आग लगने की घटनाएं अधिक होती हैं। आग लगने पर उसका बचाव ही संभव है। उन्होंने बताया आग से बचाव के लिए सभी प्रतिष्ठानों एवं दुकानों में यह सिलेंडर समुचित संख्या में अवश्य रखने चाहिए। बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगने वाली आग का मूल कारण बिजली वायरिंग पर ओवरलोडिंग और कॉपर एवं एल्यूमीनियम तारों का ज्वाइंट होता

- **अग्निशमन सप्ताह के तहत मोतीबाग आभा होटल में आयोजित हुई गोष्ठी**

है, इससे बचाव आवश्यक है। होटल एवं गेस्ट हाउस में खुले गलियारों, सीढ़ियों एवं छत पर जाने के रास्तों को हमेशा खुला रखना चाहिए, उन पर कोई भी कबाड़ या फालतू सामान डंप नहीं करना चाहिए। फायर स्टेशन प्रभारी प्रदीप कुमार पांडेय, फायरमैन अवधेश पांडेय, सुनील कुमार, सुनील शुक्ला, सुनील तिवारी सहित मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष मख्खन लाल झुनझुनवाला, अवध मॉल के प्रबंधक अखिलेश पांडेय, बब्बू सिंह प्रधान उपस्थित थे। रघुकुल सदन के प्रबंधक कुमार अभिनव ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

हर्षोल्लास से मनाई गई भगवान परशुराम की जयंती

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम की जयंती अक्षय तृतीया के पावन दिवस पर सिविल लाइंस स्थित डिफेंस कॉलोनी में मनाई गई। सर्वप्रथम संघ के नगर संचालक रामचेत, नगर निगम के उप-सभापति संतोष सिंह, पार्षद सुशील कुमार मिश्र, जीआईसी के सेवानिवृत प्रधानाचार्य डॉ. एसएन तिवारी, प्रधानाध्यापक शिवाकांत तिवारी, उप- प्रधानाचार्य राजेश तिवारी, अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व प्रान्त प्रमुख शिक्षण आयाम सेवा भारती डॉ. दिनेशकांत पांडेय ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम

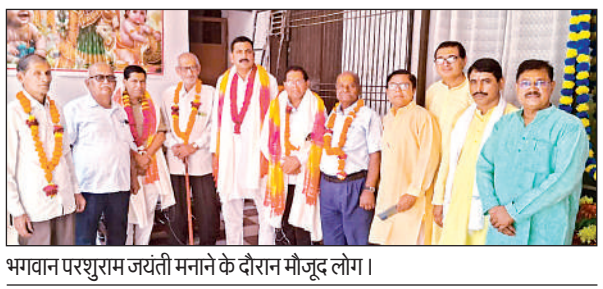
भगवान परशुराम जयंती मनाने के दौरान मौजूद लोग।

का शुभारंभ किया।

विहिप के सक्रिय पदाधिकारी अवध राज सिंह ने आरती स्तुति गान से किया। मुख्य वक्ता डॉ. एस एन तिवारी, डॉ. दिनेशकान्त पांडेय, अवध राज सिंह रहे। महानगर कुटुंब प्रबोधन प्रमुख चंद्रभान शुक्ल, नगर धर्म जागरण प्रमुख सत्यनारायण, पत्रकार जयप्रकाश श्रीवास्तव, मुख्य स्थाई अधिवक्ता अरुण प्रकाश सहित दर्जनों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। संचालन राजेश कुमार ने किया।

भगवान परशुराम का जीवन प्रेरणा स्रोत : विधायक

शुजागंज, अयोध्या। रुदौली तहसील क्षेत्र के बिचाला गांव में भगवान परशुराम जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। आयोजन भाजपा बूथ अध्यक्ष राजेश मिश्रा द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक रामचंद्र यादव ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंडल अध्यक्ष शिवानंद मिश्रा, माधुरी सिंह, राजेश रावत सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई भगवान परशुराम का प्राकट्योत्सव

सोहावल। सोहावल तहसील क्षेत्र बरई कला स्थित हनुमान एवं महामाई मंदिर पर भगवान परशुराम का समारोह पूर्वक प्राक्ट्योत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष खुन्नू पांडेय ने भगवान परशुराम का माल्यार्पण कर ज्योति प्रज्जवलित किया। संयोजन अशोक मिश्र, आयोजक मणिकांत मिश्र, संदीप मिश्र रहे। कार्यक्रम में कुबेर दत्त मिश्र, आंकित मिश्र, अनिल मिश्र, अभिषेक, राम बहादुर, बिट्टू तिवारी, उपदेश यादव, लक्ष्मण, बृजभूषण , केदार नाथ, पिंटू, भगवान प्रसाद, फूल चंद तिवारी सहित अन्य लोग थे।

भगवान परशुराम के विचारों से होगा राष्ट्र का निर्माण

अयोध्या, अमृत विचार : श्री हरि विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम के विचारों को आत्मसात करने हमारे समाज व राष्ट्र का कल्याण होगा। मजबूत राष्ट्र का निर्माण होगा। यह बातें मुख्य अतिथि अखिल भारतीय चाणक्य परिषद एवं श्री श्री परशुराम सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित कृपा निधान तिवारी ने साकेत पुरी में अनंत शिखर गेस्ट हाउस में जयंती समारोह में कही। इस अवसर पर पीसीएस अधिकारी बने अंतिम तिवारी, हर्ष तिवारी, अंकित तिवारी को अंग वस्त्र और भगवान परशुराम का चित्र भेंटकर सम्मानित किया गया। महिला प्रदेश अध्यक्ष मधु, जिलाध्यक्ष विनीत पांडे, देवी प्रसाद दुबे, जिला महामंत्री उमाशंकर तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष बाबूराम पांडे, सदानंद पांडे आदि थे।

अभिषेक सिंह को सम्मानित करते सूर्यवंश क्षत्रिय उत्थान समिति के अध्यक्ष भगवान बक्श सिंह व अन्य।

ऑडिटर पद पर चयनित अभिषेक का सम्मान

पूराबाजार, अमृत विचार : पूरा बाजार ब्लॉक क्षेत्र के जोगापुर नारा के रहने वाले अभिषेक सिंह पुत्र अनिल कुमार सिंह ने रक्षा मंत्रालय में ऑडिटर पद पर चयनित होकर क्षेत्र के साथ-साथ माता-पिता का नाम रोशन किया है। सूर्यवंश क्षत्रिय उत्थान समिति के अध्यक्ष भगवान बक्श सिंह ने समिति के पदाधिकारियों के साथ जोगापुर पहुंचकर अभिषेक को स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। अभिषेक ने अपने बड़े पिता वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंह व राजेंद्र सिंह को अपना आदर्श बताया। अभिषेक के पिता अनिल सिंह प्राइवेट सर्विस करते हैं। माता साधना सिंह घरेलू महिला हैं। लाल साहब सिंह, रणधीर सिंह लल्ला, समिति कोषाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, गजेंद्र सिंह, रवी सिंह, प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह प्रधानाचार्य आदि ने उज्जवल भविष्य की कामना की।

धमरूआ में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का एमएलसी ने किया लोकार्पण

3500 उपभोक्ताओं को सीधा लाभ, लो वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या से मिलेगी राहत

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण करते एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय व साथ में पूर्व सांसद रितेश पांडेय।

अमृत विचार। विद्युत वितरण खंड अकबरपुर के अंतर्गत जाफरगंज एवं धमरूआ क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में नए 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र धमरूआ का निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत रविवार को इसका लोकार्पण किया गया।

लोकार्पण कार्यक्रम में एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय, पूर्व सांसद रितेश पांडेय एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्यामसुंदर वर्मा साधु वर्मा ने संयुक्त रूप से उपकेंद्र का उद्घाटन कर इसे क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। इस अवसर पर विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों में अधीक्षण अभियंता रजनीश श्रीवास्तव, अधिशाषी अभियंता प्रेमचंद, अवर अभियंता अंकित राज एवं सतीश कुमार उपस्थित रहे। नव निर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र धमरूआ से धमरूआ, सलाहपुर, गोवावा जमालपुर, बीबीपुर भूसौली, मालीपुर, खालिसपुर, मैरवा, सिकंदरपुर, बरौली आसानंदपुर, हमाजपुर, रामपुर दुबे, नेमपुर, महेशपुर, तेंदुआ, इटौरी, बीबीपुर, थट्टा, दिघी सहित आसपास के अनेक गांवों के लगभग 3500 उपभोक्ताओं को सीधा लाभ प्राप्त होगा।

स्मार्ट मीटर से बिलिंग होगी पारदर्शी, आज से शुरू होगी हेल्प डेस्क

अंबेडकरनगर। जनपद में प्रीपेड और स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए बिजली विभाग ने पहल किया है। अधीक्षण अभियंता रजनीश श्रीवास्तव ने बताया कि अकबरपुर डिवीजन में सोमवार से हेल्प डेस्क शुरू की जाएगी, जहां उपभोक्ताओं की शिकायतों का समाधान किया जाएगा।

टांडा विकास खंड के ग्राम हकीमपुर में प्राथमिक विद्यालय भवन का फीता काटकर लोकार्पण करते जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला और साथ में एनटीपीसी टांडा के कार्यकारी निदेशक जयदेव परिदा।

हकीमपुर में नए प्राथमिक विद्यालय भवन का जिलाधिकारी ने किया लोकार्पण

टांडा, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। एनटीपीसी टांडा द्वारा सामुदायिक विकास पहल के अंतर्गत ग्राम हकीमपुर में 1 करोड़ 66 लाख 97 हजार की लागत से निर्मित नवीन प्राथमिक विद्यालय भवन का विधिवत लोकार्पण किया गया। विद्यालय भवन का लोकार्पण मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने एनटीपीसी टांडा के कार्यकारी निदेशक जयदेव परिदा की उपस्थिति में किया। इस पहल को एनटीपीसी की क्षेत्र में शैक्षिक आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने और सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया गया। कार्यक्रम में एसडीएम टांडा डॉ. शशि शेखर, बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पटेल, सीएमओ एनटीपीसी टांडा डॉ. मनीषा पांडेय, एजीएम मेंटेनेंस पीके गोयल तथा एजीएम एचआर रजनीश कुमार खेतान सहित प्रशासन एवं एनटीपीसी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बेहतर भौतिक संसाधन अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने एनटीपीसी टांडा की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने में सहायक सिद्ध होंगे और बच्चों को बेहतर शिक्षण वातावरण प्रदान करेंगे।

थाना कटका का एसपी ने किया आकस्मिक निरीक्षण

थाना कटका का निरीक्षण करतीं एसपी प्राची सिंह।

न्यौरी, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से नवागत पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने रविवार को थाना कटका का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण करते हुए कार्यप्रणाली की समीक्षा किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना कार्यालय, बंदीगृह, महिला हेल्प डेस्क, मालखाना सहित विभिन्न शाखाओं का भ्रमण किया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी प्रदीप सिंह चंदेल, कोतवाल जलालपुर अजय प्रताप, थाना प्रभारी अवधेश श्रीवास्तव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

परशुराम जयंती पर गोष्ठी आयोजित

कार्यक्रम को संबोधित करते भाजपा अवध प्रांत के पूर्व महामंत्री एवं भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष यमुना प्रसाद चतुर्वेदी।

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। जल्लापुर गिरैया बाजार में परशुराम जयंती पर आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने भगवान परशुराम के आदर्शों पर चलकर अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि भाजपा अवध प्रांत के पूर्व महामंत्री एवं भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष यमुना प्रसाद चतुर्वेदी ने कहा कि भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं और उन्होंने सदैव धर्म की रक्षा के लिए युद्ध किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता उदय राज मिश्रा ने कहा कि भगवान परशुराम भगवान शिव के शिष्य थे। उन्होंने उन्हीं से युद्ध कला का ज्ञान प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य कथावाचक पंडित राकेश जी महाराज ने की, जबकि संचालन उदय राज मिश्रा ने किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान वीरेंद्र तिवारी, इंद्रजीत सिंह, देवी प्रसाद चतुर्वेदी ने अपने विचार व्यक्त किए।

जलालपुर में भी धूमधाम से मनाई गई जयंती

जलालपुर, अंबेडकरनगर। वैशाख शुक्ल तृतीया के पावन अवसर पर भगवान परशुराम जयंती नगर क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष देवेश मिश्रा की अध्यक्षता में नगर कैंप कार्यालय के बगल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भगवान परशुराम ने अत्याचारी शासकों का अंत कर समाज में न्याय और धर्म की स्थापना की थी। इस मौके पर गौरव, शशिकांत, मनोज, ऋषभ, नीरज तिवारी, नीरज पांडे, छोटू, मानिकचंद, अभिनव, विक्की, अरविंद सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

मनोनीत सभासदों को दिलाई गई शपथ

बसखारी, अंबेडकरनगर। शनिवार को नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा कार्यालय सभागार में मनोनीत सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। नगर पंचायत अध्यक्ष ओमकार गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुए शपथ ग्रहण समारोह में उप जिलाधिकारी डॉ. शशि शेखर ने शासन द्वारा नामित सभासद सोनी जायसवाल, चंद्रेश निषाद, राम तीरथ गौतम को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता राम प्रकाश यादव उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता कर रहे नगर पंचायत अध्यक्ष ओमकार गुप्ता ने सभी सभासदों से नगर के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आवाहन करते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबके विश्वास पर बल देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की ट्रिपल इंजन की सरकार शासन सत्ता में सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने का काम करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। चेयरमैन ने शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद सभी अतिथियों का आभार प्रकट करते मनोनीत सभी सदस्यों को अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

अकबरपुर में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन की मांग

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

- 5 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से बनेगा इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन

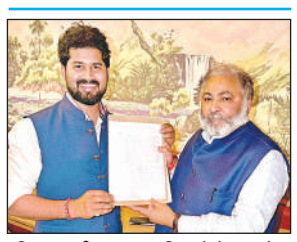

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से भेंट करते नारायण फाउंडेशन के संरक्षक विवेक मौर्य।

अमृत विचार। भाजपा नेता व समाजसेवी संस्था नारायण फाउंडेशन के संरक्षक विवेक मौर्य ने उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से भेंट कर अकबरपुर में 5 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित कराने की मांग किया है।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मांग पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए कहा कि वर्तमान समय में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अकबरपुर में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन की स्थापना की प्रक्रिया जल्द शुरू कराई जाएगी। विवेक मौर्य ने मंत्री के सकारात्मक रुख पर आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में निरंतर प्रगति कर रहा है और परिवहन मंत्री ने अपने विभाग के माध्यम से आधारभूत ढांचे व सेवाओं के विकास में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि परिवहन मंत्री ने अकबरपुर में परिवहन सुविधाओं के विस्तार में हमेशा सहयोग दिया है।

सड़क हादसे में घायल युवक ने तोड़ा दम

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। जैतपुर थाना क्षेत्र में 28 मार्च को हुए सडक़ हादसे में गंभीर रूप से घायल 22 वर्षीय अभिनव चतुर्वेदी उर्फ प्रियांशु चतुर्वेदी ने 22 दिन बाद लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। वह अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बता दें कि दुर्घटना 28 मार्च की शाम जैतपुर-टिकरी-नेवादा बांदीपुर मार्ग पर हुई थी। अभिनव बैंक का काम निपटाकर अपने ननिहाल मधुपुर लौट रहा था तभी एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर लखनऊ रेफर कर दिया गया। करीब 22 दिनों तक चले इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया।

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

स्पॉन्सरशिप योजना के लाभार्थी बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए लैपटॉप वितरित करते अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्याम देव व अन्य।

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक श्याम देव एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश कुमार की उपस्थिति में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति के तहत एक प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित करते हुए कन्या सुमंगला योजना के तहत स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। साथ ही कोविड-19 के दौरान अपने माता-पिता को खो चुके एवं वर्तमान में कक्षा 9 उत्तीर्ण कर चुके स्पॉन्सरशिप योजना के लाभार्थी बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए लैपटॉप वितरित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि इन बच्चों को समुचित पालन-पोषण के लिए प्रति माह 4 हजार रुपए की आर्थिक सहायता भी दी जा रही है। इस दौरान महिला कल्याण विभाग, एनआरएलएम और शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्वयं सहायता समूह योजना, पढ़े बेटियां-बढ़े बेटियां, समग्र शिक्षा अभियान एवं प्रबंधन योजना की विस्तृत जानकारी दी गई।

महिलाओं को उनके अधिकारों के लिए किया प्रेरित

कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की सदस्य सुमन ने अपनी प्रेरणादायक सफलता की कहानी साझा करते हुए आत्मनिर्भर बनने की यात्रा बताई। महिला कॉन्स्टेबल ने महिलाओं को आत्मविश्वास एवं अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। अपर पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति केंद्रों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए महिला सुरक्षा के प्रति शासन की प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं जिला प्रोबेशन अधिकारी ने साइबर अपराधों से बचाव के उपाय साझा किए। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका तिवारी ने किया।

अमृत विचार

अयोध्या, सोमवार, 20 अप्रैल 2026

सुलतानपुर

न्यूज ब्रीफ

महिला आरक्षण पर सपा ने साधा निशाना

सुलतानपुर, अमृत विचार : सपा नेता अशोक सिंह बिसेन ने महिला आरक्षण बिल पर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए इसे संविधान और संघीय ढांचे के खिलाफ बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन के जरिए लोकसभा सीटें बढ़ाने की तैयारी हो रही है। सपा ने महिला आरक्षण का समर्थन करते हुए दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को भी समान भागीदारी देने की मांग की।

प्रवेश पाण्डेय बने समीक्षा अधिकारी

बल्दीराय, सुलतानपुर, अमृत विचार : बल्दीराय ब्लॉक के सोरांव ग्राम निवासी प्रवेश पाण्डेय का चयन सचिवालय में समीक्षा अधिकारी पद पर होने से क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनकी सफलता पर जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने बधाई दी। पहले वह अमेठी में सहायक अध्यापक थे। यह उनकी तीसरी सरकारी नौकरी है। उनकी उपलब्धि से युवाओं में उत्साह है और इसे मेहनत व लगन का परिणाम बताया जा रहा है।

47 केंद्रों पर आरोग्य स्वास्थ्य मेला, 1160 लोगों को मिला लाभ

सुलतानपुर, अमृत विचार : 249वां आरोग्य स्वास्थ्य मेला सभी 47 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। मेले का संचालन 62 चिकित्सकों और 265 पैरामेडिकल स्टाफ के सहयोग से किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कुल 1160 लोगों का उपचार किया गया, जिनमें 547 पुरुष, 508 महिलाएं और 105 बच्चे शामिल रहे। साथ ही 13 गोल्डन कार्ड और 18 आभा कार्ड भी बनाए गए।

गाली-गलौज व धमकी मामले में तीन पर मुकदमा दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के पलियागोलपुर गांव में गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता मीना ने आरोप लगाया कि वर्ष 2024 में उनकी पुत्री अनामिका की हत्या के मामले में आरोपी जमानत पर छूटने के बाद घर आकर धमकी दे रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि अनिल, संदीप और पुनीता के खिलाफ नामजद केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सड़क हादसों में 3 की मौत, कई घायल

दोस्तपुर, अखंडनगर व गोसाईगंज में हुईं घटनाएं, पुलिस ने शुरू की जांच-पड़ताल

दोस्तपुर/अखंडनगर/गोसाईगंज, सुलतानपुर

अमृत विचारः जिले में रविवार को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए तीन भीषण सड़क हादसों ने लोगों को झकझोर दिया। दोस्तपुर, अखंडनगर और गोसाईगंज थाना क्षेत्रों में हुई इन घटनाओं में कुल तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी मामलों में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

पहली घटना दोस्तपुर थाना क्षेत्र की है, जहां पीआरवी में तैनात होमगार्ड चालक राम दयाल सिंह (46) ड्यूटी से घर लौट रहे थे। बढ़ौली गांव के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्राली से उनकी बाइक पीछे से टकरा गई, जिससे गले में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्हें सीएचसी दोस्तपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दूसरी घटना अखण्डनगर थाना क्षेत्र के अलीपुर स्थित दहलवा मोड़ के पास हुई। यहां एक युवक अपनी प्रेमिका के साथ बाइक से जा रहा था, तभी अनियंत्रित होकर पुलिया और खंभे से टकरा गया। हादसे में अमित कुमार निषाद (21) की मौत

रजनी की फाइल फोटो।

हो गई, जबकि युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे जिला अस्पताल अंबेडकरनगर रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तीसरी घटना गोसाईगंज थाना क्षेत्र के बमरौली के पास हुई, जहां अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इस हादसे में रजनी (22) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी मां पूनम (42) और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का इलाज मेडिकल कॉलेज सुलरतानपुर में चल रहा है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

तीनों घटनाओं के बाद संबंधित थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। जिले में लगातार हो रहे सड़क हादसों से लोगों में चिंता का माहौल बना हुआ है।

अज्ञात कारणों से खेतों में लगी आग

अखंडनगर, सुलतानपुर, अमृत विचार : अखंडनगर थाना क्षेत्र के नगरी गांव में रविवार दोपहर अज्ञात कारणों से खाली खेतों में भीषण आग लग गई। तेज धूप और हवा के चलते आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया और नगरी से फैलते हुए हकीमपुर व महमूद नगर बाजार तक पहुंच गई, जिससे ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी धीरेन्द्र कुमार वर्मा, राजस्व टीम और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बेची गई जमीन पर ले लिया ऋण कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ केस

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : पहले से ही भूखंड पर सरकारी ऋण के बावजूद जमीन की बिक्री हो गई, इतना ही नहीं बेचने के बाद भी ऋण ले लिया। खारिज दाखिल प्रक्रिया बाधित होने पर खरीददार को जानकारी हुई तो विक्रेता से पैसे मागे जिस पर उसने धमकी दी। मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर लपटा गांव निवासी प्रभाकर द्विवेदी ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उनके साथ योजनाबद्ध तरीके से लाखों रुपये की ठगी की गई है। प्रभाकर द्विवेदी के अनुसार, उन्होंने अपने साथियों अखिलेश कुमार सिंह, अशोक तिवारी और अवनीश पाठक के साथ मिलकर वर्ष 2021 में जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के गाटा संख्या 39 की लगभग 0.2530 हेक्टेयर भूमि का आधा हिस्सा 15 लाख रुपये में रजिस्टर्ड बैनामा कराया था। बैनामे में साफ तौर पर उल्लेख किया गया था कि उक्त भूमि किसी भी प्रकार के कर्ज से मुक्त है, लेकिन जब खरीदारों ने

- **खारिज दाखिल प्रक्रिया बाधित होने पर खरीदार को हुई जानकारी**

दाखिल-खारिज की प्रक्रिया शुरू कराई, तब उन्हें पता चला कि जमीन पर पहले से ही कृषि ऋण बकाया था, जिसे विक्रेता लालचन्द्र पांडेय ने छिपाया था। आरोप है कि न सिर्फ पुराना कर्ज छिपाया गया, बल्कि बैनामा होने के बाद भी उसी जमीन पर पशुपालन के नाम पर नया ऋण ले लिया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया बाधित हो गई। जब उन्होंने विक्रेता से इस बारे में बात की और पैसा वापस मांगा, तो आरोपी ने साफ इंकार कर दिया और उल्टा गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस मामले शिकायत के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। न्याय न मिलने पर अदालत का दरवाजा खटखटाया है और प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है। जयसिंहपुर कोतवाल ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

एथलेटिक संघ के नए पदाधिकारियों का चयन

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः जिला एथलेटिक संघ की साधारण सभा की बैठक रविवार को उत्तरी रेलवे कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय एथलेटिक्स खिलाड़ी राम लखन यादव ने की। इस दौरान संघ के अध्यक्ष कमल महाजन, महासचिव व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डॉ. बाबा दीन चौधरी तथा उत्तर प्रदेश एथलेटिक संघ के उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शुक्ला पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम में जिला ओलंपिक संघ के सचिव एवं राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी पंकज दुबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए खिलाड़ियों के उत्थान के लिए हर संभव सहयोग

मुख्य अतिथि का स्वागत करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- **बैठक में सर्वसम्मति से हुआ नई कार्यकारिणी का गठन**

का आश्वासन दिया। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें कमल महाजन को अध्यक्ष, राम लखन यादव को सह-अध्यक्ष, डॉ. बाबा दीन चौधरी को सचिव तथा सुरेश प्रताप सिंह 'मुन्ना सिंह' को संरक्षक बनाया गया। इसके अलावा उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव, सलाहकार व सदस्य पदों पर भी कई नामों का चयन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अब्दुल हमीद ने किया।

मड़ाई को लेकर विवाद में युवक पर हमला, तीन पर मुकदमा दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : कादीपुर कोतवाली क्षेत्र में गेहूं की मड़ाई को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार मालापुर जगदीशपुर गांव निवासी अरविंद कुमार शनिवार को अपनी बहन के ट्रैक्टर से खेत में मड़ाई करने पहुंचे थे। इसी दौरान विपक्षी पहले मड़ाई करने की जिद पर अड़ गए और ट्रैक्टर की चाबी छीन ली, जिससे विवाद बढ़ गया। आरोप है कि विपक्षियों ने लोहे की रॉड से अरविंद पर हमला कर दिया। घटना में घायल अरविंद का उपचार कराया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि पीड़ित के पुत्र आलोक कुमार की तहरीर पर आदित्य, रविंद्र और प्रवीण के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

वॉलीबॉल में डीवीए बना चैम्पियन

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित खेलो इंडिया जिला स्तरीय महिला लीग के तहत वॉलीबॉल, हैंडबॉल, कबड्डी और टेबल टेनिस प्रतियोगिताएं उत्साहपूर्वक संपन्न हुईं। भारतीय खेल प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ और विभिन्न खेल संघों के समन्वय से आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले भर की महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि पल्लवी वर्मा और विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी विक्रम सिंह ने किया। आयोजन सचिव प्रवीण मिश्रा ने बताया कि दिनभर चले मुकाबलों में वॉलीबॉल

विजयी टीम के साथ मौजूद कोच। ● अमृत विचार

- **हैंडबॉल में स्टेडियम की टीम बनी विजेता**

के फाइनल में डीवीए ने रामकली बालिका इंटर कॉलेज को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं हैंडबॉल के फाइनल में स्टेडियम टीम ने लिटिल एंजेल को 6-3 से पराजित किया। कबड्डी के रोमांचक फाइनल में श्यामनगर ने नारायणपुर को 20-16 से हराया। टेबल टेनिस में अंडर-13 वर्ग में नैन्सी, अंडर-17 में मासूम श्रीवास्तव विजेता रहीं, जबकि युगल वर्ग में तालिया-शिफत की जोड़ी ने जीत दर्ज की।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत 10 यात्रियों के दल को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

सुलतानपुर, अमृत विचार : सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत रविवार को विकास भवन परिसर से मुख्य विकास अधिकारी ने चयनित 10 यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए रवाना किया। यह यात्रा लखनऊ से प्रारंभ होकर सोमनाथ तक जाएगी। इसके बाद पं. राम नरेश त्रिपाठी सभागार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य शैलेन्द्र प्रताप सिंह सहित कई उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एलईडी के माध्यम से लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। पुरोहितों द्वारा शिव पूजन और सोमनाथ तीर्थ की महिमा का वर्णन किया गया। पल्लवी गीत नाट्य कला केंद्र द्वारा शिव तांडव व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

टीचर प्रीमियर चैंपियन क्रिकेट लीग सम्पन्न

सुलतानपुर, अमृत विचार : दूबेपुर के हरिहरपुर मैदान पर टीचर प्रीमियर चैंपियन क्रिकेट लीग का पहला सीजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। आयोजक विजेंद्र यादव के नेतृत्व में तीन मैचों की सीरीज बेसिक 11 और रेस्ट 11 के बीच खेली गई। पहले मैच में रेस्ट 11 ने जीत दर्ज की, जबकि दूसरे मैच में बेसिक 11 ने शानदार वापसी की। फाइनल मुकाबले में बेसिक 11 ने लक्ष्य हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की। अभिषेक सिंहल, प्रदीप यादव और वीरू को मैन ऑफ द मैच चुना गया। प्रमोद सरोज बेस्ट बैट्समैन रहे। आयोजकों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुईली-चांदपुर मार्ग का होगा जीर्णोद्धार

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र में मुईली तिराहे से मुईली-चांदपुर संपर्क मार्ग के निर्माण का कार्य आखिरकार शुरू हो गया। ग्रामीणों की मांग पर सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय 'राजबाबू' के प्रयास से लोक निर्माण विभाग ने सड़क निर्माण का टेंडर कराया। रविवार को विधायक ने भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता श्रवण कुमार चौहान ने बताया कि 3.145 किलोमीटर लंबी और तीन मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण 99 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। मुईली तिराहे से मुईली-चांदपुर मार्ग की कुल लंबाई

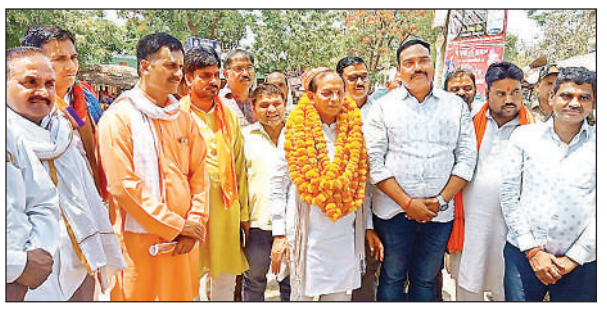

भूमि पूजन करते सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय। अमृत विचार

- **सदर विधायक ने किया भूमि पूजन 3.145 किमी सड़क बनेगी**

करीब 6 किलोमीटर से अधिक है, जो एक ओर टांडा-बांदा हाईवे और दूसरी ओर पीढ़ी-बगियागांव मार्ग को जोड़ती है। लेकिन लोक निर्माण विभाग केवल अपने हिस्से यानी लगभग 3.145 किमी तक ही सड़क बनाएगा। इसके आगे का हिस्सा मंडी परिषद के अधीन है, जो फिलहाल जर्जर ही रहेगा। ऐसे में प्राथमिक पाठशाला भिदूरा तक जाने वाले लोगों को ही सीधा लाभ मिलेगा, जबकि बाकी राहगीरों की परेशानी अभी बरकरार रहेगी।

मां के गर्भ से ही शुरू होता है संस्कारों का निर्माणः डॉ. संगीता

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचारः अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा माता भगवती देवी के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पंडित राम नरेश सभागार में भावी माता अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों गर्भवती महिलाओं, एएनएम, जीएनएम, आशा बहुओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रांतीय संयोजिका डॉ. संगीता सारस्वत ने गर्भस्थ शिशु के मानसिक एवं संस्कारिक विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चे का सीखना माँ के गर्भ से ही प्रारंभ हो जाता है। उन्होंने कहा कि माँ के भाव, व्यवहार और वातावरण का सीधा प्रभाव शिशु पर पड़ता है, इसलिए गर्भवती

- **भावी माता अभिनंदन समारोह का किया गया आयोजन**

महिलाओं को सकारात्मक सोच, अच्छे आचरण और प्रेरणादायक साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। मुख्य अतिथि अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लाल जी ने ऐसे आयोजनों को सराहनीय बताते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं को अपने और शिशु के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में जिला समन्वयक डॉ. सुधाकर सिंह, कैलाश नाथ तिवारी एवं प्रज्ञा सक्सेना ने भी महिलाओं को स्वास्थ्य एवं संस्कारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

इस मौके पर डॉ. आर.ए. वर्मा, डॉ. सुपर्णा, डॉ. अनुराधा आदि मौजूद रहे।

महाराणा की जयंती को भव्य बनाने की तैयारी

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप की जयंती को इस वर्ष भव्य और हर्षोल्लास के साथ मनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष संजय सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में राणा प्रताप पीजी कॉलेज परिसर में एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप किसी एक समाज के नायक नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र और मानवता के प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने बताया की महाराणा प्रताप की जयंती 9 मई को धूमधाम से मनाई जाएगी। महाराणा प्रताप का जीवन स्वाभिमान, स्वतंत्रता और राष्ट्रधर्म के प्रति अडिग रहने की

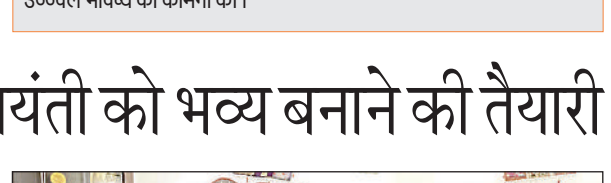

बैठक में रणनीति बनाते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- **क्षत्रिय शिक्षा समिति ने बैठक कर बनाई रणनीति**

प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी वर्गों, युवाओं और महिलाओं से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील की। कॉलेज के प्रबंधक बाल चंद्र सिंह ने महाराणा प्रताप के त्याग और राष्ट्रभक्ति को युवाओं के लिए आदर्श बताया। वहीं योगेश सिंह और टिन्नू सिंह ने आयोजन को सामाजिक एकता का प्रतीक बताते हुए जनसहभागिता पर जोर दिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि जयंती समारोह की शुरुआत सुबह 08:00 बजे क्षत्रिय भवन स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगी। इसके बाद भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें एनएसएस, एनसीसी, स्काउट-गाइड के छात्र-शामिल होंगे।

रामगढ़ में बंदरों का आतंक, 6 लोग घायल

भदैया, सुलतानपुर, अमृत विचार : भदैया विकासखंड के रामगढ़ गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में बंदरों के बढ़ते आतंक से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। बीते दिनों बंदरों के हमले में करीब छह लोग घायल हो गए, जिनका इलाज चल रहा है। रामगढ़ के साथ लहियाजलपापुर, कंधईपुर और शंभूगंज बाजार में भी बंदरों का उपद्रव बढ़ गया है। लहियाजलपापुर निवासी मो. तामील, रामगढ़ के तसलीक और रामपियारे की पत्नी चंद्रवती समेत कई लोग हमले में घायल हुए हैं। बंदरों के कारण घरों की छतों पर लगे टीनशेड टूट रहे हैं और खेतों में सब्जियों की फसल भी नुकसान झेल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि स्थिति ऐसी हो गई है कि घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। शिकायत के बावजूद वन विभाग की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

मोबाइल वैन से गांव में एक्स-रे और जांच का मिला लाभ

विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर, अमृत विचारः बल्दीराय तहसील के देहली बाजार में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मोबाइल वैन के माध्यम से आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों को घर के पास ही जांच और उपचार की सुविधा मिली। शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनपतगंज के अधीक्षक डॉ. अरुणेश सिंह के निर्देशन में हुआ, जिसका शुभारंभ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विशाल शुक्ल ने फीता काटकर किया। आधुनिक उपकरणों से लैस मोबाइल वैन में चिकित्सकीय टीम ने लोगों

- **विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया**

की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। शिविर में कुल 100 लोगों का एक्स-रे किया गया, जबकि 13 लोगों के बलगम की जांच और 8 लोगों की डायबिटीज जांच की गई। चिकित्सकों ने टीबी के लक्षण, बचाव और समय पर इलाज के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मोबाइल वैन में डॉक्टर, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन और स्टाफ नर्स ने सेवाएं दीं। इस दौरान चंद्रभान यादव, मंजू सिंह, आशा देवी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

आवश्यकता है-

पं० राम चरित्र मिश्र महाविद्यालय पड़ेला कादीपुर सुलतानपुर में स्नातक स्तर पर बी0बी0ए0 एवं बी0सी0ए0 पाठ्यक्रम में प्रवक्ता 7 पद प्रत्येक।

योग्यता एवं वेतनमान विश्विद्यालय एवं यू0जी0सी0 के मानकानुसार। इच्छुक अभ्यर्थी एक सप्ताह के अन्दर दो रंगीन फोटो व शैक्षिक अभिलेखों की प्रमाणित प्रति महाविद्यालय कार्यालय में प्रेषित करें।

प्रबन्धक –

डा0 श्रवण मिश्र

मो0–9415879178, 9454193729

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

आयोजन | विप्र समागम में सैकड़ों की संख्या में जिले की विभूतियों का किया आवाहन

धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम जन्मोत्सव व अक्षय तृतीया

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जिलेभर में भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से मनाई गई। शहर के पयागीपुर स्थित आरएस शॉपिंग मॉल में आयोजित विप्र समागम में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सगरा आश्रम पीठाधीश्वर अभय चैतन्य मौनी महाराज ने दीप प्रज्वलित कर किया।

मौनी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान परशुराम के आशीर्वाद से मनुष्य को बल, बुद्धि, विद्या और समृद्धि प्राप्त होती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे परशुराम के आदर्शों को अपनाकर जीवन में सफलता हासिल करें और समाज के लिए प्रेरणा बनें। पूर्व विधायक संतोष पांडेय ने समाज की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि संगठित समाज ही प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। वहीं अन्य वक्ताओं ने भी ब्राह्मण समाज की एकता, सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता पर बल दिया। कार्यक्रम में जिलेभर से आए गणमान्य लोगों ने भाग लिया और समाज को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। आयोजन के दौरान शोभायात्रा, भंडारे और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन

भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाते लोग। ● अमृत विचार

किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा। कार्यक्रम को प्रमोद मिश्रा, काशी प्रसाद शुक्ला, कांग्रेस मीडिया कोऑर्डिनेटर राजेश तिवारी, वरुण मिश्रा, डॉ डीएस मिश्रा, राधिका प्रसाद पांडेय, रुपेश शुक्ल आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष पंडित सुभाष तिवारी ने किया। इस मौके पर हरख नारायण मिश्र, राजेश ओझा, नंदन चतुर्वेदी, डॉ नीरव पांडेय, योगेश तिवारी, गया प्रसाद पाठक, राधेश्याम शर्मा, राम दयाल शुक्ल संदीप मिश्र आदि मौजूद रहे।

श्रद्धा संग मना परशुराम जन्मोत्सव व अक्षय तृतीया

संवाददाता, सुलतानपुर : अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर कुड़वार कस्बे में भगवान परशुराम जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आशुतोष तिवारी ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। डॉ. आशुतोष तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान परशुराम का जीवन त्याग, समर्पण और धर्म के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज को सही दिशा दी जा सकती है। क्षेत्र के हरिहरपुर केवटिली में भी परशुराम जयंती धूमधाम से मनाई गई, जहां संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। संतों ने अपने प्रवचन में धर्म, सत्य, शिक्षा और संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन गंगा प्रसाद तिवारी द्वारा किया गया तथा अध्यक्षता डॉ. आशुतोष तिवारी ने की। अंत में भंडारे का आयोजन हुआ।

सूचना

मैंने अपना नाम और पता नजराना सिद्दीकी पत्नी कफील सिद्दीकी – जेरकिला छिबरामऊ कन्नौज – उत्तर प्रदेश– 209721 से बदलकर नजराना बेगम – पत्नी कफील अहमद, निवासी 4/5 मोहल्ला जेरकिला छिबरामऊ कन्नौज उ0प्र0 209721 कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए

सूचना

मैंने अपना नाम काफिल अहमद से बदलकर कफील अहमद रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। **कफील अहमद / कफील अहमद पुत्र जुम्मन सिद्दीकी – निवासी –मोहल्ला जेरकिला छिबरामऊ, कन्नौज, उत्तर प्रदेश** –209721

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं MAJID से अपना नाम बदल कर ABDUL MAJEED रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वा पहचाना जाए पुत्र ABDUL RAHEEM निवासी चाइतोला गिर्द नबाब गंज गोंडा का रहने वाला हूं।

अमृत विचार

भगवान परशुराम ने न्याय व धर्म की स्थापना का प्रशस्त किया मार्ग

जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया जन्मोत्सव

इटियाथोक में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव जिलेभर में श्रद्धा और उत्साह से मनाई गई। विभिन्न स्थानों पर संगोष्ठी, हवन-पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया।

सिंचाई विभाग के निरीक्षण भवन में आयोजित संगोष्ठी में संयोजक एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सुरेन्द्र मिश्र 'सूर्य' ने कहा कि भगवान परशुराम शोषण मुक्त समाज के प्रेरक थे। उन्होंने दुष्टों का संहार कर न्याय और धर्म की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार आर.जे. शुक्ल 'यदुराय' ने की। वक्ताओं ने समाज में एकता, सशक्तिकरण तथा शस्त्र और शास्त्र में पारंगत होने की आवश्यकता पर बल दिया। अजय कुमार मिश्रा अज्जू पंडित, दौरान नील ठाकुर, गौरीशंकर चतुर्वेदी, अजय विक्रम सिंह, विनय शुक्ल 'अक्षत' आदि मौजूद रहे। इटियाथोक के पूरे महा ग्राम पंचायत के ढोंगही में चाणक्य सेवा संस्थान के तत्वावधान में मंदिर प्रांगण में जन्मोत्सव मनाया गया। भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हवन-पूजन व भंडारे का आयोजन किया गया। संस्थान के अध्यक्ष शुक्ला प्रसाद शुक्ला ने स्वागत किया। संस्थापक ध्रुव नारायण शुक्ला ने अतिथियों को सम्मानित किया। मेहनौन विस क्षेत्र में पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार शुक्ल के नेतृत्व में रामदेव नगर स्थित कैंप कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण किया। जिलेभर में हुए इन आयोजनों के माध्यम से एकता, नैतिक मूल्यों और धर्म आधारित जीवन शैली को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

भगवान परशुराम की स्थापित होगी मूर्ति, चौक का होगा निर्माण

करनैलगंज, अमृत विचार : अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर रविवार को विधानसभा करनैलगंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत हरिगवां में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। प्रधान बब्लू द्विवेदी के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही। मुख्य अतिथि कुंवर शारदेन मोहन सिंह ने कहा कि भगवान परशुराम केवल शक्ति के प्रतीक ही नहीं, बल्कि न्याय और धर्म के भी आदर्श हैं। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि करनैलगंज में भगवान परशुराम की भव्य मूर्ति स्थापित कराई जाएगी तथा उनके नाम से एक चौक का निर्माण भी कराया जाएगा। सपा नेता विनोद शुक्ला ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हमें सत्य, साहस और धर्म की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। एडवोकेट अरविन्द शुक्ल ने कहा कि परशुराम जी का व्यक्तित्व ज्ञान और पराक्रम का अद्भुत संगम है, जिससे समाज को दिशा मिलती है। जयप्रकाश शास्त्री ने भगवान परशुराम के जीवनवृत पर प्रकाश डाला। खन्नू प्रधान ने कहा कि परशुराम जी ने अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर समाज को नई दिशा दी। रामसभा मिश्रा ने उनके जीवन को अनुकरणीय बताया। पंडित शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन संयम, तप और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। अध्यक्षता पंडित राम नेवास मिश्रा व संचालन कृष्ण पाल शर्मा ने किया। इस मौके पर प्रधान संजय सिंह, एडवोकेट हृदय नारायण मिश्रा, पराग दुबे, ज्वाला प्रसाद तिवारी, कपिलदेव मिश्रा, आशीष गोस्वामी, मोनू सिंह, राजेश तिवारी, अनिल शुक्ल, सुधाकर मिश्रा, सतीश पाण्डेय, नकछेद, विजय सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अतिथियों का स्वागत करते आयोजक। ● अमृत विचार

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की रोकथाम को चला विशेष अभियान

गोंडा,अमृत विचार : अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की रोकथाम को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। एएचटीयू, अपराजिता सामाजिक समिति, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा महिला कल्याण विभाग की संयुक्त टीम ने कोतवाली नगर, उमरी बेगमगंज और खरगूपुर क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान दु:खहरण नाथ मंदिर, खैरा भवानी मंदिर, काली माता मंदिर, मां बाराही देवी मंदिर और पृथ्वीनाथ मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास चेकिंग और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों और बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत होने वाली सजा के बारे में जानकारी दी गई। आमजन से अपील की गई कि वे इस कुप्रथा के खिलाफ आगे आएं।

लूट की कोशिश के दौरान मारपीट, युवक की मौत

खरगूपुर क्षेत्र के खनवापुर गांव में हुई घटना, तीन पर केस

खरगूपुर, गोंडा

वारदात

• संजय की मौत से गम में बदली शादी की खुशियां

अमृत विचार : खरगूपुर थाना क्षेत्र के खनवापुर गांव में बीती रात लूट की कोशिश के दौरान हुई मारपीट में एक युवक की मौत हो गई, जबकि खेत में भूसा बनवा रहे किसान चाकू लगने से घायल हो गए। पुलिस ने मृतक सहित तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

संजय (फाइल फोटो)

जानकारी के अनुसार, खनवापुर निवासी देवी प्रसाद शुक्ल (38) अपने खेत में मशीन से भूसा बनवा रहे थे। इसी दौरान चौखड़िया गांव निवासी संजय चौबे (23), परसरामपुर अहिरन पुरवा के दीपक यादव और खनवापुर के प्रशांत तिवारी वहां पहुंचे और उनसे पैसे छीनने लगे। विरोध करने पर दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई।

इस दौरान देवी प्रसाद के हाथ में चाकू लग गया, जिससे वह घायल हो गए। वहीं संजय चौबे को भी गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरगूपुर पहुंचाया, जहां डॉ. श्वेता त्रिपाठी ने संजय को मृत घोषित कर दिया। घायल देवी प्रसाद की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज गोंडा रेफर कर दिया गया।

मृतक की मां राजपति ने बताया कि उनके बड़े बेटे अजय का 27 अप्रैल को तिलक और 5 मई को विवाह तय है। छोटे बेटे संजय की मौत से परिवार में खुशी का माहौल मातम में बदल गया है।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार ने बताया कि घायल देवी प्रसाद की तहरीर पर मृतक सहित तीनों आरोपियों के खिलाफ लूट के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया है।

किशोरी से दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार की दोपहर करीब 12 बजे खेत देखने निकली एक 13 वर्षीया दलित किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी की मां ने थाने पर दी तहरीर में बताया कि उनकी बेटी शनिवार की दोपहर करीब 12 बजे अपना खेत देखने गई थी जहां गांव के ही एक युवक ने उससे दुष्कर्म किया। पीड़िता ने घर पहुंचकर सारी बात परिजनों को बताई। थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस दुष्कर्म, पाक्सो, एससी-एसटी एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश के लिए टीमें लगाई गई थीं। वहीं देर शाम सीओ तरबगंज यूपी सिंह भी पीड़िता के घर पंहुचे। थानाध्यक्ष ने बताया कि रविवार की भोर में आरोपी बजरंग प्रसाद को लोलपुर पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

नकली किताब बेचने के मामले में दुकानदार पर मुकदमा दर्ज

गोंडा, अमृत विचार : नगर कोतवाली क्षेत्र में नकली किताबों की बरामदगी के मामले में पुलिस ने आरोपी दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए जांच तेज कर दी है।

वह दुकान जहां पर मिलीं नकली किताबें।

पुरानी सब्जी मंडी चौक बाजार स्थित अग्रवाल एंड संस बुक डिपो से 131 नकली किताबें मिलने के बाद अब इस नेटवर्क की परतें खंगाली जा रही हैं। मामले में नामजद संचालक श्रवण कुमार अग्रवाल से पुलिस ने पूछताछ की है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नकली किताबों की सप्लाई कहां से हो रही थी और किन-किन दुकानों तक यह नेटवर्क फैला हुआ है। टीम अन्य बुक डिपो और थोक विक्रेताओं की भी पड़ताल कर रही है। संभावना जताई जा रही है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी जल्द पहचान हो सकती है। मामले में किताब के अधिकृत प्रतिनिधि आर्यन राघव की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि बरामद किताबों में कई नामी प्रकाशनों के फर्जी होलोग्राम लगे थे या होलोग्राम गायब थे, जिससे प्रथम दृष्टया कॉपीराइट उल्लंघन की पुष्टि होती है। नगर कोतवाल बृजेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है जल्द ही पूरे रैकेट का खुलासा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि अन्य स्थानों पर भी इस तरह की गतिविधियां पाई जाती हैं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अब जब्त किताबों की सूची तैयार कर संबंधित प्रकाशन कंपनियों से सत्यापन करा रही है। साथ ही, किताबों की सप्लाई चेन और आर्थिक लेनदेन की भी जांच की जा रही है, जिससे इस अवैध कारोबार के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो सके।

सिलेंडर फटने से घर में लगी आग, गृहस्थी राख

तरबगंज, गोंडा, अमृत विचार: स्थानीय थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव में रविवार सुबह गैस सिलेंडर फटने से एक घर में भीषण आग लग गई, जिसमें पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। हालांकि, घटना में परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बच गए।

आग बुझने के बाद उठता धुआं।

अकबरपुर के मजरा टपरा निवासी ईश्वर शरण उर्फ अन्नू पंडित के घर में सुबह करीब छह बजे चूल्हे पर चाय बनाई जा रही थी। इसी दौरान अचानक धमाके के साथ गैस सिलेंडर फट गया और करीब 50 मीटर दूर जा गिरा। जब तक परिजन कुछ समझ पाते, तब तक आग की लपटों ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो चुका था। पीड़ित परिवार फूस के मकान में रहता था, जिससे आग तेजी से फैल गई। गनीमत रही कि हादसे में जनहानि नहीं हुई, लेकिन गृहस्थी का सारा सामान जल जाने से परिवार के सामने खाने-पीने और रहने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। बताया जाता है कि आर्थिक तंगी के कारण पीड़ित परिवार पक्का मकान नहीं बनवा सका और सरकारी आवास की उम्मीद में जीवन यापन कर रहा था।

हादसे में बाइक सवार दो युवक हुए घायल

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के अंतर्गत दुल्लापुर रेलवे क्रासिंग के पास शनिवार देर शाम हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

वजीरगंज क्षेत्र के दुर्जनपुर गांव निवासी गुरूदीन (34) पुत्र भगवती प्रसाद तथा रवि सोनी (40) शनिवार की देर शाम करीब 8 बजे बाइक से अयोध्या से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे दुल्लापुर क्रासिंग के पास पहुंचे, वहां बने स्पीड ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित हो गई, जिससे दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने तुरंत ए एंबुलेंस बुलवाई और दोनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि दोनों घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर महिला गंभीर, दो अन्य घायल

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार: कस्बे के गोंडा-अयोध्या मार्ग पर रविवार दोपहर सड़क हादसे में बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उसके साथ बैठे दो अन्य लोगों को हल्की चोटें आईं। हादसा कटी तिराहे के पास हुआ, जब पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

जानकारी के मुताबिक, वजीरगंज थाना क्षेत्र के मझारा गांव निवासी खुशबू देवी (30) अपने ससुर शिव प्रसाद और एक अन्य युवक निखिल के साथ बाइक से अपने मायके नगवा के गडरियन पुरवा से घर लौट रही थीं। दोपहर करीब 12 बजे जैसे ही उनकी बाइक कटी तिराहे के पास पहुंची, तभी पीछे से आए ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिर पड़े। हादसे में खुशबू देवी को गंभीर चोटें आईं, जबकि शिव प्रसाद और निखिल को मामूली चोटें लगीं। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने खुशबू देवी की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें अयोध्या मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि महिला गंभीर रूप से घायल हुई है और मामले में तहरीर मिलने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिग्नल केबल चोरी का खुलासा, दो बंदी

गोंडा, अमृत विचार : रेलवे स्टेशन पर सिग्नल केबल चोरी के मामले का आरपीएफ और सीआईबी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए खुलासा किया है। टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में चोरी की केबल बरामद की है। बरामद माल की कीमत करीब 37,500 रुपये बताई जा रही है। आरपीएफ पोस्ट के प्रभारी निरीक्षक अनिरुद्ध राय ने बताया कि स्टेशन के नए भवन के पीछे सिग्नल निर्माण कार्य के दौरान केबल चोरी की सूचना मिली थी। आरपीएफ और सीआईबी की टीम ने फरहान खान और अम्मार बशीर को गिरफ्तार किया। दोनों नगर कोतवाली क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से दो सफेद बोरियों में विभिन्न आकार में कटी हुई करीब 50 मीटर लंबी 54 सिग्नल केबल बरामद की गई।

परेशानी

पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें, दो दर्जन से अधिक पंप पर नहीं है डीजल

डीजल संकट से जूझ रहे ट्रांसपोर्टर व अन्नदाता

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : घरेलू गैस सिलेंडर से अभी आम आदमी को निजात नहीं मिल सकी थी, कि डीजल की कमी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। जिले के करीब दो दर्जन पेट्रोल पंप पर डीजल नहीं है। जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण अंचलों तक इन दिनों डीजल की किल्लत गहराती जा रही है।

हालात यह हैं कि करीब दो दर्जन से अधिक पेट्रोल पंपों पर डीजल की आपूर्ति बाधित है, जिसके चलते किसानों और ट्रांसपोर्टरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से ही पंपों पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी लोगों को निराश लौटना पड़ रहा है। रबी फसल का सीजन चल रहा है। खरीफ की तैयारी में जुटे किसानों के लिए यह संकट और भी गंभीर हो गया है। खेतों की जुताई, सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों के लिए डीजल अत्यंत आवश्यक है। डीजल न मिलने से खेती का काम प्रभावित हो रहा है, जिससे किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।वहीं ट्रांसपोर्ट व्यवसाय भी प्रभावित है। माल ढुलाई में देरी हो रही है, जिससे व्यापार पर असर पड़ रहा है।

पेट्रोल पंप पर डीजल लेने के लिए लगी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

ट्रांसपोर्टर अनुराग ने बताया कि हम लोगों के वाहन सुबह से लाइन में खड़े रहते हैं, लेकिन डीजल नहीं मिल पा रहा। गाड़ियों का संचालन ठप होने की कगार पर है, जिससे रोजाना हजारों रुपये का नुकसान हो रहा है। पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि आपूर्ति में अनियमितता के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। विभागीय अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही डीजल की आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी, लेकिन फिलहाल स्थिति में कोई खास सुधार नजर नहीं आ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द डीजल की आपूर्ति सुचारु कराई जाए, ताकि किसानों और व्यापारियों को राहत मिल सके। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी शिव प्रकाश तिवारी ने बताया कि कई पेट्रोल पंप पर डीजल न होने की सूचना है। पेट्रोलियम के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। जिले में 213 पेट्रोल पंप हैं दो दर्जन पेट्रोल पंप पर आपूर्ति बाधित होने की सूचना है। जल्द ही डीजल की आपूर्ति सभी पंपों पर हो जाएगी।

सातों विधानसभा क्षेत्रों में होगी महापुरुषों की मूर्तियों की स्थापना

गोंडा, अमृत विचार : प्रदेश सरकार की डॉ. भीमराव अंबेडकर मूर्ति विकास योजना के अंतर्गत जिले में महापुरुषों की मूर्तियों के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य शीघ्र शुरू होने जा रहा है। योजना के तहत जनपद के सातों विधानसभा क्षेत्रों गोण्डा सदर, मनकापुर, तरबगंज, करनैलगंज, कटरा बाजार, मेहनौन और गौरा में प्रत्येक क्षेत्र से 10-10 महापुरुषों की मूर्तियों का चयन किया जाएगा। कुल 70 मूर्ति स्थलों का विकास कराया जाएगा।

> जिले में डॉ. भीमराव अंबेडकर मूर्ति विकास योजना के तहत महापुरुषों की मूर्तियों के संरक्षण एवं स्थलों के सौंदर्यीकरण के लिए शासन से निर्देश प्राप्त हुए हैं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10-10 मूर्तियों का चयन कर उनका विकास कराया जाएगा।
>
> **- अंकिता जैन**, सीडीओ।

योजना के अंतर्गत चयनित स्थलों पर पाथ वे, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही मूर्तियों की सुरक्षा एवं गरिमा बनाए रखने के उद्देश्य से बाउंड्रीवाल, मजबूत छत तथा आवश्यकतानुसार गेट का निर्माण कराया जाएगा। प्रशासन का लक्ष्य है कि महापुरुषों की मूर्तियां सुरक्षित रहें। इसके लिए सभी चयनित स्थलों पर सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दी जाएगी। मूर्ति स्थलों पर हरियाली विकसित की जाएगी तथा बैठने की व्यवस्था भी की जाएगी। रात्रि में प्रकाश के लिए सौर ऊर्जा आधारित लाइटों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रत्येक स्थल पर सूचना पट्ट स्थापित किया जाएगा, जिसमें संबंधित महापुरुष का परिचय एवं उनके योगदान का उल्लेख होगा। शासन के निर्देशानुसार प्रशासन की निगरानी में योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में बीडीओ और शहरी क्षेत्रों में नगर निकाय अधिकारी स्थलों का निरीक्षण कर प्रस्ताव तैयार करेंगे। स्वीकृति के उपरांत तीन माह में कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मेधावियों को विधायक प्रभात वर्मा ने किया सम्मानित

मेधावियों को सम्मानित करते विधायक प्रभात वर्मा। ● अमृत विचार

गौरा चौकी, गोण्डा, अमृत विचार : जनता इंटर कॉलेज, गाजीपुर (गौरा चौकी) में रविवार को फर्ज फाउंडेशन द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं एवं मेधावी विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक प्रभात कुमार वर्मा के हाथों सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पहुंचने पर फर्ज फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने विधायक प्रभात कुमार वर्मा का फूल-मालाओं से स्वागत किया तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया। अपने संबोधन में विधायक ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्रों को निरंतर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही अपने कार्यकाल में शिक्षा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने जनता इंटर कॉलेज में जल्द ही वाटर कूलर लगाने की घोषणा भी की। फर्ज फाउंडेशन के अध्यक्ष रामराज शर्मा ने कहा कि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए संस्था निरंतर प्रयासरत है और जरूरतमंद विद्यार्थियों को आगे भी आर्थिक सहयोग प्रदान करती रहेगी।

बाबा साहब के संघर्ष से सबको मिल रहा न्याय: रमापति

कार्यक्रम को संबोधित करते वरिष्ठ भाजपा नेता सूर्य नारायण तिवारी।

गोंडा, अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी की ओर से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर पूरे प्रदेश में विधान सभा वार आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में जनपद के मनकापुर विधानसभा क्षेत्र में एपी इंटर कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मनकापुर विधायक व पूर्व मंत्री रमापति शास्त्री ने कहा कि बाबा साहब की देन है कि आज हर व्यक्ति को न्याय मिल रहा है। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित सूर्य नारायण तिवारी निवर्तमान जिला अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब का सपना सिर्फ किताबों में नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सम्मान पहुंचाने का था। जो लोग वर्षों तक बाबा साहब के नाम पर राजनीति करते रहे, उन्होंने उनके विचारों को कभी जमीन पर नहीं उतारा। आज भारतीय जनता पार्टी ही वह शक्ति है जो बाबा साहब के सपनों को साकार करने का काम कर रही है। इस दौरान दुर्गेश सोनी चैयरमेन, प्रमोद चंचल जिला पंचायत सदस्य व किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सचिन वाल्मीकि अनिल बहल समेत पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूनियन बैंक शाखा का शुभारंभ

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : कटरा शिवदयाल गंज में शनिवार को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई शाखा का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंचल प्रमुख राजेश कुमार रहे। इस दौरान शाखा प्रबंधक चंद्र कुमार एवं अन्य बैंक अधिकारियों ने मुख्य अतिथि का बुके देकर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि ने फीता काटकर शाखा का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि राजेश कुमार ने कहा कि यह नई शाखा क्षेत्र में वित्तीय समावेशन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

दिवंगत पत्रकार रमेश चंद्र जैन को दी श्रद्धांजलि

दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि देते पत्रकार। ● अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : वरिष्ठ पत्रकार, एनयूजे इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उपजा यू.पी. जर्नलिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री रहे रमेश चंद्र जैन का शुक्रवार भोर में निधन हो गया। उपजा कार्यालय पर पत्रकारों ने स्व. जैन को श्रद्धांजलि दी। उपजा वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जी.सी. श्रीवास्तव ने कहा कि बागपत के बड़ौत कस्बे के निवासी 77 वर्षीय रमेश चंद्र जैन अपनी निष्पक्षता, ईमानदारी और बेबाक पत्रकारिता के लिए विख्यात थे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, जगपाल सिंह, रामफेर प्रजापति, मनोज श्रीवास्तव, प्रमोद नंदन सहित तमाम पत्रकार शामिल हुए।

अत्यधिक स्क्रीन टाइम से पड़ रहा नकारात्मक असर

छात्रों को जानकारी देते सहायक पुलिस अधीक्षक अभिषेक दवाच्या। ● अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : सहायक पुलिस अधीक्षक अभिषेक दवाच्या ने छात्र-छात्राओं को स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम विषय पर जागरूक किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में मोबाइल व डिजिटल उपकरणों के बढ़ते उपयोग के प्रति सचेत करना और उन्हें संतुलित जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। एएसपी ने कहा कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से युवाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे अपने दैनिक जीवन में खेलकूद, योग, व्यायाम को शामिल करें। उन्होंने कहा कि डिजिटल उपकरणों का उपयोग केवल आवश्यक कार्यों तक सीमित रखा जाए।

आशा कर्मचारी यूनियन की अध्यक्ष बनीं ममता

नव नियुक्त पदाधिकारी। ● अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : गांधी पार्क में आशा कर्मचारी यूनियन का सम्मेलन आयोजित हुआ। अध्यक्षता मधु मिश्रा व संचालन संतोषी देवी ने किया। मुख्य अतिथि सत्यनारायण तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष बीना गुप्ता व प्रदेश संरक्षक दिलीप शुक्ला ने आशा व संगिनी को स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ बताते हुए 26 हजार रुपये मासिक वेतन की मांग उठाई। बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें ममता तिवारी को अध्यक्ष, विद्यावती मौर्य व अलका श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष, संतोषी देवी को कोषाध्यक्ष और प्रदीप तिवारी को संरक्षक बनाया गया। पूजा पांडे, रीता सिंह व दीपा मिश्रा मंत्री चुनी गईं। सदस्य के रूप में नीलू, रेनू श्रीवास्तव, सुनीता, प्रमिला, सुमन, नीतू सिंह व शालिनी को शामिल किया गया। सम्मेलन में धर्मेंद्र प्रसाद मिश्रा, अजय खरे समेत कई लोग मौजूद रहे।

अमृत विचार

अयोध्या, सोमवार, 20 अप्रैल 2026

ईंधन संकट : 43 पंपों पर पेट्रोल और 37 पर डीजल खत्म

आमजन बेहाल, चिलचिलाती धूप में घंटों कतार में खड़े रहने को मजबूर लोग, दोगुनी बढ़ गयी है खपत

परेशानी

संवाददाता, बलरामपुर

पंप पर पेट्रोल लेने के लिए जुटी बाइक सवारों की भीड़। ● अमृत विचार

पेट्रोल पंप पर गैलन लेकर डीजल लेने पहुंचे लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिले में पेट्रोल-डीजल की किल्लत ने आमजन, किसानों, व्यापारियों और कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अचानक मांग बढ़ने और जमाखोरी की आशंका के बीच कई पेट्रोल पंपों की टंकियां सूख गई हैं। जिले के कुल 88 पेट्रोल पंपों में से 43 पर पेट्रोल और 37 पर डीजल समाप्त होने से जहां ईंधन उपलब्ध है, वहां सुबह से देर शाम तक लंबी कतारें लगी रहीं। तेज धूप में लोग घंटों इंतजार करने को मजबूर हैं।

रविवार को नगर के गोंडा मार्ग स्थित पंप पर लोग टैंकर आने की आस लगाए खड़े रहे। गोपालपुर के राजू और सुरेश ने बताया कि सुबह नौ बजे से डीजल के लिए लाइन में लगे हैं, लेकिन दोपहर तक आपूर्ति नहीं हुई। कई किसान गैलन और डिब्बा लेकर खेतों के लिए डीजल लेने पहुंचे, जबकि व्यापारी माल ढुलाई प्रभावित होने से परेशान दिखे।

सरकारी और गैर सरकारी कर्मचारियों की दिक्कत भी बढ़ गई है। फार्मासिस्ट सुनील कुमार गुप्त ने बताया कि बाइक में पेट्रोल न होने से दूसरे साथी के साथ अस्पताल जाना पड़ रहा है। नेत्र सर्जन डॉ. प्रदीप चौधरी ने कहा कि कार में डीजल न मिलने से बस से आवागमन करना पड़ रहा है।

पूर्ति विभाग के अनुसार सामान्य दिनों में प्रतिदिन 92 हजार लीटर पेट्रोल और 1.41 लाख लीटर डीजल की बिक्री होती थी, लेकिन पिछले तीन दिनों में खपत दोगुनी हो गई।

इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी कुमार निर्मलेंदु ने पर्याप्त स्टॉक होने का दावा किया है। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने लोगों से अपील की है कि आवश्यकता अनुसार ही ईंधन खरीदें, ताकि कृत्रिम संकट न उत्पन्न हो।

परशुराम जन्मोत्सव पर हुआ ब्राह्मण सम्मेलन

परशुराम जयंती के अवसर पर मौजूद ब्राह्मण समाज के लोग। ● अमृत विचार

पचपेड़वा, बलरामपुर, अमृत विचार : भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर विकासखंड पचपेड़वा के ग्राम पंचायत गुरचिहवा स्थित समय माता स्थान पर भव्य ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मनोज कुमार तिवारी रहे। सम्मेलन का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कार्यक्रम स्थल "जय श्री परशुराम" के जयघोष से गूंज उठा। आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य ब्राह्मण समाज की एकता, संगठन शक्ति और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करना है। मुख्य अतिथि मनोज कुमार तिवारी ने कहा कि भगवान परशुराम त्याग, तपस्या, शौर्य और धर्मरक्षा के प्रतीक हैं। उनका जीवन अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और समाज को सही दिशा देने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सामाजिक व राजनीतिक जागरूकता को समय की जरूरत बताते हुए समाज से संगठित होने का आह्वान किया। कार्यक्रम में रामकृपाल शुक्ला, पप्पू मिश्रा, गिरजेश पांडेय, विनय तिवारी, राजेंद्र ओझा, शेखर पांडेय, अरुण देव पाठक, डॉ. अरुण कुमार चतुर्वेदी समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम

नारी शक्ति वंदन जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार : अक्षय तृतीया के अवसर पर जिला संयुक्त चिकित्सालय स्थित वन स्टॉप सेंटर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर की संचालिका गोल्डी चतुर्वेदी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राज कुमार सहित अन्य कर्मचारी एवं प्रबुद्ध महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों और उद्देश्यों पर चर्चा की गई। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने, अधिकारों को मजबूत करने तथा समाज में समान अवसर सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही महिला कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन संबंधी जानकारी भी दी गई।

नगर के विकास को मिली रफ्तार

नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में मौजूद अध्यक्ष, सभासद व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, बलरामपुर

- पालिका बोर्ड ने 125.25 करोड़ का बजट किया पारित

अमृत विचार : आदर्श नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए लगभग 125.25 करोड़ रुपये का बजट प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसे नगर विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। बैठक में प्रस्तुत वित्तीय विवरण के अनुसार वर्ष 2026-27 के लिए अनुमानित आय 98.98 करोड़ रुपये निर्धारित की गई, जबकि कुल आय 117.73 करोड़ रुपये आंकी गई। इसके साथ ही 7.52 करोड़ रुपये का अंतिम अवशेष भी प्रस्तावित किया गया। बैठक में सड़क निर्माण, सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, जलनिकासी, सौंदर्यीकरण और अन्य योजनाओं पर चर्चा हुई। सदस्यों ने संसाधनों के पारदर्शी उपयोग और विकास कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि बजट का उद्देश्य नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

बैठक में अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, सभासदगण तथा बोर्ड सदस्य मौजूद रहे। सभी सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए इसे शहर के समग्र विकास के लिए ऐतिहासिक निर्णय बताया।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

उलिया, बलरामपुर, अमृत विचार : स्थानीय थाना क्षेत्र के जोगिया कला गांव में रविवार सुबह एक युवक का शव बबूल के पेड़ से लटकता मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पहचान गांव निवासी जयगुरुदेव यादव के रूप में हुई है। बड़े भाई राम गोपाल यादव ने बताया कि शनिवार रात भोजन करने के बाद सभी लोग सो गए थे। रविवार सुबह शौच के लिए गांव के पश्चिमी छोर की ओर गए तो देखा कि छोटे भाई का शव पेड़ से लटक रहा है। मृतक की पत्नी गुड़िया देवी आठ माह की गर्भवती हैं। वहीं तीन बच्चों के भरण-पोषण की चिंता से परिजन व्यथित हैं। माता श्यामा देवी और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मृतक अवसाद से पीड़ित बताया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरोग्य मेलों में 1521 मरीजों का हुआ उपचार

जन आरोग्य मेले का निरीक्षण करते सीएमओ व अन्य। ● अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार : जनपद के सभी 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया गया, जिसमें 1521 मरीजों को उपचार किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार लाभार्थियों में 652 पुरुष, 614 महिलाएं और 255 बच्चे शामिल रहे। मेलों में मरीजों का पंजीकरण कर जांच की गई। साथ ही गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, परिवार नियोजन परामर्श तथा बच्चों का टीकाकरण भी किया गया। मरीजों को निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महदेइया का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्वास्थ्य कर्मियों को बेहतर सेवाएं देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य मेले ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को घर के नजदीक इलाज और जागरूकता उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं।

डॉ. आंबेडकर के विचार आज भी प्रेरणास्रोत

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि को प्रतीक चिह्न प्रदान करते विधायक व अन्य।

बलरामपुर, अमृत विचार : जनपद के ज्योति टॉकीज कैंप कार्यालय में शनिवार को "सम्मान अभियान 2026" के तहत संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के सम्मान में विधानसभा स्तरीय संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी रहे। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। मुख्य अतिथि राहुल राज रस्तोगी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के विचार आज भी समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सदर विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री पलटू राम ने कहा कि डॉ. आंबेडकर द्वारा दिया गया संविधान विश्व का सबसे सशक्त लोकतांत्रिक दस्तावेज है। हमें उनके आदर्शों को अपनाकर समानता और न्याय की स्थापना के लिए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, गोविंद सोनकर, बृजेंद्र तिवारी, वंदना पासवान, राजाराम गौतम, मनोज कुमार आर्य समेत अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में एकता और सामाजिक समरसता का संकल्प लिया गया।

आउटसोर्सिंग भर्तियों की आर. टी.आई. के जरिये मांगी जानकारी

गोंडा, अमृत विचार : जनपद में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में आउटसोर्सिंग के माध्यम से हुई नियुक्तियों को लेकर पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं। यूथ फार्मासिस्ट फेडरेशन के जिलाध्यक्ष रोहित मिश्रा ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत जनसूचना अधिकारी को प्रार्थना पत्र भेजकर भर्तियों से संबंधित विस्तृत जानकारी मांगी है।

आरोप लगाया गया है कि आउटसोर्सिंग संस्था के माध्यम से हुई नियुक्तियों में नियमों और मानकों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया।

भर्ती प्रक्रिया में जारी विज्ञापनों की प्रतिलिपि उपलब्ध कराई जाए, जिसमें शैक्षिक योग्यता, चयन प्रक्रिया, अनुभव और वरीयता के मानदंड स्पष्ट हों। इसके अलावा चयनित अभ्यर्थियों की नामावली, उनकी शैक्षिक योग्यता, अनुभव प्रमाण पत्र तथा चयन से संबंधित अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियां भी उपलब्ध कराने की मांग की गई है। आवेदन में यह भी पूछा गया है कि जिन अभ्यर्थियों ने पात्रता पूरी की थी, उन्हें साक्षात्कार के लिए क्यों नहीं बुलाया गया। उल्लेख किया है कि भर्ती प्रक्रिया में प्राप्त सभी आवेदनों की सूची और उनकी जांच का विवरण सार्वजनिक किया जाए, ताकि चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने नियमानुसार निर्धारित समयावधि में सूचना उपलब्ध कराने की मांग की है। जनसूचना अधिकारी की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि, मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग में हलचल तेज हो गई है और जल्द ही इस पर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद जताई जा रही है।

स्कूल में चोरी के 3 आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर, अमृत विचार : थाना महराजगंज तराई पुलिस ने विद्यालय में हुई चोरी की घटना का ल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद किया है। मामला प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालय छतईडीह में हुई चोरी से जुड़ा है, जहां 12/13 अप्रैल की रात चोरों ने ताला तोड़कर बैटरी, इन्वर्टर, खेल सामग्री व इलेक्ट्रॉनिक सामान पार कर दिया था। पुलिस ने ग्राम पूरेबख्श के पास घेराबंदी कर आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में दीपू वर्मा उर्फ टीपू (27), किशन बिहारी उर्फ पप्पू (38) और इकबाल उर्फ ननकने (48) निवासी छतईडीह थाना महराजगंज तराई शामिल हैं।

उनकी निशानदेही पर माइक्रोटेक कंपनी की बैटरी, इन्वर्टर, दो स्पीकर, दो रिमोट, एक माउस, वाई-फाई बॉक्स, आठ केबल और दो एंटीना बरामद किए गए।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते बच्चे। ● अमृत विचार

वार्षिकोत्सव मे मेधावियों को किया गया सम्मानित

पचपेड़वा, बलरामपुर, अमृत विचार : जैबुन्निशा पब्लिक स्कूल में वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बहुजन समाज पार्टी के देवीपाटन मंडल कोऑर्डिनेटर इरफान अहमद ने किया। विद्यालय के प्रबंधक अफजल खान ने छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है और किताब से बड़ा कोई मित्र नहीं होता। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत केवल सही मार्गदर्शन की है, जो गुरु बखूबी प्रदान करते हैं। समारोह में छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति एवं सामाजिक संदेशों से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने "धरती सुनहरी अंबर नीला", "जलवा तेरा जलवा", "जीना है तो पापा शराब मत पीना" और "ऐ वतन मेरे आबाद रहे तू" जैसे गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर डॉ. इशितयाक खान, भोला जायसवाल, कलीम, रेहान अशरफ, हलीम खान सहित अभिभावक, शिक्षक एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्कूलों का समय बदलने की मांग

बलरामपुर, अमृत विचार : भीषण गर्मी और हीट वेव को देखते हुए जनपद के शिक्षक संगठनों ने परिषदीय विद्यालयों के समय परिवर्तन की मांग उठाई है। इस संबंध में जिलाधिकारी को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों का समय प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि बढ़ते तापमान से छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। दोपहर की तेज धूप में बच्चों को चक्कर आना, डिहाइड्रेशन, लू लगने का खतरा बढ़ गया है।

ज्ञापन पर दिलीप चौहान, प्रदेश महासचिव, अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों हस्ताक्षर हैं।

लक्ष्मी देवी बनीं महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष

बैठक में मौजूद सेवा संस्थान की महिला सदस्य व अन्य। ● अमृत विचार

गैसड़ी, बलरामपुर, अमृत विचार : महाराणा प्रताप जनजातीय सेवा संस्थान द्वारा नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत बालेश्वरी मंदिर बालापुर में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से लक्ष्मी देवी थारू को महिला मोर्चा का जिलाध्यक्ष चुना गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिले के सभी गांवों में महिला मोर्चा का गठन किया जाएगा। इसका उद्देश्य थारू समाज की महिलाओं को संगठित कर उनके संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई को मजबूत बनाना है। संगठन के नेतृत्व में समाज के हक-हूकूक की आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया गया। संगठन के अध्यक्ष मदन लाल जायसवाल ने कहा कि पिछले 15 वर्षों से जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। बैठक में 9 मई को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सिंह की जयंती धूमधाम से मनाने का भी निर्णय लिया गया। इस अवसर पर सपना चौधरी, ज्योति चौधरी, अंशु चौधरी, प्रियंका, किरन, रूपा, पल्लवी समेत अनेक महिलाएं मौजूद रहीं।

निर्देश

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित

निष्क्रिय आशाओं के विरुद्ध करें कार्रवाई

संवाददाता, बलरामपुर

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में मौजूद डीएम और अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला का समय से पंजीकरण कर सुरक्षित प्रसव कराया जाए। नियमित टीकाकरण अभियान को भी पूर्ण लक्ष्य के साथ संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि कोई बच्चा या गर्भवती महिला वंचित न रहे।

उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय का समय से भुगतान सुनिश्चित करने, निष्क्रिय आशाओं के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा नई भर्ती प्रक्रिया तेज करने को कहा। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर ओपीडी सेवाएं बढ़ाने के निर्देश दिए, जिससे स्थानीय स्तर पर अधिक मरीजों का उपचार हो सके।

बैठक में आयुष्मान भारत योजना, संचारी रोग नियंत्रण अभियान और परिवार नियोजन कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। सभी पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनाने तथा जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी समेत संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चार महीने से प्यासी है बेलसर सीएचसी

बेलसर, गोंडा, अमृत विचार: कहने को तो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ढाई लाख आबादी की सेहत का जिम्मा संभालता है, लेकिन यहां आने वाले मरीज इन दिनों खुद 'बीमार' व्यवस्था के शिकार हैं। भीषण गर्मी के बीच अस्पताल में लगा वाटर कूलर पिछले चार महीनों से सफेद हाथी बना हुआ है। जिम्मेदारों की बेरुखी का आलम यह है कि शिकायत के बावजूद अब तक केवल 'आश्वासन का ठंडा पानी' ही पिलाया जा रहा है।

नगर पंचायत की ओर से करीब दस माह पहले अस्पताल परिसर में वाटर कूलर लगवाया गया था। मकसद था कि मरीजों और तीमारदारों को गर्मी में शीतल जल उपलब्ध कराना। लेकिन यह सुविधा कुछ ही दिन चली। पिछले चार महीनों से मशीन खराब पड़ी है। तीमारदारों को बाहर से पानी खरीदना पड़ रहा है। अस्पताल के ही एक कर्मचारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ईओ को कई बार इस खराबी की जानकारी दी गई, लेकिन हर बार 'जल्द ठीक होगा' कहकर टाल दिया गया।

सीएचसी पर खराब पड़ा वाटर कूलर।

नगर पंचायत के प्रतिनिधि गोलू सिंह ने कहा कि वाटर कूलर खराब होने की जानकारी मुझे अभी मिली है। मामला संज्ञान में आते ही इसे जल्द ठीक कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। प्राथमिकता के आधार पर इसे दुरुस्त कराया जाएगा ताकि आमजन को परेशानी न हो।

वनस्पति विज्ञान में रोजगार के अवसरों की दी जानकारी

करियर काउंसलिंग में मौजूद प्राचार्य, शिक्षक व विद्यार्थी। ● अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार : एमएलके पीजी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग एवं करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को "वनस्पति विज्ञान में करियर के अवसर" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। अध्यक्षता प्रबंध समिति के सचिव रिटायर्ड कर्नल संजीव कुमार वार्ष्णेय ने की, जबकि प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय मौजूद रहे। मुख्य अतिथि एवं वक्ता गिरजेश कुमार दूबे, असिस्टेंट कमिश्नर (फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) ने प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए समय प्रबंधन, अनुशासन को जरूरी बताया। विशिष्ट वक्ता खान यासमीन ने नेट-जेआरएफ परीक्षा की तैयारी, शोध के अवसरों तथा बायोकेमिस्ट्री व बायोटेक्नोलॉजी जैसे विषयों के महत्व पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। सचिव कर्नल वार्ष्णेय ने छात्रों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। अंत में डॉ. मो. अकमल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. शिव महेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ. ऋषि रंजन, राहुल यादव, राहुल कुमार समेत छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने नष्ट कराई 92 लाख की चरस

श्रावस्ती : एसपी राहुल भाटी के नेतृत्व में ड्रग डिस्पोजल कमेटी ने ऑपरेशन दहन के तहत 20 अभियोगों से संबंधित माल का निस्तारण किया। पुलिस की ओर से अलग अलग स्थानों से जब्त किए गए 36 किलो 688 ग्राम चरस जिसकी अनुमानित कीमत करीब 92 लाख है व कुल 13 किलो 770 ग्राम गांजा जिसकी अनुमानित कीमत सात लाख रुपये को शनिवार को बलरामपुर स्थित चीनी मिल के इन्सिनेटर में ले जाकर नष्ट कराया। यह मादक पदार्थ पुलिस ने तस्करों के कब्जे से जब्त किए थे जो थानों के मालखानों में जमा थे।

किशोरी को भगा ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

इकौना (श्रावस्ती) : इकौना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने आठ अप्रैल 2026 को तहरीर दी थी। जिसमें आरोप लगाया था कि 31 मार्च 2026 को राहुल चौहान पुत्र ननके चौहान निवासी ग्राम झूलाघाट थाना विशेश्वर गंज जनपद बहराइच उसकी नाबालिग पुत्री को बहलाफुसला कर भगा ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोरी को सकुशन बरामद कर लिया था। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। रविवार को पुलिस ने आरोपी राहुल चौहान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक प्रयागदत्त चौबे व आरक्षी अनिल कुमार शामिल रहे।

खाते से कट गए 10273 रुपए

इकौना (श्रावस्ती) : नवीन मार्डन श्रावस्ती क्षेत्र के ग्राम महदेईया निवासी अटल मिश्रा ने स्थानीय थाने में शिकायती पत्र दिया है। पीड़ित ने दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि वह एयरटेल मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से लेनदेन करता है। इसी खाते से उसके वाहन की किस्त भी कटती है। अटल ने जब अपने खाते का बैलेंस चेक किया तो पता चला कि उसके खाते से तीन फरवरी 2026 को दो बार में 10273 कट गए हैं। इस पर पीड़ित ने प्राथमिकी दर्ज कर रुपये वापस दिलाने की मांग की है, लेकिन अब तक उसे रुपये वापस नहीं मिल सके हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजकुमार सरोज ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है, जांच की जा रही है। शीघ्र ही काटे गए रुपये को वापस कराया जाएगा।

साथ रहने को राजी हुए दंपति

श्रावस्ती : पुलिस परिवार परामर्श केंद्र श्रावस्ती में शनिवार को पुलिस ने दंपति के मध्य सुलह समझौता कराकर मनमुटाव को दूर कराया। सोनवा क्षेत्र के ग्राम दमोह के मजरा डोमो निवासी मन्नी व गिलौला क्षेत्र के ग्राम बागवानी के मजरा अगडीहा निवासी इस्लाम के मध्य कुछ दिनों से मनमुटाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। मामला परिवार परामर्श केंद्र में पहुंचने पर पुलिस ने दोनों को समझा बुझाकर सुलह कराया। इस मौके प्रभारी उप निरीक्षक शिवशरण गौड़, महिला थाना प्रभारी पुष्पलता, महिला आरक्षी नीतू कुशवाहा आदि मौजूद रहीं।

शिक्षक अशोक यादव लखनऊ में सम्मानित

श्रावस्ती : राष्ट्रीय आय आधारित योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों के स्कूल के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। निदेशक ने शिक्षकों को लखनऊ में सम्मानित किया। जिसमें श्रावस्ती के शिक्षक अशोक यादव भी शामिल रहे। हरिहरपुररानी विकास क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय पटना के 19 छात्र-छात्राओं का चयन राष्ट्रीय आय आधारित योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा में हुआ था। इस पर शिक्षक अशोक कुमार को लखनऊ स्थित रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल स्कूल में सम्मानित किया गया।

ब्राह्मण व क्षत्रिय एक-दूसरे के पूरक: बृजभूषण

पयागपुर में सवर्ण आर्मी के भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

संवाददाता, पयागपुर (बहराइच)

परशुराम जन्मोत्सव में सांसद बृजभूषण शरण सिंह का स्वागत करते आयोजक।

पयागपुर में आयोजित परशुराम जयंती समारोह में मौजूद बृजभूषण सिंह, विधायक सुभाष त्रिपाठी व सवर्ण आर्मी प्रमुख सर्वेश पांडेय। अमृत विचार

अमृत विचार। सवर्ण आर्मी के तत्वावधान में शनिवार को स्थानीय जूनियर हाई स्कूल के मैदान में भगवान परशुराम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। सवर्ण आर्मी चीफ सर्वेश पांडेय के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम ने उस समय ऐतिहासिक रूप ले लिया, जब मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मंच पर पहुंचे। गगनभेदी नारों और फूल-मालाओं के बीच उनका जोरदार स्वागत हुआ। खचाखच भरे मैदान में उमड़ी भीड़ ने यह संदेश दिया कि क्षेत्र में सामाजिक एकजुटता की नई लहर चल रही है जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बृजभूषण शरण सिंह ने अपने भाषण की शुरुआत रामचरितमानस की कालजयी चौपाई "जब जब होई धरम कै हानी, बाढ़हिं असुर अधम अभिमानी" से की। उन्होंने भगवान परशुराम के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परशुराम जी ने हमेशा कमजोरों, शोषितों और पीड़ितों की रक्षा के लिए अपना फरसा उठाया था।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भगवान परशुराम ने केवल अत्याचारी 'हैहय वंश' के क्षत्रियों का 21 बार संहार किया था, न कि संपूर्ण क्षत्रिय जाति का। उन्होंने कहा, "भगवान परशुराम ने भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे महायोद्धाओं को शिक्षा दी थी। उनके जीवन से हमें अनुशासन और न्याय की सीख मिलती है। पूर्व सांसद ने वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य पर प्रहार करते हुए कहा कि आज समाज में वैमनस्यता फैलाई जा रही है। दलित समाज के मुद्दों पर बोलते हुए उन्होंने कहा, सवर्ण समाज किसी का हक नहीं मारता, वह स्वाभिमानी है और मांग कर नहीं, मेहनत कर कमाता है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण व क्षत्रिय एक-दूसरे के पूरक हैं।

कार्यक्रम के संयोजक और सवर्ण आर्मी के प्रमुख सर्वेश पांडेय ने भावुक संबोधन में कहा कि पयागपुर की पावन धरती से 'जय परशुराम' का उद्घोष कराना उनका पुराना संकल्प था। उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा, "कुछ लोग इस कार्यक्रम को लेकर दुष्प्रचार कर रहे थे, लेकिन आज की भीड़ ने साबित कर दिया कि समाज जागरूक हो चुका है। ब्राह्मण और क्षत्रिय एक सिक्के के दो पहलू हैं। मैं इसी मिट्टी का लाल हूँ और समाज को जगाने का मेरा अभियान रुकने वाला नहीं है। वहीं कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान परशुराम का पूजन-अर्चन किया गया। विशिष्ट वक्ता डॉ. अरुण प्रकाश ने कहा कि ब्राह्मणों को परशुराम जी से सीखना चाहिए कि शास्त्र का स्थान हमेशा प्रथम है और शस्त्र को उन्होंने अंतिम विकल्प के रूप में धर्म की रक्षा के लिए उठाया था। कार्यक्रम में विधायक सुभाष त्रिपाठी, प्रमुख प्रतिनिधि विशेश्वरगंज राकेश पांडेय, प्रमुख प्रतिनिधि पयागपुर समय प्रसाद मिश्र, सवर्ण आर्मी राष्ट्रीय महासचिव शिवम सिंह ने भी अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान अयोध्या के महंत हेमंत दास, सवर्ण आर्मी जिलाध्यक्ष विजयराज शुक्ल, सवर्ण आर्मी प्रदेश सचिव सत्य प्रकाश अवस्थी, विधानसभा संयोजक निशंक त्रिपाठी, सवर्ण आर्मी जिला उपाध्यक्ष अंकित तिवारी चंद्रशेखर आजाद, पंकज शुक्ल, सच्चिदानंद पाठक, सुनील सिंह, राम मनोहर सिंह पप्पू, राकेश पांडेय, अजीत सिंह, कमलेश सिंह, स्वाती सिंह, समीक्षा सिंह, शिव कुमार सिंह और कृष्ण मोहन सिंह समेत बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय प्रशासन भी मुस्तैद नजर आया।

नेपाली सुरक्षा कर्मियों पर लगा अमानवीय व्यवहार का आरोप

रूपईडीहा (बहराइच)

जनता में रोष

अमृत विचार। भारत-नेपाल सीमा पर इन दिनों नेपाली सुरक्षा बलों द्वारा जांच के नाम पर आम नागरिकों के साथ कथित अमानवीय व्यवहार किए जाने के आरोप सामने आए हैं। सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों ने इस मामले को लेकर नाराजगी जताते हुए नेपाल सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भारत और नेपाल के बीच रोटी-बेटी का संबंध सदियों पुराना है। दोनों देशों के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्ते बेहद गहरे हैं। लाखों भारतीय बेटियां नेपाल में तथा नेपाली बेटियां भारत में विवाह के माध्यम से जुड़ी हुई हैं। यही कारण है कि यह सीमा अन्य देशों की सीमाओं की तरह नहीं, बल्कि मित्रता और आपसी विश्वास की सीमा मानी जाती है।

सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग दोनों देशों के बीच आवागमन करते हैं। नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोग वर्षों से अपनी रोजमर्रा की जरूरतों का सामान भारतीय बाजारों से खरीदते रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार नई सरकार के गठन के बाद सीमा पर तैनात कुछ सुरक्षा कर्मियों के व्यवहार में बदलाव देखने को मिला है।

आरोप है कि जांच के दौरान महिलाओं द्वारा खाने-पीने की वस्तुएं और दैनिक उपयोग का सामान ले जाने पर उसे जब्त कर लिया जाता है। कई बार महिलाओं के साथ अभद्रता और धक्का-मुक्की की घटनाएं भी सामने आई हैं। लोगों का कहना है कि कुछ मौकों पर सीमा पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को हाथापाई करते हुए भी देखा गया है, जिससे आम नागरिकों में भय और असंतोष का माहौल बन गया है।

स्थानीय नेपाली नागरिकों ने अपनी सरकार से मांग की है कि भारत जैसे मित्र देश के साथ साझा सीमा पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को आम लोगों के साथ मित्रतापूर्ण भाषा और मानवीय व्यवहार अपनाने के निर्देश दिए जाएं, ताकि दोनों देशों के बीच वर्षों पुराना भाईचारा और विश्वास कायम रह सके।

सीमावर्ती जनता का कहना है कि इस प्रकार की घटनाएं दोनों देशों के मधुर संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं, इसलिए इस मामले में शीघ्र उचित कदम उठाया जाना आवश्यक है।

लोहे की सुरक्षा रेलिंग से टकराई बाइक, युवक की मौत

संवाददाता, श्रावस्ती

हादसा

- बाइक चालक का सिर कटकर धड़ से हुआ अलग, दो अन्य गंभीर

अमृत विचार। सिरसिया क्षेत्र में शनिवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। साथ ही दो अन्य गंभीररूप से घायल हो गए। सुरक्षा रेलिंग से टकराने से युवक का सिर कटकर धड़ से अलग हो गया।

मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ककरदरी गांव निवासी राजू (27) पुत्र राम समुझ शनिवार देर शाम को बाइक से सुइयां बार्डर से होकर नेपाल से वापस अपने घर लौट रहा था। बाइक पर उसका बहनोई सीताराम (35) व एक अन्य रिश्तेदार सवार थे। सिरसिया थाना क्षेत्र के ककरदरी मार्ग पर खैरी तराई गांव के पास पहुंचते ही ई-रिक्शा को ओवरटेक करते ही बाइक बेकाबू हो गई और सड़क किनारे लगी सुरक्षा रेलिंग से जा टकराई। इस दौरान रेलिंग के उजड़े परत में टकराने से राजू का सिर कटकर धड़ से अलग हो गया और खेत में जा गिरा। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बहनोई का पैर कट गया और दूसरा रिश्तेदार भी गंभीररूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची एसएसबी व पुलिस टीम ने घायलों को जिला अस्पताल भिनगा भिजवाया। जहां उनकी हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने दोनों रिश्तेदारों को मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया। वहीं इधर पुलिस ने शव का पंचनामा भराकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। हादसा इतना खौफनाक था कि देखने वालों की रूह कांप गई। सिर खेत में व धड़ सड़क पर पड़ा देख लोग विचलित हो गए। घटना से परिजनों में कोहराम मचा गया है।

पेट्रोल पंपों पर नो स्टॉक के बोर्ड से हाहाकार

पयागपुर (बहराइच)

पेट्रोल पंप पर ईंधन लेने के लिए लगी भीड़। अमृत विचार

ईंधन का संकट

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र में पिछले कई दिनों से डीजल और पेट्रोल की भारी किल्लत बनी हुई है। क्षेत्र के अधिकांश पेट्रोल पंप सूखे पड़े हैं, जिसके कारण किसानों से लेकर व्यापारियों तक में हड़कंप मचा हुआ है। ईंधन की तलाश में लोग चिलचिलाती धूप में एक पंप से दूसरे पंप के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है। ईंधन संकट का असर समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। इस संबंध में प्रभावित लोगों ने अपनी पीड़ा व्यक्त की है।

परे शानी को लेकर भूपगंज के व्यापारी नितिन माहेश्वरी ने बताया, माल की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। पिकअप और लोडर गाड़ियाँ खड़ी हैं। अगर जल्द ही डीजल नहीं मिला, तो बाजारों में आवश्यक वस्तुओं की कमी हो जाएगी और कीमतें आसमान छूने लगेंगी। वहीं एक निजी स्कूल में अपने बच्चो को पढ़ा रहे मोहित शुक्ल ने बताया कि कल विद्यालय की बस डीजल पेट्रोल का हवाला दिए हुए नही आई अगर यही स्थिति रही तो बच्चों की पढ़ाई का क्या होगा। उधर, शिक्षक अखिलेश मिश्र ने अपना दर्द साझा करते हुए कहा-हमें रोजाना 20-30 किलोमीटर दूर स्कूल ड्यूटी पर जाना पड़ता है। बाइक में पेट्रोल नहीं है, दूसरों से लिफ्ट मांगकर या पैदल जैसे-तैसे पहुंच रहे हैं। मानसिक तनाव बढ़ गया है। वहीं किसान ओम प्रकाश मिश्र ने बताया-खेती का सीजन चल रहा है, लेकिन पंपों पर डीजल नहीं मिल रहा। ट्रैक्टर खड़े हैं। पंप वाले कहते हैं कि पीछे से सप्लाई नहीं आ रही है। हमारी फसलें प्रभावित हो रही हैं।

हालात यह हैं कि जैसे ही किसी पंप पर तेल का टैंकर पहुंचता है, वहां सैकड़ों की भीड़ उमड़ पड़ती है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कई जगह पुलिस को भी हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। क्षेत्र की जनता ने जिलाधिकारी से मांग की है कि पयागपुर में ईंधन की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए ताकि जनजीवन सामान्य हो सके।

हाईटेंशन लाइन बढ़ा रही परेशानी

संवाददाता, श्रावस्ती

समस्या

मार्ग पर क्रॉस करती हाईटेंशन लाइन।

अमृत विचार। गिलौला के तिलकपुर चौराहे पर 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। घरों की छतों से गुजरी लाइन दुर्घटना की संभावना बढ़ा रही है। इसके खतरे के बाद भी निगम के जिम्मेदार मौन है।

तिलकपुर चौराहे पर हाईटेंशन लाइन लोगो के घरों के ऊपर से गुजरि है। यही नहीं यह लाइन राष्ट्रीय राजमार्ग-730 को भी क्रॉस कर रही है, जिससे राहगीरों, दुकानदारों व स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद बिजली निगम के अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों का कहना है कि पहले इससे करंट लगने व दुकानों में आग लगने जैसी घटनाएं घटित हो चुकी हैं। लोगों ने बताया कि अंडरग्राउंड लाइन के लिए दोनों ओर पोल लगाने का काम पहले ही पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को हटाया नहीं गया। ग्रामीणों ने पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा से मिलकर लाइन को अंडरग्राउंड कराने की मांग की थी। इसके बाद भी समस्या का समाधान नही हुआ। ऐसे में स्थानीय लोगों ने डीएम सहित अन्य उच्च अधिकारियों से जल्द कार्रवाई कर हाईटेंशन लाइन को हटाकर अंडरग्राउंड शिफ्ट कराने की मांग की है।

विषैले जीव के काटने से युवक की मौत, परिजनों में कोहराम

संवाददाता, श्रावस्ती

अमृत विचार। फर्श पर सो रहे एक युवक को किसी विषैले जीव ने काट लिया। गंभीर हालत में युवक को अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान राम गोपाल की मौत हो गई। मौत की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव लेकर घर चले आए। मृतक राम गोपाल के दो बच्चे हैं। इनमें से एक छह वर्ष व दूसरा पांच माह का है। पिता की मौत से दोनों बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी पत्नी पर आ गई है।

उसके शोर पर जगे परिजन आनन फानन में राम गोपाल को सीएचसी गिलौला लाए। यहां हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान राम गोपाल की मौत हो गई। मौत की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव लेकर घर चले आए। मृतक राम गोपाल के दो बच्चे हैं। इनमें से एक छह वर्ष व दूसरा पांच माह का है। पिता की मौत से दोनों बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी पत्नी पर आ गई है।

जनगणना कार्य का दिया गया प्रशिक्षण

मिहींपुरवा /बहराइच। आगामी जनगणना को लेकर तहसील क्षेत्र में प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सर्वोदय इण्टर कॉलेज मिहींपुरवा में जनगणना कार्य में लगाए गए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रथम राउण्ड में 06 बैचों को तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत किया गया। तथा दुसरा चरण में 06 बैचों को तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 20-04-2026 शुरू कराया जायेगा। इसमें बड़ी संख्या में कर्मचारी भाग ले रहे हैं, जिन्हें जनगणना से जुड़ी आवश्यक जानकारियां दी जा रही हैं। तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर), जनपद बहराइच के अंतर्गत आने वाले सभी गांव और शहरी क्षेत्रों में जनगणना कराने जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके लिए लगभग 952 अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि यह कार्य पारदर्शिता, सटीकता और समयबद्ध तरीके से पूरा हो सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए कर्मचारियों को 50-50 लोगों के बैच में बुलाया जा रहा है। इसमें प्रत्येक प्रतिभागी को विस्तार से जानकारी देने के साथ उनकी शंकाओं का समाधान भी किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 दिनों तक चलेगा। तहसीलदार मिहींपुरवा (मोतीपुर) को पूरे तहसील क्षेत्र का चार्ज अधिकारी बनाया गया है। वहीं नगर पंचायत मिहींपुरवा के लिए अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में जनगणना कार्य की निगरानी करेंगे। उपजिलाधिकारी तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) ने बताया कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है और प्रशासन इसे पूरी गंभीरता से सम्पन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर इस कार्य को सफल बनाया जाएगा।

श्रीराम जानकी मंदिर का हुआ शिलान्यास

सिरसिया(श्रावस्ती), अमृत विचार। अक्षय तृतीया पर रविवार को सिरसिया के बेलहरी में भगवान परशुराम की जयन्ती मनाई गई। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष व पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने श्रीराम जानकी मंदिर का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने भूमि के दानकर्ता बनवारी मौर्या व मंशाराम मौर्या की धर्मार्थ कार्य में सहयोग के लिए सराहना की। इस दौरान राष्ट्रीय समाजसेवा हिंदू आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम नारायण पाण्डेय, लक्ष्मी निवास, अनिल तिवारी, उमेश कुमार, पप्पू पाण्डेय, विजय कुमार, कामेश्वर प्रसाद सहित काफी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण करते जिला पंचायत अध्यक्ष व मौजूद अन्य लोग।

रूपईडीहा चेयरमैन डॉ. उमाशंकर वैश्य ने किया नवनिर्मित सड़क का उद्घाटन

रूपईडीहा (बहराइच) । नगर पंचायत रुपईडीहा के चेयरमैन डॉ0 उमाशंकर वैश्य के द्वारा नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 15 सरस्वती नगर में रविवार को विकास कार्यों के अंतर्गत नई बनी सड़क का उद्घाटन संपन्न हुआ। वार्ड में राणा पेट्रोल पंप के पीछे डामर रोड से पन्नेलाल के मकान तक लगभग 130 मीटर लंबी सड़क का उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. उमाशंकर वैश्य द्वारा विधिवत किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. उमाशंकर वैश्य ने कहा कि नगर क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार नगर पंचायत की प्राथमिकता है। सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने से स्थानीय निवासियों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी तथा बरसात के मौसम में होने वाली परेशानियों से भी राहत मिलेगी। उद्घाटन समारोह में ठेकेदार के साथ नगर पंचायत के सुपरवाइजर किशन गुप्ता, अजय कुमार, अभय पाठक सहित वार्ड निवासी हेमंत पाठक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण कार्य के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से इस मार्ग के निर्माण की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी हो गई है। वार्ड वासियों ने उम्मीद जताई कि इसी प्रकार क्षेत्र में अन्य विकास कार्य भी शीघ्र कराए जाएंगे, जिससे नागरिक सुविधाओं में और सुधार होगा।

मार्ग का उद्घाटन करते डॉ. उमाशंकर वैश्य।

फार्मर रजिस्ट्री को लेकर अभियान तेज

बहराइच, अमृत विचार। जिले में किसानों को सरकारी योजनाओं का निर्बाध लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने का अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में आज विकासखंड फखरपुर की ग्राम पंचायत बसंतपुर में उपनिदेशक कृषि विनय कुमार वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के दौरान उपनिदेशक ने उपस्थित किसानों को फार्मर रजिस्ट्री की अनिवार्यता समझाते हुए इसे तत्काल तैयार कराने के निर्देश दिए, जिसके फलस्वरूप मौके पर ही 19 कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री सफलतापूर्वक पूर्ण की गई। इस दौरान डिजिटल सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कैंप में मौजूद सीआरपी कन्हैयालाल एवं पूजा पांडे के मोबाइल में 'सहायक ऐप' डाउनलोड कराया गया और उन्हें अपने क्लस्टर के सभी किसानों की रजिस्ट्री करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी कैसरगंज, शिशिर कुमार वर्मा ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि 30 अप्रैल के बाद बिना फार्मर रजिस्ट्री के बीज, खाद एवं अन्य किसी भी प्रकार के सरकारी लाभ का लाभ उठाना संभव नहीं होगा। इसी कड़ी में कृषि विभाग के अधिकारी डॉ. सौरभ वर्मा ने विकासखंड कैसरगंज और जरवल की विभिन्न ग्राम पंचायतों का सघन दौरा किया। भूमि संरक्षण अधिकारी बहराइच के रूप में डॉ. वर्मा ने क्षेत्रीय कर्मचारियों, प्रभारी राजकीय कृषि बीज भंडार श्री मौलिक वर्मा, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (ग्रुप बी) सत्येंद्र तिवारी और वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (ग्रुप ए) श्री अरविंद कुमार के साथ विकासखंड जरवल के धवरिया स्थित एग्री जंक्शन केंद्र का औचक निरीक्षण किया।

आयोजन

उप्रा विद्यालय अल्लीपुर में मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

जरवलरोड (बहराइच)

विद्यालय के वार्षिकोत्सव में कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। अमृत विचार

अमृत विचार। विकास खंड जरवल के ग्रामसभा अल्लीपुर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शनिवार को वार्षिकोत्सव एवं मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। सुदूर क्षेत्र में स्थित इस विद्यालय के बच्चों की प्रस्तुति किसी कॉन्वेंट स्कूल से कम नहीं रही।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे अभिभावकों व ग्रामीणों ने बच्चों की हर प्रस्तुति पर तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। समारोह के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) ए.बी. सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

अपने संबोधन में बीईओ ए.बी. सिंह ने कहा कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया में अभिभावक और शिक्षक दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने छात्रों के आत्मविश्वास से भरे मंच प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक ही बच्चों के भविष्य का निर्माण करते हैं।

इस अवसर पर कक्षा पांच एवं आठ के मेधावी छात्रों को मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एआरपी विनय शुक्ल ने किया। भूतपूर्व प्रधानाध्यापक अभिषेक श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया, जबकि विद्यालय प्रभारी शिक्षक ओमप्रकाश गौतम ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में समाजसेवी सूरज सिंह, एआरपी अभिषेक श्रीवास्तव, सनत तिवारी, विनय सिंह, विनय श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान पारसनाथ, कोटेदार अख्तर अली, वरिष्ठ शिक्षक मुबस्सिर, मसीहुद्दीन, गौरव मिश्र, मालती गौतम, हसनैन, अरविंद सिंह सहित न्याय पंचायत के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

सुखराजा देवी इंटर कॉलेज में संपन्न हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

मिहींपुरवा (बहराइच), अमृत विचार। मिहींपुरवा तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत मटेही कलां स्थित सुखराजा देवी इंटर कालेज में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय की ओर से समस्त प्रतिभाशील छात्र- छात्राओं को मुख्य अतिथि ने सम्मानित कर उन्हें मेडल व शील्ड प्रदान किया। अक्षयवर लाल गोंड ने अपने संबोधन में कहा कि तराई क्षेत्र में विद्यालय की स्थापना कर बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए जो ज्योति प्रबंध समिति ने जलाई है उसकी प्रशंसा अकथनीय है। उन्होंने उपस्थित सभी अभिभावकों एवं बच्चों को शिक्षा से बढ़कर कोई धन नहीं तथा इसे ग्रहण करने के लिए आधी रोटी खाएं परंतु बच्चों को जरूर पढ़ायें का संकल्प धारण करने की अपील की। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संयोजक विद्यालय के प्रबंधक विजय कुमार मौर्य एवं प्रधानाध्यापक संजय सिंह मौर्य तथा सभी शिक्षकों ने बड़ी ही भव्यता के साथ कार्यक्रम को प्रस्तुत किया। प्रबंध समिति की ओर से कार्यक्रम में मौजूद क्षेत्रीय सम्भ्रांत व्यक्तियो योगेन्द्र मौर्य उर्फ पिन्टू मौर्य, रईस खान, मनीष सिंह, दुर्गेश कुशवाहा, नाथूराम सोनी, सन्तोष कुमार सिंह, रामजिवान, अजय गुप्ता आदि को अंग वस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद के साथ भाजपा जिला मंत्री मिथलेश मौर्य, अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष मनीराम थारू, मंडल अध्यक्ष सरोज पाठक, वरिष्ठ भाजपा नेता योगेश प्रताप सिंह बैजू, नवयुग इंटर कॉलेज के प्राचार्य सुभाष वर्मा, समाजसेवी सोमवर्धन पाण्डेय, श्रवण कुमार मद्धेशिया, शिवकुमार शुक्ला, सुरेश कुशवाहा, सन्तोष विश्वकर्मा सहित काफी संख्या में क्षेत्रीय संबंध नागरिक अभिभावक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अमृत विचार

सोमवार, 20 अप्रैल 2026

आपके जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण दो दिन होते हैं, एक तो वह दिन जिस दिन आप पैदा होते हैं और दूसरा वह दिन जब आपको पता चलता है कि आपका जन्म क्यों हुआ है।

–मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

होर्मुज में हमला

पश्चिम एशिया के उथल-पुथल भरे परिदृश्य में भारतीय जहाजों पर ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की गोलाबारी जटिल भू-राजनीतिक संकेत है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से विश्व की लगभग एक-तिहाई तेल आपूर्ति गुजरती है, उस क्षेत्र में कोई भी टकराव वैश्विक संकट में बदल सकता है। ऐसे में भारतीय ध्वज वाले जहाजों को निशाना बनाना एक गंभीर सैन्य घटना है। जिन जहाजों ने ईरान द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया, अनुमति ली और जिनकी पहचान स्पष्ट थी, उन्हें निशाना बनाना ईरान की उस आक्रामक समुद्री नीति का हिस्सा हो सकता है, जिसका 'रणनीतिक संदेश' यह है कि वह अपने प्रभाव क्षेत्र में हर आवाजाही पर नियंत्रण रखता है, परंतु यह रणनीति जोखिमपूर्ण है, क्योंकि इससे तटस्थ या मित्र देशों का भरोसा भी डगमगाता है।

सवाल यह है कि ईरान, जिसने पहले भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग देने का आश्वासन दिया था, अचानक आक्रामक क्यों हुआ? इसके कई संभावित कारण हैं। पहला, क्षेत्रीय युद्ध का दबाव— इजराइल-ईरान तनाव और अमेरिकी सैन्य उपस्थिति ने ईरान को अधिक रक्षात्मक और आक्रामक दोनों बना दिया है। दूसरा, 'संदेश की राजनीति', ईरान अपने विरोधियों के साथ-साथ तटस्थ देशों को भी यह संकेत देना चाहता है कि क्षेत्र में उसकी शर्तें सर्वोपरि हैं। तीसरा, भारत का संतुलनकारी रुख- भारत के अमेरिका और खाड़ी देशों के साथ बढ़ते सामरिक संबंध ईरान को असहज कर सकते हैं, भले ही भारत ने कभी खुलकर विरोध नहीं किया हो। भारत को 'मित्र देशों' की सूची में रखने के बावजूद उसके प्रति ऐसा रुख दर्शाता है कि युद्धकालीन समीकरण स्थायी नहीं होते। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में मित्रता अक्सर हितों से संचालित होती है, न कि भावनाओं से। यही कारण है कि भारतीय विरोध दर्ज कराने के बावजूद तेहरान की ओर से तत्काल खेद या स्पष्टीकरण नहीं आया। यह भी संभव है कि ऐसे हमले स्थानीय कमांड स्तर पर हुए हों, परंतु इतनी बड़ी संख्या में भारतीय जहाजों को निशाना बनाना संकेत देता है कि यह नीति-स्तर की स्वीकृति के बिना संभव नहीं। सरकार के सामने दुविधा है, क्या वह इसे युद्ध की 'सामान्य घटना' मानकर नजरअंदाज कर दे या कूटनीति की अपनी दिशा बदले? नजरअंदाज करना खतरनाक होगा, क्योंकि इससे भारतीय समुद्री हितों की सुरक्षा कमजोर पड़ेगी। वहीं, अत्यधिक आक्रामक प्रतिक्रिया भी भारत की संतुलनकारी विदेश नीति को नुकसान पहुंचा सकती है। फिलहाल भारत को कूटनीतिक दबाव बनाते हुए तेहरान से स्पष्टीकरण और सुरक्षा आश्वासन की मांग करने के साथ बहुपक्षीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाना चाहिए।

हमने पहले भी अपने व्यापारिक जहाजों को भारतीय नौसेना का एस्कॉर्ट दिया है, इसे फिर करना चाहिए। इन सबके साथ अमेरिका, खाड़ी देशों और ईरान के बीच रणनीतिक संतुलन बनाए रखते हुए अपने हितों की रक्षा का प्रयास करना चाहिए। वैसे भी पश्चिम एशिया का संघर्ष अब बहुस्तरीय उलझाव बन चुका है, जहां हर देश अपने हितों के अनुसार चाल चल रहा है। पाकिस्तान में संभावित वार्ता इस जटिलता से तुरंत निजात नहीं दिलाने वाली, सो भारत को संयम और दृढ़ता दोनों का संतुलन साधना होगा।

भारत के जहाज पर ईरानी गोलीबारी का दुस्साहस

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की शांति वार्ता जल्द होने वाली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात के संकेत दिए हैं, लेकिन ईरान के राष्ट्रपति अब भी अपनी जिद पर कायम हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के बाद दोबारा बंद करना और भारतीय जहाजों पर फायरिंग इस बात का संकेत है कि ईरान न सिर्फ अमेरिका और उसके दोस्तों से अपने रिश्ते खराब करना चाहता है, बल्कि अब वह तटस्थ देशों से भी उलझने को तैयार है, हालांकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरानी नौसेना की फायरिंग पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत ने ईरान को इस तरह की कार्रवाई पर परिणाम भुगतने के संकेत दिए हैं।

ईरान और अमेरिका के बीच पहले दौर की शांति वार्ता के नाकाम होने के बाद यह लगा था कि युद्ध पुनः भड़क सकता है, लेकिन घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पड़ रहे दबाव के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किसी तरह की कार्रवाई न करने के संकेत दिए, हालांकि वे अब भी अपनी बात पर कायम हैं, लेकिन बीच-बीच में उनके द्वारा ईरान को भड़काने वाले बयान भी दिए जा रहे हैं। इस वजह से ईरान खफा है और उसने ट्रंप को चिढ़ाने के लिए ही होर्मुज को पुनः बंद कर दिया, जबकि इजरायल और हिजबुल्ला के बीच युद्ध विराम के बाद ही होर्मुज को ईरान ने खोल दिया था।

खुद उसके विदेश मंत्री ने इसकी घोषणा की थी और जहाजों की आवाजाही भी शुरू हो गई थी, लेकिन यह होर्मुज खोलने का आदेश बहुत दिनों तक नहीं चला। बमुश्किल 24 घंटे में ही ईरान अपनी बातों से पलट गया और इसका ठीकरा उसने ट्रंप पर फोड़ दिया। ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान अपने परमाणु बम बनाने के कार्यक्रम से पीछे हट जाएगा और संवर्धित यूरेनियम उसे सौंप देगा। इस दावे से ही ईरान के विदेश मंत्री चिढ़ गए और उन्होंने होर्मुज को न सिर्फ बंद करा दिया, बल्कि उनकी नौसेना ने भारतीय जहाजों पर फायरिंग का दुस्साहस भी कर दिया, हालांकि भारतीय चालक दल को किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। रणनीतिकार मानते हैं कि ईरान ने यह कार्रवाई पाकिस्तान के उकसावे की वजह से की है, अन्यथा भारतीय क्रूड ऑयल टैंकर 'जग अर्णव' और 'सनमार हेराल्ड' पर ईरानी नौसेना फायरिंग नहीं करती।

भारत ने साफ कर दिया है कि इस तरह की कार्रवाई बर्दाश्त नहीं करेगा। अगर ऐसे कदम दोहराए गए, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। कहा जा रहा है कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स वहां होर्मुज में भारत से भी टैक्स वसूलना चाहता है, लेकिन भारत किसी भी हालत में टैक्स देने को तैयार नहीं है। इससे भी रिवोल्यूशनरी गार्ड चिढ़े हुए हैं, हालांकि भारत के सख्त रुख से अब ईरान परेशान है और सफाई दे रहा है। उधर, भारत को उम्मीद है कि ईरान और अमेरिका की बीच दूसरे दौर की वार्ता के बाद पूर्ण रूप से युद्ध विराम होगा और शांति आएगी। इसके बाद हालात सुधरेंगे तब तक वह ईरान को भी अपने सख्त रुख से भारतीय जहाजों की बेरोकटोक आवाजाही के लिए मना लेगा।

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दूसरे दौर की वार्ता की पुष्टि कर दी है। यह वार्ता पुनः इस्लामाबाद में होगी। पाकिस्तान का दावा है कि इस बार अपनी-अपनी शर्तों पर दोनों देश झुकेंगे और पूर्ण रूप से युद्ध विराम हो जाएगा, हालांकि विदेशी मामलों के जानकार ऐसा नहीं मानते। उनका कहना है कि ट्रंप बिना यूरेनियम पर कब्जा किए किसी भी स्थिति में वार्ता को सफल नहीं मानेंगे। ईरान भी यूरेनियम उन्हें नहीं देगा।

ऐसे में पूर्ण रूप से युद्ध विराम होना मुश्किल है। ट्रंप को भी पता है कि ईरान उनकी इस शर्त को तो कभी नहीं मानेगा और होर्मुज में टैक्स वसूलने, विदेशों में फ्रीज ईरान की संपत्तियों को मुक्त करने की मांग को ट्रंप कभी स्वीकार नहीं करेंगे। यदि वे ऐसा करते हैं, तो उनकी हार मानी जाएगी और यह स्थिति उनके लिए ठीक नहीं होगी, इसीलिए ट्रंप ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर यह धमकी दी है। अगर बातचीत विफल होती है, तो ईरान के साथ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी और उनके बुनियादी ढांचे पर हमले करते हुए सब कुछ तबाह कर दिया जाएगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा 'मेरे प्रतिनिधि इस्लामाबाद पाकिस्तान जा रहे हैं। वे कल शाम वहां बातचीत के लिए पहुंचेंगे। हम एक बहुत ही निष्पक्ष और उचित डील का प्रस्ताव दे रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि वे (ईरानी) इसे स्वीकार करेंगे। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो अमेरिकी सेना ईरान के सभी पॉवर प्लांटों को तबाह करेगी। उनकी इस पोस्ट को ईरान ने उकसावे की कार्रवाई माना है। वैसे अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट को घेर रखा है। वहां से ईरान के जहाज भी नहीं निकल पा रहे हैं।

अगर ईरान अपने तेलों का निर्यात नहीं कर पाएगा, तो उसकी अर्थव्यवस्था और खराब होगी। ऐसी स्थिति में वहां जनता सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होगी और फिर ट्रंप जो चाहते हैं, उनकी मंशा पूरी हो जाएगी। ईरान को भी पता है कि यदि वह समझौता नहीं हुआ, तो उसके यहां भुखमरी की स्थिति आ जाएगी, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था पहले से ही चरमाराई हुई है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने भी माना है कि युद्ध विराम समझौते का लेकर चल रही वार्ता में प्रगति हुई है। दूसरे दौर की वार्ता को लेकर चल रही कवायद पर पूरी दुनिया की निगाह टिकी हुई है। अब देखना यह है कि क्या परिणाम आते हैं।

ईरान न सिर्फ अमेरिका और उसके दोस्तों से अपने रिश्ते खराब कर रहा है, बल्कि अब वह तटस्थ देशों से भी उलझ रहा है। हालांकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरानी नौसेना की फायरिंग पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है।

सोशल फोरम

कहानी सिल्वेस्टर की

1000 ऑडिशन में 'बदसूरत' कहकर रिजेक्ट किया गया एक लड़का बीवी की प्रेग्नेंसी के खर्च के लिए अपना सबसे प्यारा कुत्ता बेचने को मजबूर हुआ। वही इंसान आगे चलकर बना दुनिया का नंबर वन एक्शन हीरो! यह कहानी है सिल्वेस्टर स्टेलोन की। एक ऐसी प्रेरणा, जो बताती है कि हालात चाहे कितने भी खराब क्यों न हों, अगर हौसला मजबूत हो तो किस्मत बदलते देर नहीं लगती।

कैलाश गोयल
कारोबारी

6 जुलाई 1946 को न्यूयॉर्क के हेल्स किचन में जन्मे स्टेलोन का जीवन शुरुआत से ही आसान नहीं था। जन्म के समय हुई मेडिकल गलती की वजह से उनके चेहरे का एक हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। उनकी आवाज लड़खड़ाती थी और चेहरा अलग दिखता था। इसी वजह से बचपन में उन्हें मज़ाक का सामना करना पड़ा। माता-पिता के अलगाव ने उनकी जिंदगी को और मुश्किल बना दिया। कई बार उन्हें अनाथालय जैसी परिस्थितियों में भी रहना पड़ा।

स्टेलोन ने एक्टर बनने का सपना देखा, लेकिन उनका लुक और आवाज उनके रास्ते की सबसे बड़ी बाधा बन गई।1000 से ज्यादा ऑडिशन दिए और हर बार रिजेक्ट हुए। कास्टिंग डायरेक्टर्स हंसकर बाहर कर देते थे। हालात इतने खराब हो गए कि उन्हें कई रातें बस स्टेशन पर सोकर बितानी पड़ीं।

एक वक्त ऐसा आया जब उनकी पत्नी प्रेग्नेंट थीं और घर में खाने तक के पैसे नहीं थे। मजबूरी में उन्होंने अपने सबसे प्यारे बुलमास्टिफ डॉग 'बटकस' को सिर्फ 40 डॉलर में बेच दिया। यह उनके जीवन का सबसे दर्दनाक फैसला था।

1975 में मुहम्मद अली और चक वेपनर के बीच हुए मुकाबले ने उनकी जिंदगी बदल दी। इस मैच से प्रेरित होकर स्टेलोन ने सिर्फ तीन दिनों में फिल्म रॉकी की स्क्रिप्ट लिख डाली। स्टूडियो को स्क्रिप्ट पसंद आई, तो उन्होंने 3,60,000 डॉलर देने की पेशकश की। स्टेलोन ने साफ मना कर दिया। आखिरकार कम बजट में फिल्म बनी और 1976 में रिलीज हुई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 225 मिलियन डॉलर से ज्यादा कमाई की और तीन ऑस्कर अवॉर्ड जीते। स्टेलोन को बेस्ट एक्टर और स्क्रीनप्ले के लिए नॉमिनेशन मिला। 'रॉकी' हॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक फिल्मों में शामिल हो गई। कामयाबी मिलते ही स्टेलोन ने सबसे पहले अपने कुत्ते 'बटकस' को वापस खरीदा।

–फेसबुक वॉल से

प्रसंगवश

देश में प्राथमिक शिक्षा की रीढ़ हैं सरकारी स्कूल

शिक्षा वह शक्तिशाली हथियार है, जिससे आप दुनिया को बदल सकते हैं- दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मण्डेला का यह कथन शिक्षा के महत्त्व को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। भारत में शिक्षा का विस्तार सरकारी स्कूलों से ही संभव हुआ है। सरकारी विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय आदि न केवल शिक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि वे सामाजिक समानता, राष्ट्रीय एकता, विश्व बंधुत्व, समावेशी विकास तथा नैतिकता के मजबूत स्तंभ भी रहे हैं। आज भी देश के अधिकतर नीति निर्माता, शीर्षस्थ पदों में विराजित राजनेता, शिक्षक, कवि, लेखक, विचारक आदि सरकारी विद्यालयों से ही पठित हैं। वास्तव में सरकारी विद्यालय हमारे देश का गौरव हैं।

भारत के शिक्षा मंत्रालय के अनुसार देश में लगभग 14 लाख से अधिक स्कूल हैं, जिनमें से अधिकांश सरकारी विद्यालय हैं। इन

डॉ. हेमंत जोशी
शिक्षक

विद्यालयों में करोड़ों विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि आज भी भारत में शिक्षा की रीढ़ सरकारी विद्यालय ही हैं। सरकारी विद्यालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समाज के हर वर्ग के लिए खुले होते हैं, वहां किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होता, क्योंकि यहां अमीर-गरीब, शहर-गांव, सभी बच्चे एक साथ बैठकर शिक्षा प्राप्त करते हैं तथा शिक्षणेत्तर गतिविधियों में प्रतिभाग भी करते हैं, जिससे छात्रों में सामाजिक समरसता और समानता की भावना विकसित होती है, क्योंकि सामाजिक एवं राष्ट्रीय विकास में समरसता, समानता और मानवीय संवेदना की भावना दृढ़ होना जरूरी है।

सरकारी विद्यालय अपने छात्रों को मूल्यों तथा प्राणी मात्र की मूल जीवन संजीवनी के साथ जोड़ने का सतत् प्रयास करते हुए राष्ट्रीय हितों के साथ जोड़ते हैं, जो केवल एक औपचारिकता मात्र नहीं, अपितु भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए छात्रों को विद्यालय स्तर से ही तैयार करना है और जिससे छात्रों में जागरूकता आती भी रही है। निजी विद्यालयों की तुलना में सरकारी विद्यालय शिक्षा को अधिक लोकतांत्रिक बनाते हैं।

सरकार द्वारा संचालित होने के कारण इन विद्यालयों में शिक्षा लगभग निःशुल्क होती है। इसके अतिरिक्त छात्रों को कई योजनाओं का लाभ भी मिलता है, जो विकासशील देश में जरूरी रहा है। उदाहरण के लिए- मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत बच्चों को पौष्टिक भोजन दिया जाता है, जिससे न केवल उनकी उपस्थिति बढ़ती है बल्कि इससे विगत कई वर्षों में कुपोषण भी कम होता आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस योजना से देश के 10 करोड़ से अधिक बच्चे लाभान्वित होते हैं। इसके साथ ही निःशुल्क पुस्तकें, गणवेश और विभिन्न छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जाती हैं।

यह कहना गलत होगा कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षा का स्तर निम्न है। आज अनेक सरकारी विद्यालयों में प्रशिक्षित और योग्य शिक्षक कार्यरत हैं। कई राज्यों में सरकारी विद्यालयों के छात्र बोर्ड परीक्षाओं में निजी विद्यालयों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकारी सेवाओं में भी इन्हीं छात्रों की उपस्थिति अधिकतर दिखाई दे रही है। उदाहरण के रूप में केरल और दिल्ली के सरकारी विद्यालयों ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार दिखाया है। दिल्ली के सरकारी स्कूलों का परीक्षा परिणाम और भौतिक संसाधन देशभर में एक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। अन्य राज्य भी इसका अनुकरण कर रहे हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने

विपक्ष ने इस बिल को हराकर महिलाओं के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई है। इसका 'पाप' उन्हें आने वाले चुनावों में भुगतना पड़ेगा। बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान और चार मई को आने वाले नतीजे ही अब तय करेंगे कि बंगाल की जनता ने किसके दावों पर भरोसा किया है।

–नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

सामने

मोदी सरकार महिला आरक्षण को एक 'ढाल' की तरह इस्तेमाल कर रही है, जबकि उनका असली मकसद परिसीमन के जरिए उन राज्यों में सीटें बढ़ाना है, जहां भाजपा का दबदबा है। 2023 में बिल पास होने के बाद तीन साल तक इंतजार क्यों किया गया? यह डॉ. अंबेडकर के संविधान के साथ छेड़छाड़ है।

–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

2023 में पास महिला आरक्षण बिल कब होगा लागू

सौरभ वार्ष्णेय
वरिष्ठ पत्रकार

महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समान भागीदारी देने के उद्देश्य से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण कानून) भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक कदम माना गया, लेकिन यह सवाल स्वाभाविक है कि जब यह कानून संसद से पारित हो चुका है, तो इसका असर अभी तक ज़मीनी स्तर पर क्यों नहीं दिख रहा? दरअसल इस अधिनियम के लागू होने में देरी का कारण इसकी संरचना और उससे जुड़ी शर्तें हैं। देश की संसद में 31वां संशोधन बिल लोकसभा में गिर गया, जो कि बहुत ही निराशाजनक है। संसद के विशेष सत्र में लंबी चली बहस में मतभेदों के सुर के आलावा आपसी राजनीति के आलावा कुछ समझ नहीं आया।

सरकार को इस संशोधन बिल को पास करवाने के लिए दो-तिहाई वोटों की जरूरत थी, लेकिन पक्ष में सिर्फ 298 वोट पड़े। विरोध में 230 वोट पड़े, जो दो तिहाई से बहुत कम है। इस बिल को पास करवाने की नरेंद्र मोदी सरकार की हर कोशिश नाकाम साबित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अंतरआत्मा की आवाज सुनने वाली अपील भी कुछ खास असर नहीं दिखा पाई। अब सवाल यह है कि अब नहीं तो महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण कब मिलेगा?

सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पास होकर उसका नोटिफिकेशन हो चुका है, लेकिन जब अभी तक इसे लागू ही नहीं किया गया तो संशोधन बिल लाने की क्या जरूरत पड़ी। महिलाओं के लिए कोटा 2034 से पहले संभव हो पाएगा या फिर बीच की कोई और राह अभी भी निकल सकती है? ये कह पाना मुश्किल है कि बिल अब कब लागू हो पाएगा? जबकि यह अब कानून बन चुका है।

मान लीजिए कि सरकार और विपक्ष के बीच आने वाले समय में बिल पर कोई सहमति बन जाती है फिर भी महिला आरक्षण 2034 के लोकसभा चुनाव के पहले लागू होना मुश्किल लगता है। 2023 के मूल कानून के हिसाब से संसद के दोनों सदनों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तभी लागू होना था, जब अगली जनगणना पूरी हो जाए। अभी जनगणना चल रही है। इसे पूरा होने में वक्त लगेगा। इसके बाद सीटों का डिलिमिटेशन यानी कि नया बंटवारा भी होगा, जबकि नए बिलों के हिसाब से महिला आरक्षण को 2029 तक लागू होना था। इसके लिए सीटों का बंटवारा 2011 की जनगणना के आधार किया जाना था, लेकिन ये हो नहीं सका।

केंद्र सरकार 31वें संशोधन बिल में दक्षिणी राज्यों की सीटें बढ़ाने जैसे कुछ बदलाव कर सकती है। मतलब यह कि 2011 के बजाय 2027 की जनगणना को आधार बनाया जाए। इसके बाद बिल को नए सिरे से पेश किया जाए। सहमति बनाने के लिए विपक्ष के सुझाव लिए जाएं। कई विश्लेषकों का कहना है कि ओबीसी महिलाओं के लिए अलग उप-कोटा देने से पहले पूरे ओबीसी समुदाय के लिए ही राजनीतिक आरक्षण को संविधान में शामिल करना होगा। फिलहाल ओबीसी आरक्षण शिक्षा और नौकरी तक सीमित है, विधायिकाओं में नहीं।

महिलाओं के बिल के पिछले प्रयास (1996, 1997, 1998, 2008-2010) ओबीसी उप-कोटा की मांगों की वजह से ही अटकते रहे। यही पुरानी खाई 2023-26 की बहस में भी दिखाई दी। बीजेपी ने ओबीसी वोट बैंक में बड़ा विस्तार किया है। विश्लेषकों का तर्क है कि अगर वह अभी ओबीसी राजनीतिक आरक्षण का दरवाज़ा खोलती है, तो सीट शेयर, 50 प्रतिशत कैप और आंतरिक उप-वर्गीकरण पर बड़े विवाद खड़े हो सकते हैं, जिसे वह टालना चाहती है।

विपक्ष लगातार ओबीसी महिलाओं के अलग कोटे की मांग कर रहा है। वह आरोप लगा रहा है कि बीजेपी महिला आरक्षण का क्रेडिट तो लेना चाहती है, लेकिन ओबीसी महिलाओं को वास्तविक राजनीतिक हिस्सेदारी देने से बच रही है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकायों में ओबीसी आरक्षण पर फैसलों में कहा है कि कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से ज़्यादा नहीं दिया जा सकता और ओबीसी कोटा के लिए समकालीन, भरोसेमंद तथ्यात्मक डेटा ज़रूरी है। यही तर्क राष्ट्रीय स्तर पर भी उठेगा। संसद चाहे तो संविधान में संशोधन कर लोकसभा-विधानसभाओं में ओबीसी वर्ग के लिए राजनीतिक आरक्षण और उसमें से ओबीसी महिलाओं का उप-कोटा तय कर सकती है। भले ही नई जातिगत जनगणना पूरी नहीं हुई हो।

संविधान किसी विशेष डेटा स्रोत को अनिवार्य नहीं ठहराता, लेकिन किस जाति समूह को कितना हिस्सा मिलेगा, इसका आधार तय करने के लिए ठोस, नए और राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य जातिगत आंकड़े जरूरी होंगे, वरना अदालतों में इसे मनमाना मानकर चुनौती दी जा सकती है। अब आगे महिलाओं को ही मुखर होकर आगे आना होगा। इन पार्टियों को समझाना पड़ेगा कि आधी आबादी को संसद से क्यों वंचित रखना चाहते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पास होकर उसका नोटिफिकेशन हो चुका है। सवाल उठ रहा है कि जब इसे अभी लागू ही नहीं किया, तो संशोधन बिल लाने की जरूरत क्यों पड़ी?

सामयिकी

कच्चा माल आयात पर टिका जेनरिक दवाओं का निर्यात

भारत आज वैश्विक स्तर पर सस्ती दवाओं के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक बन चुका है। 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में उसकी पहचान केवल एक उपमा नहीं, बल्कि उसकी उत्पादन क्षमता, निर्यात विस्तार और वैश्विक जनस्वास्थ्य में उसके योगदान का सशक्त प्रमाण है। वर्ष 2025-26 तक भारतीय औषधि बाजार 50 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर चुका है और वैश्विक जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति में उसका योगदान 20 प्रतिशत से अधिक है।

अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी भारतीय कंपनियां लगभग 40 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करती हैं, जबकि अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता में भारत की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। यह उपलब्धि 1970 के दशक में पेटेंट कानूनों में हुए परिवर्तन का परिणाम है, जब भारत ने प्रक्रिया पेटेंट

डॉ. प्रियंका सौरभ
शिक्षिका

प्रणाली को अपनाकर घरेलू उद्योग को सशक्त किया और सस्ती दवाओं के उत्पादन का मार्ग प्रशस्त किया।

इस चमकदार उपलब्धि के पीछे एक गहरा विरोधाभास भी छिपा हुआ है। भारत जहां एक ओर तैयार दवाओं का प्रमुख निर्यातक है, वहीं दूसरी ओर उनके निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल और सक्रिय औषधीय संघटकों के लिए भारी मात्रा में आयात पर निर्भर है। अनुमानतः भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 60 से 70 प्रतिशत सक्रिय औषधीय संघटक विदेशों से आयात करता है, जिसमें प्रमुख हिस्सा चीन से आता है। पेनिसिलिन जी, क्लैवुलैनिक अम्ल और पैरासिटामोल जैसे महत्वपूर्ण संघटकों के मामले में यह निर्भरता 80 प्रतिशत से भी अधिक है। यह स्थिति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है।

कोविड-19 महामारी ने इस निर्भरता की वास्तविकता को स्पष्ट रूप से उजागर कर दिया। चीन में लॉकडाउन के कारण आपूर्ति बाधित होते ही भारत में दवा उत्पादन प्रभावित हुआ। अनेक औषधि निर्माण इकाइयों को उत्पादन घटाना पड़ा और कुछ को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। इससे यह स्पष्ट हो गया कि कच्चे माल की आपूर्ति में व्यवधान भारत की औषधि उत्पादन क्षमता को तुरंत प्रभावित कर सकता है। इस अनुभव ने आत्मनिर्भरता की आवश्यकता को और अधिक प्रासंगिक बना दिया।

इसी संदर्भ में सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के माध्यम से लगभग 16,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की, जिसका उद्देश्य घरेलू स्तर पर सक्रिय औषधीय संघटकों के उत्पादन को बढ़ावा देना है। यद्यपि इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, फिर भी अनेक संरचनात्मक समस्याएं अब भी बनी हुई हैं। उच्च उत्पादन लागत, तकनीकी सीमाएं तथा कठोर पर्यावरणीय नियमों के कारण कई उत्पादन इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जिससे घरेलू उत्पादन क्षमता सीमित हो गई है।

नियामक ढांचे की कमजोरी भी इस क्षेत्र की एक प्रमुख चुनौती है। केंद्रीय और राज्य स्तर पर औषधि नियंत्रण संस्थाओं में संसाधनों और प्रशिक्षित मानव बल की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। गुणवत्ता नियंत्रण में खामियों के कारण कई भारतीय औषधि निर्माण इकाइयों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आलोचना का सामना करना पड़ा है। कुछ मामलों में विदेशी नियामक संस्थाओं द्वारा आयात प्रतिबंध भी लगाए गए हैं, जिनका कारण निर्माण प्रक्रियाओं में त्रुटियां और गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन रहा है। इससे भारत की वैश्विक साख प्रभावित होती है और निर्यात संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

मौसम बदलते ही फैशन का मिजाज भी बदल जाता है और इसी के साथ बदलती हैं हमारी स्टाइल चॉइसेज। आज की महिलाएं चाहे टीनएज हों, यंग प्रोफेशनल्स या मिड एज, हर मौसम के अनुसार अपने वॉर्डरोब को अपडेट रखना पसंद करती हैं। खासकर गर्मियों में स्टाइलिश दिखते हुए कंफर्टेबल रहना थोड़ा मुश्किल जरूर होता है, लेकिन सही फैब्रिक, प्रिंट और कलर चुनकर इस चुनौती को आसानी से पार किया जा सकता है।

तपती धूप में भी दिखें कूल और स्टाइलिश

फैब्रिक पर दें ध्यान

गर्मियों के मौसम में सबसे पहले ध्यान देना चाहिए फैब्रिक पर। हल्के, सॉफ्ट और ब्रीदेबल कपड़े जैसे कॉटन, लिनन, रेयॉन और मलमल इस सीजन के लिए बेस्ट माने जाते हैं। ये न केवल पसीना सोखते हैं, बल्कि शरीर को ठंडा भी रखते हैं। इसके साथ ही इन फैब्रिक्स में आने वाले प्रिंट्स आपके लुक को और भी आकर्षक बना देते हैं।

स्टाइल को दें मॉडर्न टच

जहां तक प्रिंट्स की बात है, फ्लोरल प्रिंट्स हर साल समर फैशन का हिस्सा बने रहते हैं। छोटे-छोटे फूलों से लेकर बड़े-बड़े बोल्ड फ्लोरल पैटर्न तक, ये हर तरह के आउटफिट में खूबसूरती जोड़ते हैं। फ्लोरल प्रिंट्स न केवल फ्रेश और कूल लुक देते हैं, बल्कि दिन के समय आउटिंग, ब्रंच या कैजुअल मीटअप के लिए एकदम परफेक्ट रहते हैं। इसके अलावा, इस सीजन में चेक्स, स्ट्राइप्स और ज्योमेट्रिक प्रिंट्स भी काफी ट्रेंड में हैं, जो आपके स्टाइल को एक मॉडर्न टच देते हैं।

सही कलर का चुनाव

कलर्स किसी भी आउटफिट की जान होते हैं। गर्मियों में हल्के और सॉफ्ट कलर्स पहनना सबसे अच्छा रहता है। सफेद (व्हाइट) रंग इस मौसम का सबसे पसंदीदा रंग माना जाता है, क्योंकि यह गर्मी को कम महसूस कराता है और एक क्लासी लुक देता है। व्हाइट मैक्सी ड्रेस, चिकनकारी सूट, अनारकली या शर्ट-ट्राउजर सेट हर रूप में शानदार लगता है। व्हाइट के अलावा पेस्टल शेड्स जैसे बेबी ब्लू, लैवेंडर, पिंक, मिंट ग्रीन और पीच भी इस सीजन में काफी ट्रेंड में हैं। ये रंग आंखों को सुकून देते हैं और एक फ्रेश लुक प्रदान करते हैं। खासतौर पर लैवेंडर और सी ग्रीन जैसे कलर्स पिछले कुछ समय से फैशन में अपनी खास जगह बनाए हुए हैं। इसके साथ ही कोरल और पीच जैसे सॉफ्ट वॉर्म टोन भी समर आउटफिट्स में चार चांद लगा देते हैं। अगर आप अपने समर लुक को और बेहतर बनाना चाहती हैं, तो हल्के एक्सेसरीज जैसे स्ट्रॉ हैट, सनग्लासेस, स्लिंग बैग और मिनिमल ज्वेलरी का इस्तेमाल जरूर करें। सही फुटवियर जैसे फ्लैट्स, सैंडल या एस्पैड्रिल्स आपके पूरे लुक को कंप्लीट कर देते हैं। इस तरह, सही फैब्रिक, ट्रेंडी प्रिंट्स और सॉफ्ट कलर्स के साथ आप गर्मियों में भी स्टाइलिश और कंफर्टेबल दोनों रह सकती हैं।

कंफर्ट और स्टाइल का कांबो

अगर आप कुछ नया ट्राय करना चाहती हैं, तो टाई-डाई प्रिंट्स, ब्लॉक प्रिंट्स और इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन स्टाइल्स भी इस बार खूब पसंद किए जा रहे हैं। खासतौर पर हैंडब्लॉक प्रिंटेड कुर्ते, स्कर्ट्स और को-ऑर्ड सेट्स युवतियों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। इसके अलावा, शर्ट ड्रेस, रैप ड्रेस और कफ्तान स्टाइल आउटफिट्स भी गर्मियों में कंफर्ट और स्टाइल का बेहतरीन मेल पेश करते हैं।

ड्रेस की लंबाई और फिटिंग

ड्रेस की लंबाई और फिटिंग भी बहुत मायने रखते हैं। समर सीजन में मैक्सी ड्रेसेस, मिडी ड्रेसेस और शॉर्ट ड्रेसेस काफी पसंद की जाती हैं। ये न सिर्फ पहनने में आसान होती हैं, बल्कि हर बॉडी टाइप पर अच्छी भी लगती हैं। अगर आप प्लस साइज हैं, तो छोटे और मीडियम प्रिंट्स आपके लिए ज्यादा फ्लैटरिंग रहेंगे। वहीं स्लिम फिगर वाली महिलाएं बड़े और एक्सपेरिमेंटल प्रिंट्स भी आसानी से कैरी कर सकती हैं।

जिंदगी का सफर

सुरों की वह शक्ति जो इतिहास बन गई

भारतीय संगीत आकाश का वह अनमोल सितारा सदा के लिए मौन हो गया है, जिसकी स्वर-लहरियों ने सात दशकों तक हर पीढ़ी की धड़कनों को एक नई ताल दी। 12 अप्रैल को 92 वर्ष की आयु में आशा भोंसले का निधन केवल एक महान गायिका का जाना नहीं, बल्कि उस अद्वितीय 'अदा', 'नजाकत' और 'स्वैग' का अवसान है, जिसने साड़ी की गरिमा में भी भारतीय पॉप और कैबरे संगीत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई। 800 से अधिक फिल्मों में 12,000 से ज्यादा गीतों को अपनी आवाज देकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने वाली आशा जी का जीवन केवल सुरों की साधना भर नहीं था, बल्कि यह संघर्ष, आत्मविश्वास और निरंतर आत्म-नवाचार की अद्भुत गाथा भी था।

योगेश कुमार गोयल
लेखक

8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के एक प्रतिष्ठित संगीत परिवार में जन्मी आशा भोंसले का जीवन आरंभ से ही सुरों से जुड़ा था, किंतु नियति ने उनके बचपन को सहज नहीं रहने दिया। पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर से शास्त्रीय संगीत की प्रारंभिक शिक्षा मिली, परंतु महज 9 वर्ष की आयु में पिता के निधन ने उनके जीवन से संरक्षण का साया छीन लिया। परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा था और बड़ी बहन लता मंगेशकर ने घर की जिम्मेदारी संभाली। ऐसे कठिन समय में आशा जी ने भी कम उम्र में ही संघर्ष को अपना साथी बना लिया। पार्श्व गायन की दुनिया में उनका सफर किसी सरल राह पर नहीं चला। उस दौर में लता मंगेशकर का वर्चस्व था और बड़े संगीतकारों की पहली पसंद वही थी। आशा भोंसले के संगीत सफर में वास्तविक परिवर्तन तब आया, जब उनकी मुलाकात संगीतकार ओ.पी. नैयर से हुई। नैयर साहब ने उस समय की परंपरा को चुनौती देते हुए लता मंगेशकर के बिना संगीत रचना का निर्णय लिया और उन्हें आशा की आवाज में वह अनोखी 'शरारत', 'चंचलता' और 'कशिश' दिखाई दी, जिसकी वे तलाश कर रहे थे। 1957 की फिल्म नया दौर का गीत 'उड़े जब जब जुल्फें तेरी' आशा जी के करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ, जिसने उन्हें मुख्यधारा की नायिकाओं की आवाज बना दिया। वहीं 1956 की सी.आई.डी. में 'लेके पहला पहला प्यार' गीत में शमशाद बेगम की स्थिरता और आशा की चुलबुली अदाओं का अद्भुत संगम श्रोताओं के दिलों में बस गया। यही वह दौर था, जब आशा जी ने अपनी ऐसी गायिका की एक अलग पहचान गढ़ी, जिसकी आवाज में 'बोल्डनेस', 'वेस्टर्न वाइब' और अद्वितीय ऊर्जा का सम्मोहन था।

1970 का दशक हिंदी सिनेमा में संगीतात्मक प्रयोगों का स्वर्णिम काल था और इसी दौर में आशा भोंसले को मिला उनका सबसे सशक्त रचनात्मक साथी 'आर.डी. बर्मन', जिन्हें प्यार से 'पंचम' कहा जाता है। इस अद्वितीय जोड़ी ने न केवल गीतों को नया रूप दिया, बल्कि संगीत की परंपरागत सीमाओं को भी तोड़ डाला। 'पिया तू अब तो आजा' और 'दम मारो दम' जैसे गीतों ने आशा जी को 'कैबरे क्वीन' के रूप में स्थापित कर दिया। उनकी आवाज में जो मादकता, ऊर्जा और आधुनिकता थी, उसने भारतीय संगीत में पश्चिमी प्रभाव को एक नया आयाम दिया। हालांकि 'दम मारो दम' को लेकर उस समय काफी विवाद हुआ। इसे 'अश्लील' कहकर आलोचना झेलनी पड़ी, यहां तक कि ऑल इंडिया रेडियो ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया और दूरदर्शन ने फिल्म से इसे हटा दिया। फिर भी, आशा जी की आवाज ने इस गीत को अमर बना दिया। दिलचस्प यह है कि जहां एक ओर वे कैबरे और पॉप की पहचान बन रही थी, वहीं 'इजाजत' के 'मेरा कुछ सामान' में उन्होंने गहन भावनाओं की ऐसी अभिव्यक्ति दी, जो उनकी असाधारण बहुमुखी प्रतिभा को सिद्ध करती है।

1980 के दशक तक आशा भोंसले को प्रायः चुलबुले, चंचल और आधुनिक गीतों की आवाज के रूप में देखा जाने लगा था, लेकिन इसी धारणा को तोड़ते हुए संगीतकार खय्याम ने उन्हें फिल्म 'उमराव जान' (1981) के लिए चुना। यह एक ऐसा निर्णय था, जिसने इतिहास रच दिया। खय्याम साहब की शर्त भी उतनी ही असाधारण थी, 'आशा, मुझे इन गीतों में तुम्हारी जानी-पहचानी आवाज नहीं चाहिए।' उन्होंने उनसे अपनी आवाज का स्केल लगभग डेढ़ सुर नीचे लाकर गाने को कहा ताकि गजलों में नजाकत और गहराई उतर सके। परिणाम अद्भुत था। 'दिल चीज क्या है' और 'इन आंखों की मस्ती के' जैसे गीतों में आशा जी ने ऐसी संजीदगी, दर्द और अदब का संसार रचा कि हर श्रोता मंत्रमुग्ध हो उठा। यह केवल गायन नहीं, बल्कि भावनाओं की सूक्ष्म अभिव्यक्ति थी। इसी फिल्म ने यह सिद्ध कर दिया कि उनकी प्रतिभा किसी एक शैली तक सीमित नहीं है और इसके लिए उन्हें अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।

संगीत के साथ-साथ उन्हें पाक-कला में भी गहरी रुचि थी और वे एक उत्कृष्ट शेफ के रूप में जानी जाती थीं। उनकी इसी रुचि ने 'आशाज' नाम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रेस्टोरेंट श्रृंखला को जन्म दिया, जो दुनिया के 10 से अधिक देशों में भारतीय स्वाद का परचम लहरा रही है। सम्मानों की दृष्टि से भी उनका सफर उतना ही गौरवशाली रहा। उन्हें वर्ष 2008 में पद्म विभूषण, 2000 में भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के पुरस्कार और 7 फिल्मफेयर पुरस्कारों से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त, सबसे अधिक गीत रिकॉर्ड करने वाली कलाकार के रूप में उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है, जो उनकी अथाह साधना और समर्पण का प्रमाण है। उनके करियर के विभिन्न पड़ाव भी उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाते हैं। आशा भोंसले अपनी मधुर मुस्कान और अमिट उपस्थिति के साथ हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेंगी। अलविदा, सुरों की अमर जादूगरनी!

आर के नारायण के उपन्यास पर बनी कालजयी फिल्म 'गाइड'

फ्लैश बैक

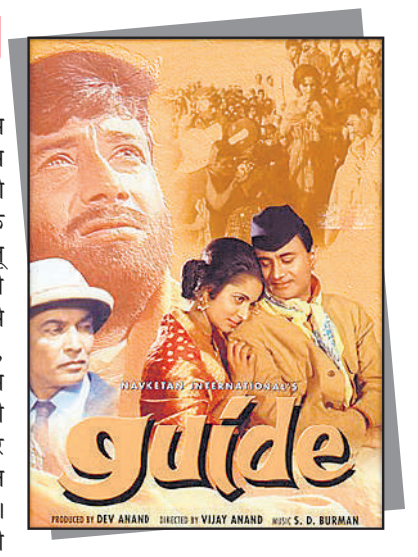

नवकेतन बैनर के तले बनी देव आनंद की फिल्म 'गाइड' 6 दिसंबर 1965 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म को बने 61 साल हो गए हैं। इस फिल्म को भारतीय हिंदी सिनेमा के इतिहास में कल्ट क्लासिक होने का गौरव प्राप्त है। फिल्म में देव आनंद ने राजू नाम के गाइड की भूमिका निभाई थी, जो रोजी (वहिदा रहमान) के प्रति आकर्षित होता है और उसे डांसर बनने के लिए प्रेरित करता है। प्रेम, लालच, पतन और अंततः आत्मज्ञान को दर्शाती यह फिल्म भारतीय रिश्तो के बदलते उतार-चढ़ाव को दिखती है। फिल्म में किशोर साहू, लीला चिटनिस, अनवर हुसैन, गजानन जागीरदार, प्रेम सागर, कृष्ण धवन और उल्लास आदि ने भी विभिन्न भूमिकाएं निभाई हैं।

फिल्म राजू गाइड की कहानी है, जिसकी मुलाकात मार्को और उसकी पत्नी रोजी से होती है। मार्को द्वारा अपेक्षित होने पर राजू रोजी को सहारा देता है और रोजी को नृत्य के प्रति जुनून को पहचानकर उसे प्रसिद्ध नृत्यांगना बनाने में मदद करता है। दोनों के बीच प्यार हो जाता है और समय के साथ दोनों अमीर भी हो जाते हैं, लेकिन राजू के मन में लालच और असुरक्षा की भावना आ जाती है। वह रोजी के जाली दस्तखत कर अपराध करता है और जेल चला जाता है। जेल से छूटने के बाद एक मंदिर में शरण लेता है। गांव वाले उसे साधु समझ लेते हैं। जब गांव में सूखा पड़ता है, तो राजू गांव के लिए उपवास रखता है और अंत में अपने निःस्वार्थ त्याग के माध्यम से जीवन से मुक्ति पा जाता है।

दीपक नौगांई
लेखक, हल्द्वानी

यह फिल्म 'मालगुडी डेज' वाले लेखक आरके नारायण के उपन्यास 'गाइड' पर आधारित थी। आरके नारायण एक जाने-माने लेखक थे और उनकी एक किताब दुनियाभर में तारीफें बटोर रही थी। एक बार किसी ने देव साहब को यह किताब पढ़ने को दी। उन्हें इसकी कहानी अच्छी लगी और उन्होंने इस पर फिल्म बनाने का निर्णय लिया। हालांकि मूल उपन्यास और फिल्म की कहानी में कुछ अंतर भी है। फिल्म में राजू रोजी का प्यार पाने के लिए जतन करता है, लेकिन फिल्म में रोजी पहले से ही अपनी शादी से दुखी है। देव आनंद ने हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में इस फिल्म को बनाने का निर्णय लिया। देव आनंद ने फिल्म के निर्देशन का जिम्मा पहले अपने भाई चेतन आनंद को दिया था। चेतन वहीदा रहमान की जगह फिल्म में लीला नायडू को लेना चाहते थे, क्योंकि वह अच्छी डांसर थी, लेकिन देव साहब इसके लिए तैयार नहीं हुए। फिल्म के शूटिंग के दौरान भी देव आनंद और चेतन आनंद के बीच कुछ मतभेद उभर आए। नतीजन चेतन आनंद ने फिल्म ही छोड़ दी और वह अपनी फिल्म 'हकीकत' बनाने में जुट गए। उसके बाद फिल्म को निर्देशित करने की जिम्मेदारी देव आनंद ने अपने दूसरे भाई विजय आनंद (गोल्डी) को दी। फिल्म ने सफलता के नए प्रतिमान स्थापित किए। पहली बार गाइड में एंटी हीरो की भूमिका की झलक देव आनंद के चरित्र में दिखाई देती है।

फिल्म के गाने लिखने की भी अलग कहानी है। पहले गाने लिखने के लिए हसरत जयपुरी को साइन किया गया था, लेकिन उनके लिखे एक गाने की लाइन देव आनंद को पसंद नहीं आई। उसे बदलने को कहा गया परंतु हसरत ने ऐसा करने से इनकार कर दिया और फिल्म ही छोड़ दी। इसके बाद शैलेंद्र को फिल्म में लिया गया, जिन्होंने फिल्म के सारे गीत लिखे। देव आनंद और वहीदा रहमान पर फिल्माए गीत। 'आज फिर जीने की तमन्ना है' क्लासिक बन गया और सुपरहिट गीतों में शामिल हुआ। फिल्म में गीतों को लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी, किशोर कुमार ,मन्ना डे और एसडी बर्मन ने अपनी आवाजें दी है। फिल्म गाइड बॉक्स ऑफिस का सुपरहिट रही और आज भी बहुत पसंद की जाती है। कई फिल्म फेयर पुरस्कार इस फिल्म को प्राप्त हुए, जिसमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, अभिनेत्री, निर्देशक, लेखक और छायाकार शामिल हैं।

निफा ग्रुप 10 देशों में कारोबार का विस्तार करेगी

कोलकाता। कोलकाता की कंपनी निफा ग्रुप ने अपने कृषि उपकरण कारोबार के विस्तार के लिए 'वनहॉर्न' नाम से नया ब्रांड शुरू किया है। कंपनी भारत के 20 राज्यों के साथ अमेरिका सहित 10 देशों में कारोबार बढ़ाएगी। कंपनी के चेयरमैन महेश चंद्र शाह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में मशीनों का उपयोग और उद्यमिता दोनों को बढ़ना जरूरी है।

अमृत विचार
अयोध्या, सोमवार, 20 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एफपीआई ने अप्रैल में पूंजी बाजार से निकाले 58,403 करोड़ रुपये

मुंबई। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अब तक भारतीय पूंजी बाजार से कुल 58,403 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। शुद्ध निकासी, बाजार में लगायी गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर होता है। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई बाजार में बिकवाल दिख रहे हैं। इससे पहले मार्च में उन्होंने रिकॉर्ड 1,26,991 करोड़ रुपये की निकासी की थी। केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने अप्रैल में अब तक इक्विटी में 43,419 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। डेट और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है, लेकिन म्यूचुअल फंड में उन्होंने शुद्ध रूप से पैसा लगाया है।

आईटीसी लांच करेगी प्रोटीन प्रोडक्ट्स

बेंगलुरु। विविध कारोबार क्षेत्र में कार्यरत कंपनी आईटीसी लिमिटेड के खाद्य प्रभाग के मुख्य कार्यकारी और कार्यकारी निदेशक हेमंत मलिक ने कहा है कि कंपनी स्वास्थ्य और पोषण के तेजी से बढ़ते क्षेत्र में अपनी मौजूदगी मजबूत करने के लिए प्रोटीन युक्त खाद्य उत्पादों पर जोर बढ़ा रही है। मलिक ने कहा कि कंपनी ने अलग-अलग श्रेणियों में प्रोटीन युक्त नए और खास उत्पाद पेश किए हैं। इन उत्पादों को तैयार करने में उपभोक्ताओं की पसंद, नवाचार और बेहतर स्रोत व्यवस्था का उपयोग किया गया है, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई जा सके।

अदाणी की इकाई ने बनाईं तीन कंपनियां

नई दिल्ली। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की अनुषंगी की अनुषंगी इकाई ने तीन पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियों का गठन किया है जो हवाई अड्डा शहर विस्तार रणनीति के तहत होटल और रियल एस्टेट विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगी। अदाणी एयरपोर्ट सिटी लिमिटेड, जो कंपनी की इकाई है, ने अदाणी नवी मुंबई एयरपोर्ट सिटी लिमिटेड, अदाणी गुवाहाटी एयरपोर्ट सिटी लिमिटेड और अदाणी अहमदाबाद एयरपोर्ट सिटी लिमिटेड बनाई हैं। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि नई इकाइयां निर्माण समेत रियल एस्टेट गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। साथ ही एकीकृत रेस्तरां, बैंक्वेट और कारोबारी केंद्र वाले होटल भी बनाएंगी।

एरिक्सन इंडिया का राजस्व 29 % बढ़ा

नई दिल्ली। स्वीडन की दूरसंचार उपकरण निर्माता कंपनी एरिक्सन ने जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मुद्रा आधार पर लगभग 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 4,228 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया है। कंपनी द्वारा जारी वित्तीय आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

एलपीजी में 20% डीएमई मिलाने से हर साल बचेंगे 34,200 करोड़ रुपये

रसोई गैस के आयात में आ सकती है प्रति वर्ष 63 लाख टन की कमी, बचेगी विदेशी मुद्रा

नई दिल्ली, एजेंसी

कोयला गैसीकरण से उत्पादित 20 प्रतिशत डाइमिथाइल ईथर (डीएमई) को रसोई गैस (एलपीजी) के साथ मिलाने से एलपीजी आयात में सालाना लगभग 63 लाख टन की कमी आ सकती है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार इससे प्रति वर्ष लगभग 34,200 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत होगी।

कोयला गैसीकरण की प्रक्रिया में कोयले को सिनगैस में बदला जाता है, जिसे बाद में डीएमई में बदल दिया जाता है। डीएमई एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है, जो आयातित एलपीजी के स्वदेशी विकल्प के रूप में इस्तेमाल होता है। पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने के बाद से भारत को एलपीजी आपूर्ति में आने वाली बाधाओं के मद्देनजर यह रिपोर्ट काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ईवाई-पार्थेनन और घरेलू कोयला गैसीकरण कंपनी न्यू एरा क्लीनटेक सॉल्यूशन लिमिटेड की 'ऊर्जा और रासायनिक सुरक्षा के लिए कोयला गैसीकरण' शीर्षक वाली रिपोर्ट के अनुसार,कोयला गैसीकरण से उत्पादित डीएमई, एलपीजी आयात को आंशिक रूप से प्रतिस्थापित कर सकता है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि 20 प्रतिशत मिश्रण से सालाना लगभग 63 लाख टन एलपीजी आयात कम हो सकता है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) पहले ही भारत में 20 प्रतिशत तक डीएमई-एलपीजी मिश्रण की अनुमति देने वाले मानकों को अधिसूचित कर चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, डीएमई स्वच्छ ईंधन के एक विकल्प के रूप में उभर रहा है।

फिलहाल भारत में पायलट स्तर पर ही डीएमई उत्पादन किया जा रहा है। न्यू एरा क्लीनटेक के प्रबंध निदेशक बालासाहेब दराडे ने कहा कि निवेश को आकर्षित करने और घरेलू डीएमई उत्पादन को बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट मिश्रण नीति महत्वपूर्ण होगी।

● न्यू एरा क्लीनटेक सॉल्यूशन ने जारी की 'ऊर्जा और रासायनिक सुरक्षा के लिए कोयला गैसीकरण' पर रिपोर्ट

मार्च में 13 प्रतिशत घटी एलपीजी की खपत

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया संघर्ष से जुड़ी आपूर्ति दिक्कतों की वजह से भारत में एलपीजी की खपत में मार्च में 13 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे घरों की रसोई और वाणिज्यिक ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्धता पर असर पड़ा है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। मार्च में एलपीजी की खपत 23.79 लाख टन रही है, जो पिछले साल की इसी अवधि के आंकड़े 27.29 लाख टन से 12.8 प्रतिशत कम है। भारत अपनी एलपीजी जरूरत का 60 प्रतिशत आयात से पूरा करता है। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक, मार्च में घरेलू को एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति 8.1 प्रतिशत घटकर 22.19 लाख टन रह गई, जबकि गैर-घरेलू उपयोगकर्ताओं को एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में 48 प्रतिशत की कमी आई।

सिनगैस क्या है और कैसे बनती है

सिनगैस, जिसका पूरा नाम सिंथेसिस गैस है, एक उपयोगी गैस मिश्रण होता है जिसमें मुख्यत: कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) और हाइड्रोजन (H) शामिल होते हैं। यह ऊर्जा उत्पादन और रसायन बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। सिनगैस आमतौर पर कोयला, प्राकृतिक गैस, बायोमास (जैसे लकड़ी या कृषि अवशेष) या कचरे से बनाई जाती है। इसे बनाने की प्रक्रिया को गैसीकरण (Gasification) कहा जाता है। इस प्रक्रिया में इन पदार्थों को बहुत उच्च तापमान (700–1500C) पर सीमित ऑक्सीजन या भाप की उपस्थिति में गर्म किया जाता है। इससे ठोस या तरल ईंधन गैस में बदल जाता है और CO व H का मिश्रण बनता है। इस गैस का उपयोग बिजली बनाने, ईंधन (जैसे मेथनॉल, डीज़ल) तैयार करने और उर्वरक उद्योग में किया जाता है। इस तरह सिनगैस ऊर्जा और उद्योग के लिए एक बहुपयोगी संसाधन है।

प. एशिया तनाव, तेल कीमतें और कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली, एजेंसी

इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा तय करने में अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतें और कंपनियों के तिमाही नतीजे प्रमुख भूमिका निभाएंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री गतिविधियां भी बाजार के रुख को प्रभावित करेंगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा कि अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर खास नजर बनी रहेगी, क्योंकि इसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा पर पड़ता है।

सबसे बड़े निजीबैंक एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को जनवरी- मार्च तिमाही के परिणामों की घोषणा की। एचडीएफसी बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 8.04 प्रतिशत बढ़कर 20,350.76 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, बैंक ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण छोटे कारोबारियों के लिए निकट भविष्य में जोखिम की चेतावनी भी दी।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा कि आने वाले सप्ताह में बड़ी संख्या में कंपनियों के तिमाही नतीजे बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 943.29 अंक या 1.21 प्रतिशत बढ़ा, और एनएसई का निफ्टी 302.95 अंक या 1.25 प्रतिशत चढ़ा। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि निवेशकों का ध्यान अमेरिका-ईरान वार्ता की दिशा पर रहेगा। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार स्थिरता या और कमी शेयर बाजार के लिए सकारात्मक साबित हो सकती है।

1.87 लाख करोड़ रुपये बढ़ी शीर्ष 8 कंपनियों की पूंजी, एयरटेल को सबसे अधिक लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के बावजूद शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ का कुल बाजार पूंजीकरण 1,87,497.45 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें भारती एयरटेल सबसे अधिक लाभ में रही। पिछले सप्ताह, बीएसई सेंसेक्स 943.29 अंक या 1.21 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी में 302.95 अंक या 1.25 प्रतिशत की तेजी हुई। शीर्ष 10 कंपनियों में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन सबसे अधिक 58,831.52 करोड़ रुपये बढ़कर 11,25,125.21 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 27,608.62 करोड़ रुपये बढ़कर 5,32,691.31 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने बाजार मूल्यांकन में 20,731.64 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका कुल मूल्यांकन 9,34,063.56 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 20,231.05 करोड़ रुपये बढ़कर 18,47,317.84 करोड़ रुपये और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का मूल्यांकन 18,577.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,63,314.50 करोड़ रुपये हो गया।

हालांकि, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 16,163.04 करोड़ रुपये घटकर 12,31,315.53 करोड़ रुपये रह गया। बजाज फाइनेंस के मूल्यांकन में भी 9,769.3 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 5,65,437.17 करोड़ रुपये पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस और एलआईसी का स्थान रहा।

प्रगति के लिए नवोन्मेषण और शिक्षा जरूरी : सैमसंग

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग का मानना है कि भारत में नवोन्मेषण और शिक्षा प्रगति को सक्षम बनाने के साथ-साथ समावेशन के लिए उत्प्रेरक का काम करते हैं। कंपनी के दक्षिण-पश्चिम एशिया के कॉरपोरेट उपाध्यक्ष एस पी चुन ने यह बात कही है। कंपनी ने वर्ष 2025-26 के लिए अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत फंड को बढ़ाकर 193.89 करोड़ रुपये कर दिया है, जो 2024-25 में 144.48 करोड़ रुपये थी। सैमसंग इंडिया के ''सिटीजनशिप'' कार्यक्रम से अब तक 15 लाख लोग लाभान्वित हुए हैं। चुन ने बयान में कहा कि भारत में तीन दशक पूरे होने के साथ हम नवोन्मेषण और शिक्षा को प्रगति और समावेशन के लिए उत्प्रेरक मानते हैं। कहा कि हम युवा नवोन्मेषकों की ऐसी पीढ़ी तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिनमें कौशल, रचनात्मकता और सहयोग की भावना हो, ताकि वे जटिल सामाजिक चुनौतियों का समाधान कर सकें।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर वार्ता आज से

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर तीन दिन की वार्ता के लिए भारत के लगभग एक दर्जन अधिकारी 20 अप्रैल को वाशिंगटन पहुंचेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि चूंकि अमेरिका में शुल्क ढांचा बदल गया है, इसलिए दोनों पक्ष उस समझौते पर फिर से विचार कर सकते हैं, जिसका मसौदा सात फरवरी को जारी किया गया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर लगाए गए व्यापक शुल्क के खिलाफ अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिन के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। अधिकारी ने कहा कि बैठक 20-22 अप्रैल तक वाशिंगटन डीसी में होगी। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। सीमा शुल्क और विदेश मंत्रालय के अधिकारी भी भारतीय दल का हिस्सा हैं। इसके अलावा, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि द्वारा शुरू की गई जांच पर चर्चा हो सकती है।

लोन गारंटर बनने के बड़े खतरे ...

निवेश की पाठशाला

कारोबार डेस्क

किसी लोन का गारंटर बनना सिर्फ गवाही नहीं, बल्कि कानूनी जिम्मेदारी है यानी कानूनी तौर पर कर्ज आपके सिर पर आ जाता है। यदि कर्जदार चूक जाता है, तो बैंक लोन की वसूली आपसे करेगा। आपकी जमा पूंजी या संपत्ति भी जोखिम में हैं। किस्त चुकने में छोटी देर भी आपके क्रेडिट स्कोर को नुकसान पहुंचा सकती है और भविष्य में स्वयं को लोन मिलना कठिन हो सकता है। आइए समझते हैं गारंटर बनने के बाद आपके सामने क्या चुनौतियां आ सकती हैं-

लाभ किसी का, जिम्मेदारी आपकी

● किसी व्यक्ति के लोन यानी कर्ज का गारंटर बनने का सीधा अर्थ है कि यदि कर्ज लेने वाला व्यक्ति ऋण चुकाने में किसी कारण विफल रहता है तो उस पूरे कजर् की वसूली बैंक आपसे करने के लिए अधिकृत है। बैंक को इससे कोई सरोकार नहीं कि लोन का पैसा आपने इस्तेमाल किया है या नहीं। यदि कर्जदार भाग गया या मुकर गया, तो बैंक आपका दरवाज खटखटाएगा। आपका वेतन, पेंशन, जमा पूंजी और यहां तक कि अचल संपत्ति भी इस वसूली की चपेट में आ सकती है।

ध्यान दें

● **बहुत क्रेडिट स्कोर पर प्रहार :** अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि यदि मुख्य कर्जदार किस्त चुकाने में एक दिन की भी देरी करता है, तो उसका बुरा असर आपके क्रेडिट प्रोफाइल पर भी पड़ता है।

● **भविष्य के रास्ते बंद :** यदि कभी आपको स्वयं किसी काम के लिए धन की आवश्यकता पड़ी, तो बैंक आपको ऋण देने से मना कर सकता है, क्योंकि आप पहले ही किसी और के द्वारा लिए गये कर्ज के लिए उत्तरदायी हैं।

● **साख में गिरावट :** कर्जदार की एक चूक आपके वर्षों से बनाए गए वित्तीय सम्मान को मिट्टी में मिला सकती है।

● **कानूनी पचड़े और मानसिक तनाव :** हम सबको जीवन में शांति और अच्छे स्वास्थ्य की जरूरत होती है। लेकिन जब कोई लोन डिफाल्ट होता है तो अदालती नोटिस और वसूली एजेंटों के चक्कर आपको मानसिक रूप से तोड़ सकते हैं।

कानूनी कार्रवाई और रिश्ते

● **कानूनी कार्रवाई :** कर्ज देने वाला बैंक कर्जदार के साथ आपके विरुद्ध भी मुकदमा चला सकता है।

● **रिश्तों में खटास :** रिश्तों के बीच जब पैसे का लेनदेन आ जाता है तो रिश्ते बिगड़ने का अंदेशा रहता है। अगर मामला कर्ज का हो तो जिस अपने की मदद के लिए आप गारंटर बने थे, वही व्यक्ति आपका सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

इमरजेंसी फंड पर संकट

● हम सभी अपने कठिन समय, बीमारियों और आकस्मिक खर्चे के लिए एक इमरजेंसी फंड बनाकर रखते हैं। लेकिन यदि पूंजी का बड़ा हिस्सा किसी और का कर्ज चुकाने में चला गया, तो आप अपने उपचार और अन्य किसी आपात स्थिति के लिए दूसरों पर निर्भर हो सकते हैं।

काम की बात

● नियम-शर्तों को समझकर ही गारंटर बनें। बल्कि गारंटर बनने के बजाय कर्जदार को बीमा कराने की सलाह दें, ताकि उसकी अनुपस्थिति में बीमा कंपनी कर्ज का बोझ उठाए।

● मदद करना धर्म है, लेकिन यदि आपका मन गवाही नहीं दे रहा, तो विनम्रता से 'ना' कहें।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

घुसपैठियों के लिए उन्हीं की सरकार बनाना चाहती हैं ममता बनर्जी : मोदी

झाड़ग्राम (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को राज्य की पहचान बचाने की लड़ाई बताया। उन्होंने राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर ऐसी राजनीति करने का रविवार को आरोप लगाया जो मूल निवासियों के बजाय 'घुसपैठियों' का समर्थन करती है। मोदी ने आदिवासी बहुल झाड़ग्राम जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों के लिए, घुसपैठियों की सरकार' बनाना चाहती है। उन्होंने मतदाताओं से इसे सत्ता से हटाने को एकजुट होने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव इस भूमि की समृद्ध विरासत को बचाने के लिए है... यह बंगाल की पहचान को बचाने के लिए है। आज बंगाल को अपनी पहचान खोने का डर है। तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों की सरकार'बनाना चाहती है। एक ऐसी सरकार जो बंगाल की जनता के धर्म, भाषा और रीति-रिवाजों के बजाय केवल घुसपैठियों के धर्म, भाषा और रीति-रिवाजों की रक्षा करेगी। मोदी ने दावा किया कि ऐसी सरकार के लिए सबसे बड़ी बाधा पश्चिम बंगाल के आम लोग होंगे।

ममता ने कांग्रेस के साथ साजिश रचकर महिलाओं से किया विश्वासघात : नबीन

बलूरघाट (प. बंगाल), एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षण के कार्यान्वयन में आई बाधा के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों को जिम्मेदार ठहराया। बलूरघाट में भाजपा उम्मीदवार बिद्युत रॉय के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि बंगाल से घुसपैठियों को बाहर निकालने, जनसांख्यिकीय परिवर्तन को रोकने और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से हटाना आवश्यक हो गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि महिला होने के बावजूद, ममता बनर्जी ने कांग्रेस जैसी पार्टियों के साथ मिलकर बंगाल की महिलाओं के साथ विश्वासघात किया ताकि लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित संशोधन विधेयक पारित न हो सके। भाजपा अध्यक्ष ने राज्य की महिला मतदाताओं से तृणमूल कांग्रेस को सबक सिखाने का आह्वान करते हुए दावा किया कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है।

विस चुनाव : निर्वाचन आयोग ने की 11 हजार गैर कानूनी सोशल मीडिया पोस्ट के खिलाफ कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने रविवार को कहा कि उसने पांच विधानसभा चुनाव के लिए जारी प्रक्रिया से संबंधित करीब 11,000 'गैरकानूनी' सोशल मीडिया पोस्ट और अन्य सामग्री के खिलाफ कार्रवाई की है। असम, केरल और पुडुचेरी विधानसभा के लिए पहले ही मतदान हो चुका है जबकि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव इस महीने के अंत में चुनाव होंगे। निर्वाचन आयोग ने अपने निर्देश में कहा है कि सोशल मीडिया पर कृत्रिम मेधा (एआई) द्वारा सृजित या हेरफेर की गई किसी भी भ्रामक या गैरकानूनी सामग्री की जानकारी मिलते ही तीन घंटे के भीतर कार्रवाई की जानी चाहिए। राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और अभियान प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि प्रचार के लिए उपयोग की जाने वाली किसी भी कृत्रिम रूप से निर्मित या एआई-जनित सामग्री को स्पष्ट रूप से एआई-जनित, 'डिजिटल रूप से उन्नयन किया गया' या 'कृत्रिम सामग्री' के रूप में लेबल किया जाए, साथ ही मूल संस्था का खुलासा भी किया जाए, ताकि पारदर्शिता और मतदाताओं का विश्वास बना रहे।

राजनीतिक प्रचार के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रहे प्रधानमंत्री : ममता

तारकेश्वर(प.बंगाल), एजेंसी

पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करतीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर राजनीतिक प्रचार के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी ने हुगली जिले के तारकेश्वर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक के संबंध में राष्ट्र को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए अवैध तरीके से प्रचार किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री पर आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने (भाजपा ने) कल सरकारी तंत्र का दुरुपयोग राजनीतिक प्रचार के लिए किया।

हम इसकी निंदा करते हैं और निर्वाचन आयोग में शिकायत कराएंगे। वर्ष 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने संबंधी विधेयक के संसद के निचले सदन में पारित नहीं होने के बाद प्रधानमंत्री ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को चेतावनी दी कि भारत की महिलाएं उन्हें भ्रूण हत्या के पाप के लिए कड़ी सजा देंगी। बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री को जनता को जवाब देना होगा कि आप अपनी पार्टी के लिए अवैध प्रचार कर रहे हैं।

टीवीके ने एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार को दिया समर्थन

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय ने अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) के उम्मीदवार एम. अरुण कुमार का एडापडी विधानसभा क्षेत्र से नामांकन रद्द होने के बाद ऐलान करते हुए कहा कि उनकी पार्टी इस सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के. प्रेमकुमार का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि मैं एडापडी विधानसभा क्षेत्र के लोगों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। प्रेमकुमार बतौर एक निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। हममें से ही एक हैं और पहले हमारे फैन क्लब में काम कर चुके हैं। श्री विजय ने मतदाताओं से अपील की कि वे इस विधानसभा क्षेत्र में श्री प्रेमकुमार को उनकी पार्टी टीवीके के उम्मीदवार के तौर पर ही देखें।

निर्वाचन आयोग ने जोड़े सात लाख नए मतदाता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में लगभग सात लाख नए मतदाता जोड़े गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग ने हालांकि नए जोड़े वोटरों आयु या अन्य जानकारी साझा नहीं की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि इन नए मतदाताओं में से लगभग 3.22 लाख मतदाता पहले चरण में वोट करेंगे, जबकि शेष लगभग 3.88 लाख वोटर दूसरे चरण में मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत -बरवॉं, वि.ख. - ठेकमा, आजमगढ़

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंचम राज्य वित्त / 15वाँ केन्द्रीय वित्त / षष्ट्म राज्य वित्त/16वाँ केन्द्रीय वित्त / VBGRAMG / SLWM / ओ०डी०एफ० प्लस / सांसद निधि / विधायक / एम०एल०सी० निधि, सामुदायिक शौचालय, आपरेशन कायाकल्प पंचायत भवन, मिनी स्टेडियम, विवाह घर, आगनबाड़ी केन्द्र, अन्त्योष्टि स्थल, खडन्ज़ा, नाली, इण्टरलाकिंग रोड, आर०सी०सी० टीनशेड, सीमेंट बेंच, लीचपीट, हैण्डपम्प प्लेट फार्म मरम्मत निर्माण सामाग्री, कम्पोस्ट पिट, नापैड, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, शोक पिट, सिल्ट चैम्बर, यू-टाइप नाली के निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत, सामुदायिक शौचालय मरम्मत व अन्य कार्य सरकारी भवनों पर फारसेलिंग हेतु प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कराये जाने वाले कार्यो की निर्माण सामाग्री, जैसे-ईट, बालू, सरिया, ह्यूमपाइप, डाला गिट्टी, मिट्टी ढुलाई, हैण्डपम्प मरम्मत / रिबोर हेतु स्पेयर पार्टस, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हाईमास्क लाइट, डस्टबिन, सफाई कर्मी किट, टाइल्स, इण्टरलाकिंग ईट, फ्लैक्स बोर्ड, विद्युतीकरण समान, प्रशासनिक मद्, व्हील चेयर, इर्न्वटर बैट्ररी, सी०सी० कैमरा, कम्प्यूटर, स्टेशनरी, ई-रिक्शा, फागिंग मशीन, ठेला गाड़ी, रंगाई, पुताई, सौन्दर्यीकरण सामग्री, प्लम्बर एवं सफाई किट की सामाग्री, पंचायत भवन पर सांमाग्री, कुर्सी मेज, आर०ओ० प्लान्ट व अन्य इत्यादि योजनान्तर्गत कराये जाने वाले कार्य की आपूर्ति कार्यस्थल पर कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक आपूर्तिकर्ता/फर्म दिनांक 20.04.2026 से दिनांक 25.04.2026 समय दोपहर 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी अपनी दरें तथा वांछित संलग्न बन्द लिफाफे में ग्राम - पंचायत कार्यालय में जमा कर सकते हैं। निविदा दिनांक 25.04.2026 को सायं 04.00 बजे के बाद ग्राम पंचायत के कार्यालय पर खोली जायेगी।

बविता चौहान - ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत - बरवॉं
विकास खण्ड- ठेकमा, आजमगढ़

ओम प्रकाश सिंह - सचिव
ग्राम पंचायत - बरवॉं
विकास खण्ड- ठेकमा, आजमगढ़

पत्रांक-मेमो/2026-27/ दिनांक- 19.04.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत -बहादुरपुर, वि.ख. - ठेकमा, आजमगढ़

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंचम राज्य वित्त / 15वाँ केन्द्रीय वित्त / षष्ट्म राज्य वित्त/16वाँ केन्द्रीय वित्त / VBGRAMG / SLWM / ओ०डी०एफ० प्लस / सांसद निधि / विधायक / एम०एल०सी० निधि, सामुदायिक शौचालय, आपरेशन कायाकल्प पंचायत भवन, मिनी स्टेडियम, विवाह घर, आगनबाड़ी केन्द्र, अन्त्योष्टि स्थल, खडन्ज़ा, नाली, इण्टरलाकिंग रोड, आर०सी०सी० टीनशेड, सीमेंट बेंच, लीचपीट, हैण्डपम्प प्लेट फार्म मरम्मत निर्माण सामाग्री, कम्पोस्ट पिट, नापैड, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, शोक पिट, सिल्ट चैम्बर, यू-टाइप नाली के निर्माण, पंचायत भवन मरम्मत, सामुदायिक शौचालय मरम्मत व अन्य कार्य सरकारी भवनों पर फारसेलिंग हेतु प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कराये जाने वाले कार्यो की निर्माण सामाग्री, जैसे-ईट, बालू, सरिया, ह्यूमपाइप, डाला गिट्टी, मिट्टी ढुलाई, हैण्डपम्प मरम्मत / रिबोर हेतु स्पेयर पार्टस, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हाईमास्क लाइट, डस्टबिन, सफाई कर्मी किट, टाइल्स, इण्टरलाकिंग ईट, फ्लैक्स बोर्ड, विद्युतीकरण समान, प्रशासनिक मद्, व्हील चेयर, इर्न्वटर बैट्ररी, सी०सी० कैमरा, कम्प्यूटर, स्टेशनरी, ई-रिक्शा, फागिंग मशीन, ठेला गाड़ी, रंगाई, पुताई, सौन्दर्यीकरण सामग्री, प्लम्बर एवं सफाई किट की सामाग्री, पंचायत भवन पर सांमाग्री, कुर्सी मेज, आर०ओ० प्लान्ट व अन्य इत्यादि योजनान्तर्गत कराये जाने वाले कार्य की आपूर्ति कार्यस्थल पर कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक आपूर्तिकर्ता/फर्म दिनांक 20.04.2026 से दिनांक 25.04.2026 समय दोपहर 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी अपनी दरें तथा वांछित संलग्न बन्द लिफाफे में ग्राम - पंचायत कार्यालय में जमा कर सकते हैं। निविदा दिनांक 25.04.2026 को सायं 04.00 बजे के बाद ग्राम पंचायत के कार्यालय पर खोली जायेगी।

संजय यादव - ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत - बहादुरपुर
विकास खण्ड- ठेकमा, आजमगढ़

ओम प्रकाश सिंह - सचिव
ग्राम पंचायत - बहादुरपुर
विकास खण्ड- ठेकमा, आजमगढ़

पत्रांक-मेमो/2026-27/ दिनांक- 19.04.2026

वर्ल्ड ब्रीफ

संडाकन के कम्पुंग बहागिया में भीषण आग 8,000 लोग विस्थापित

संडाकन/कुआलालंपुर। मलेशिया के संडाकन स्थित कम्पुंग बहागिया इलाके में रविवार तड़के हुई दुर्घटना के कारण भीषण आग लग गई जिससे 200 घर जलकर नष्ट हो गए और लगभग 8,000 लोग विस्थापित हो गए। गांव प्रमुख शरीफ हाशिम शरीफ इतिंग ने बताया कि आग करीब 1:30 बजे ब्रिज ए स्थित एक घर में लगी, जब खाना बनाते समय गैस चूल्हे की आग भड़क उठी। दमकल के पहुंचने से पहले आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैल गई। उन्होंने बताया कि घनी आबादी, पास-पास बने लकड़ी के मकानों कारण हालात और बिगड़ गए।

इजराइल को कोई पसंद करे न करे, वह हमारा सहयोगी : ट्रंप

मॉस्को। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इजराइल ने खुद को अमेरिका का एक महान सहयोगी साबित किया है। ट्रंप ने ट्रूथसोशल पर कहा, चाहे लोग इजराइल को पसंद करें या न करें, उसने अमेरिका का एक महान सहयोगी साबित किया है। उन्होंने कहा कि इजराइल जीतना जानता है, ऐसे कुछ लोगों के विपरीत जिन्होंने संघर्ष और तनाव के दौरान असली रंग दिखाया है। ट्रंप ने यह टिप्पणी उस बयान के बाद की है जिसमें उन्होंने इजराइल पर लेबनान पर बमबारी पर रोक लगाई थी।

राजस्थान में भीषण गर्मी, कोटा में पारा 42.1 डिग्री सेल्सियस

जयपुर। राजस्थान में रविवार को भीषण गर्मी रही और कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार कोटा में राज्य का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चूरू और चित्तौड़गढ़ में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि पिलानी में 41.7 डिग्री, टोंक में 41.6 डिग्री और अलवर में 41.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बाड़मेर में 41.4 डिग्री, बीकानेर में 41 डिग्री और जयपुर में 40 .5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

मोटर साइकिल के तारबंदी से टकराने से दो युवकों की मौत

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर के झिनझिनयाली थाना क्षेत्र में शनिवार शाम सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गयी। थाना प्रभारी सुमेर सिंह ने रविवार को बताया कि बाड़मेर जिले के रामसर थाना क्षेत्र के रेडाणा निवासी चंदा राम मेघवाल और कंवराराम मेघवाल काम के सिलसिले में मोटर साइकिल से जैसलमेर जिले के झिझनियाली आये थे। शनिवार शाम दोनों अपने गांव रेडाणा लौट रहे थे। निंबली फाटा के पास उनकी तेज रफ्तार बाइक अचानक बेकाबू होकर ट्यूबवेल की तारबंदी में जा घुसी।

वार्ता से पहले ईरान के कड़े तेवर, कहा- किसी हाल में नहीं सौंपेंगे अपना संवर्धित यूरेनियम

ट्रंप प्रशासन पर लगाया अतिवादी मांगें थोपने का आरोप, कहा- अब सीधी वार्ता में भी दिलचस्पी नहीं

अंताल्या (तुर्किये), एजेंसी

पश्चिम एशिया में शांति के लिए दूसरे दौर की वार्ता शुरू होने से पहले ईरान ने अमेरिका के खिलाफ तीखी टिप्पणियां करते हुए साफ कर दिया है कि वह किसी भी हालत में उसकी धमकियों के दबाव में नहीं आएगा। ईरान के उप विदेशमंत्री सईद खतीबजादेह ने रविवार को यहां तक कहा कि ईरान फिलहाल अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ सीधी बातचीत का एक नया दौर शुरू करने का इच्छुक नहीं है क्योंकि प्रमुख मुद्दों पर वाशिंगटन अपनी अतिवादी मांगों को छोड़ने से इन्कार कर रहा है। खतीबजादेह ने ट्रंप के दावों को खारिज करते हुए यह भी साफ किया है कि ईरान किसी हालत में अपना संवर्धित यूरेनियम अमेरिका को नहीं सौंपेगा।

तुर्किये में एक राजनयिक मंच के कार्यक्रम में पहुंचे ईरानी उप विदेशमंत्री ने कहा, किसी भी हालत में संवर्धित यूरेनियम अमेरिका नहीं भेजा जाएगा। यह बिल्कुल अस्वीकार्य है। ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया था कि अमेरिका ईरान में घुसकर सारी परमाणु सामग्री हासिल कर लेगा। उनका इशारा पिछले साल अमेरिकी सैन्य हमलों से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए परमाणु केंद्रों में दबे 440 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम की ओर था। खतीबजादेह ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच संदेशों का कई बार आदान-प्रदान हुआ है। लेकिन अमेरिका उन मांगों पर अड़ा हुआ है जिन्हें ईरान अतिवादी मानता है।

उन्होंने कहा कि ईरान आमने-सामने की बैठक से पहले एक समझौते ढांचे को अंतिम रूप देना चाहता है। खतीबजादेह से जब पूछा गया कि क्या ईरान युद्धविराम के बावजूद लेबनान पर इजराइल द्वारा नए सिरे से किए गए हमलों का जवाब देगा तो उन्होंने कहा, ईरान के पास हमलावरों को हमेशा के लिए रोकने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत के तहत होर्मुज के लिए एक नई नियमावली' लागू की जाएगी और यह सभी असैन्य जहाजों के आवागमन के लिए खुला और सुरक्षित रहेगा।

गालिबफ का एलान- ईरानी सेना युद्ध के लिए तैयार

मॉस्को। ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने कहा कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच जारी बातचीत के बावजूद ईरान के सशस्त्र बल पूरी तरह युद्ध के लिए तैयार हैं। गालिबफ ने कहा, हमें दुश्मन पर भरोसा नहीं है। अभी भी जब हम यहां बैठे हैं, युद्ध छिड़ सकता है। सशस्त्र बल जमीन पर पूरी तरह तैयार हैं। संसद अध्यक्ष ने इस बात से इन्कार किया कि बातचीत के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति लापरवाही हो सकती है।

अमेरिका की हैसियत क्या है जो परमाणु कार्यक्रम के वैध अधिकार से वंचित कर सके: पेजेशकियान

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वह ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम के अविभाज्य अधिकार को छीनने की स्थिति में नहीं हैं। पेजेशकियान ने एक बयान में कहा कि अमेरिका यह कहता है कि ईरान अपने परमाणु अधिकारों का उपयोग न करे, लेकिन यह नहीं बताता कि किस अपराध के लिए। आखिर दुनिया में उसकी क्या हैसियत है कि वह किसी राष्ट्र को उसके वैधानिक अधिकारों से वंचित कर सके। पेजेशकियान ने मानवाधिकार संगठनों और संयुक्त राष्ट्र की भी आलोचना की। आरोप लगाया कि वे अमेरिका और इजराइल के हमलों पर चुप हैं, जिनमें वैज्ञानिकों की हत्या की गई और नागरिक क्षेत्रों तथा रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया। पेजेशकियान ने कहा कि ईरान ने कभी युद्ध की शुरुआत नहीं की है। हम शांतिप्रिय हैं और जो कर रहे हैं वह वैध आत्मरक्षा है। उन्होंने ईरान के सशस्त्र बलों की सराहना करते हुए कहा कि ईरान ने व्यापक समर्थन प्राप्त महाशक्तियों के खिलाफ भी मजबूती से खड़े होने की क्षमता दिखाई।

यूरोपीय संघ को भी ईरान की झिड़की..

ईरानियों पर अत्याचार की अनदेखी करने वाले अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का वास्ता न दें

मॉस्को। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन की स्थिति को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन की यूरोपीय संघ की अपील को खारिज करते हुए इसे चरम पाखंड बताया। बगाई यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास की उस पोस्ट पर टिप्पणी कर रहे थे, जिसमें उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का हवाला देते हुए ईरान से होर्मुज से जहाजों के बिना शुल्क और टोल मुक्त आवागमन सुनिश्चित करने का आह्वान किया था। बगाई इसके जवाब में एक्स पर कहा, अरे, वो अंतर्राष्ट्रीय कानून ! वही कानून जिसका हवाला देकर यूरोपीय संघ दूसरों को उपदेश देता है जबकि चुपचाप अमेरिका-इजराइल के आक्रामक युद्ध को हरी झंडी देता है और ईरानियों पर हो रहे अत्याचारों को अनदेखा करता है! उपदेश देना बंद करो। यूरोप की अपने उपदेशों पर अमल न करने की आदत ने उसके अंतर्राष्ट्रीय कानून के वादों को पाखंड की पराकाष्ठा में बदल दिया है।

ट्रंप को क्यूबा का भी दोटूक जवाब- हम जंग से नहीं डरते

हवाना। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज कानेल ने कहा है कि अगर अमेरिका ने उनके देश के खिलाफ कोई अवैध आक्रामक कदम उठाया तो क्यूबा अपनी रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि क्यूबा ऐसा मुल्क नहीं है जो जंग चाहता है या उसे बढ़ावा देता है, लेकिन अगर अपनी जमीन की रक्षा के लिए युद्ध लड़ना पड़ा तो वह इससे डरता भी नहीं। उन्होंने कहा, जब से अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकियां बढ़ी हैं, तबसे क्यूबा सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा को शीर्ष प्राथमिकता बना लिया है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य घटनाक्रमों के संदर्भ में कहा था कि वहां काम खत्म करने के बाद हम क्यूबा का रुख कर सकते हैं। क्यूबा पिछले छह दशकों से अधिक समय से अमानवीय अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून के मौलिक सिद्धांतों का घोर उल्लंघन माना जाता है।

पाकिस्तान के आतंकी चेहरे से मुखौटा हटाएगा भारत

वाशिंगटन, एजेंसी

- **कैपिटल हिल में प्रदर्शनी आयोजित कर दुनिया में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को करेगा उजागर**

अमेरिका में भारतीय दूतावास पहलगाम में आतंकवादी हमले का एक वर्ष पूरा होने पर मंगलवार को अमेरिकी संसद परिसर कैपिटल हिल में एक प्रदर्शनी आयोजित करेगा जिसमें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को उजागर किया जाएगा। द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म (आतंकवाद की मानवीय कीमत) नाम की इस प्रदर्शनी का उद्घाटन अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा करेंगे।

यह प्रदर्शनी ऐसे समय में आयोजित की जा रही है जब पाकिस्तान 28 फरवरी को शुरू हुए अमेरिका-ईरान युद्ध में खुद को शांति स्थापित कराने वाले देश के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान स्थित संगठनों से जुड़े आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में पर्यटकों पर गोलीबारी की थी जिसमें 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई थी। इस हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने पिछले साल जुलाई में भी संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में इसी तरह की एक प्रदर्शनी आयोजित की थी। उस समय पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभाली थी।

कैपिटल हिल में आयोजित की जाने वाली डिजिटल प्रदर्शनी में दुनिया भर में हुए भीषण आतंकवादी हमलों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिनमें 1993 में मुंबई में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोट, 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले और पहलगाम आतंकवादी हमले को भी दिखाया जाएगा। इसमें प्रत्येक हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी संगठनों के नाम भी प्रदर्शित किए जाएंगे, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा जैसे पाकिस्तान स्थित कई संगठन एवं आतंकवादी शामिल हैं।

कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे दिनेश त्रिवेदी बन सकते हैं बांग्लादेश में भारत के नए उच्चायुक्त

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के अनुभवी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी बांग्लादेश में भारत के अगले उच्चायुक्त बनाए जा सकते हैं।

बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त रहे प्रणय वर्मा को बेल्जियम और यूरोपीय संघ के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है। माना जा रहा है कि बांग्लादेश में नई सरकार बनने के बाद द्विपक्षीय संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए भारत ढाका में राजनयिक पद पर किसी राजनीतिक हस्ती को नियुक्त करने पर विचार कर रहा है। 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में खटास आ गई थी।

इटली में गुरुद्वारे से निकल रहे दो भारतीयों की गोली मारकर हत्या

रोम, एजेंसी

- **ताबड़तोड़ गोलियां चलाने के बाद अपनी कार में बैठकर फरार हुआ हमलावर**

इटली में बर्गामो प्रांत के कोवो में दो भारतीयों की उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वे एक गुरुद्वारे से बाहर निकल रहे थे। यह गुरुद्वारा एक गोदाम में था जिसका इस्तेमाल पूजा स्थल के रूप में किया जा रहा था।

खबरों के मुताबिक, यह हमला शुक्रवार को मध्यरात्रि से कुछ देर पहले शहर के औद्योगिक क्षेत्र में गुरुद्वारा माता साहिब कौर जी के सामने स्थित चौक में हुआ। मृतकों की पहचान कोवो निवासी 48 वर्षीय रागिंदर सिंह और एग्नाडेलो निवासी 48 वर्षीय गुरमीत सिंह के रूप में हुई है। खबर के अनुसार, हमलावर इन लोगों के पास पहुंचा, उसने गोलियां चलाईं और फिर कार में बैठकर फरार हो गया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, अचानक झड़प के बाद हत्या किए जाने की संभावना को खारिज किया गया है।

घटनास्थल पर जांच करती कोवो शहर की पुलिस।

घटनास्थल से लगभग 10 कारतूस बरामद किए गए हैं और अधिकारी सुनियोजित हत्या की संभावना को ध्यान में रखकर जांच कर रहे हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि गोली चलाने वाला भी एक भारतीय था जो अक्सर गुरुद्वारे में आता-जाता था।

उ. कोरिया ने समुद्र की ओर कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के भारत रवाना होने से ऐन पहले किया प्रक्षेपण

सियोल, एजेंसी

उत्तर कोरिया ने रविवार को समुद्र की ओर कम दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ये प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के भारत और वियतनाम की यात्रा के लिए रवाना होने से कुछ घंटे पहले किए गए। उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षणों पर जापान और दक्षिण कोरिया ने कड़ी आपत्ति जताई है। दक्षिण कोरिया ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक में भी इन परीक्षणों पर चिंता जताई है।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के मुताबिक उत्तर कोरिया के सिनपो क्षेत्र से दागी गईं ये मिसाइलें देश के पूर्वी समुद्री क्षेत्र की दिशा में करीब 140 किलोमीटर (87 मील) तक गईं। जेसीएस ने कहा कि उत्तर कोरिया की उकसाने वाली हर प्रकार की कार्रवाई का जवाब देने के लिए दक्षिण कोरिया तैयार है और वह अमेरिका एवं जापान के साथ सूचनाओं का लगातार आदान-प्रदान कर रहा है। अमेरिका के हिंद प्रशांत कमान ने कहा कि वह अपनी एवं अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। जापान ने कहा कि उसने इन प्रक्षेपणों को लेकर उत्तर कोरिया के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ये प्रक्षेपण क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए खतरा हैं तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उन प्रस्तावों का उल्लंघन करते हैं जिनके तहत उत्तर कोरिया की किसी भी बैलिस्टिक गतिविधि पर रोक है।

जयशंकर ने किया ली जे का स्वागत।

परमाणु हथियार बनाने में उत्तर कोरिया बेहद तेज

ये मिसाइल ऐसे समय में दागी गई हैं जब कुछ दिन पहले ही संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने परमाणु हथियार बनाने के उत्तर कोरिया के प्रयासों में बेहद गंभीर प्रगति होने की चेतावनी दी थी। एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने कहा था कि उत्तर कोरिया के परमाणु केंद्रों में गतिविधियों में तेज बढ़ोतरी हो रही है। उत्तर कोरिया की गतिविधियां उसके परमाणु हथियार उत्पादन की क्षमता में बहुत गंभीर वृद्धि की ओर संकेत करती हैं।

राजनीति में दिखावा जरूरी, इसलिए कभी-कभी हमें शर्मिंदगी भरे काम भी करने पड़ते हैं: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में टिप पर कोई टैक्स नहीं नीति के एक साल पूरे होने पर ओवल ऑफिस में बर्गर मंगवाने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारी आलोचना हो रही है और इसे प्रचार का घटिया तरीका बताया जा रहा है। ट्रंप को इसके लिए सफाई देने पर भी मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने लास वेगास की एक रैली में कहा कि यह वाकई शर्मिंदगी भरा है लेकिन राजनीति में यह करना पड़ता है और इसका फायदा भी होता है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब ऑनलाइन डिलिवरी सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी डोरडैश की ओर से शैरोन सिमंस नाम की महिला ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय ओवल ऑफिस में बर्गर और फ्राइज के दो बैग पहुंचाए जिसके बाद व्हाइट हाउस ने टिप्पणी जारी की कि 'टिप पर कोई टैक्स नहीं' नीति के कारण सिमंस ने 11,000 अमेरिकी डॉलर की बचत की थी। इस राजनीतिक पैंतरे की आलोचना होने के बाद ट्रंप ने माना कि प्रचार का यह कदम थोड़ा अजीब था। उन्होंने 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार अभियान के समय की उस घटना का भी जिक्र किया जब उन्होंने बर्गर की आपूर्ति करने वाली कंपनी में फ्राइज परोसे थे और एक सुरक्षा जैकेट पहनकर अभियान के लोगो वाले कचरा ट्रक में चढ़ गए थे। उन्होंने कूड़ा ढोने वाले ट्रक की घटना का उदाहरण देते हुए कहा, प्रचार टीम अजीबो-गरीब विचार लेकर आती है।

- **टिप पर कोई टैक्स नहीं नीति की बरसी पर ओवल ऑफिस में बर्गर मंगाने पर उठे सवालों का दिया जवाब**

डिलीवरी के लिए नौकरी छोड़ चुकी चर्चित महिला को बुलाया

डोर डैश को ओवल ऑफिस में बर्गर पहुंचाने वाली घटना को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। दरअसल कुछ लोगों का कहना था कि सिमंस ने पिछले साल जुलाई में कांग्रेस के समक्ष टिप पर टैक्स नहीं नीति के समर्थन में गवाही दी थी। उस समय उन्होंने खुद को नेवादा की निवासी बताया था। बाद में वह अरकंसास चली गईं और ऐसा प्रतीत होता है कि वह इस सप्ताह, संभवत: केवल एक दिन के लिए वाशिंगटन डीसी क्षेत्र में डोरडैश चालक बनीं।

अमेरिका में गोलीबारी में आठ बच्चों की मौत

श्रेवेपोर्ट। अमेरिका के लुइसियाना में रविवार को घरेलू झगड़े में गोलीबारी में आठ बच्चों की मौत हो गई। मृतकों की उम्र एक से चौदह वर्ष के बीच है। श्रेवेपोर्ट पुलिस प्रमुख वेन स्मिथ के अनुसार, गोलीबारी की घटना रविवार सुबह लगभग छह बजे हुई। उन्होंने बताया कि कुल 10 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि वे तीन स्थानों पर हुई इन घटनाओं के बारे में और जानकारी जुटा रहे हैं। स्मिथ ने कहा कि संदिग्ध हमलावर को पुलिस ने पीछा कर मार गिराया।

श्रीनगर में दो अमेरिकी नागरिक हिरासत में

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नियमित जांच के दौरान सामान से सैटेलाइट फोन बरामद होने के बाद दो अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। इस संबंध में अभी विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी है।

एआई उपकरण के जरिए मरीजों के स्वास्थ्य की 24 घंटे निगरानी करेंगे डॉक्टर

नई दिल्ली/चेन्नई। दक्षिण भारत में स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से चिकित्सकों की अगुवाई वाला एआई आधारित एक मंच रविवार को चेन्नई में शुरू किया गया जिसकी मदद से अस्पताल के बाहर भी मरीजों के स्वास्थ्य पर चौबीसों घंटे नजर रखी जा सकेगी।

इस पहल का उद्देश्य दीर्घकालिक बीमारियों से ग्रस्त मरीजों के स्वास्थ्य पर नजर रखना है ताकि उनकी स्थिति गंभीर होने से पहले ही कदम उठाए जा सके और हृदयाघात के खतरे को कम किया जा सके। ई-लिव कनेक्ट एआई सक्षम ऐसा तंत्र है जिसके केंद्र में एक छोटा वायरलेस बायोसेंसर पैच है जिसे कलाई पर पहने जाने वाले बैंड के साथ जोड़ा गया है। यह हृदय गतिविधि और रक्तचाप जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मापदंडों पर नजर रखता है। इस प्रणाली के तहत अनुभवी चिकित्सक स्वास्थ्य मापदंडों पर चौबीसों घंटे एक दूरस्थ कमान केंद्र के जरिए नजर रख सकते हैं। यह केंद्र किसी भी प्रकार की असामान्य स्थिति का पता चलने पर मरीजों एवं उनके परिवारों को सतर्क करता है। इस प्रणाली के उद्घाटन समारोह में करीब 40 चिकित्सकों ने भाग लिया।

- **कलाई में पहने जाना वाला उपकरण किसी आपात स्थिति की तुरंत देगा जानकारी**

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज दिन के दूसरे हिस्से में व्यावहारिक निर्णय लेना अधिक लाभ देगा। किसी काम को अधूरा छोड़ने से बचें।

वृष आज आपके लिए स्थिति मजबूत होने का दिन है। आप अपने फैसलों में स्पष्ट रहेंगे। कोई महत्वपूर्ण काम आपके पक्ष में जा सकता है।

मिथुन आज आप थोड़ा शांत रहकर काम करना पसंद करेंगे। भीड़ से हटकर सोचने का फायदा मिलेगा। कोई अवसर आपके काम आ सकता है।

कर्क आज टीम के साथ किया गया काम सफल होगा। प्रयासों का अच्छा परिणाम मिलेगा। लोगों के साथ तालमेल बनाकर रखें।

सिंह आज का दिन आपके पक्ष में जा सकता है। जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। काम में लापरवाही न करें।

कन्या आज का दिन आपके लिए प्रगति का संकेत दे रहा है। आप किसी नए तरीके से काम करने की कोशिश करेंगे।

तुला आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। मन में असंतुलन आ सकता है। जल्दबाजी में फैसला लेने से बचें।

वृश्चिक आज आपके लिए साझेदारी और संबंध महत्वपूर्ण रहेंगे। मिलकर किया गया काम आगे बढ़ेगा। बातचीत में स्पष्टता रखें।

धनु आज का दिन थोड़ा व्यस्त रहेगा। आपको लगातार सक्रिय रहना पड़ेगा। सही दिशा में मेहनत करने से लाभ मिलेगा।

मकर आज आपको अपने मन के अनुसार काम करने का मौका मिलेगा। अलग तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी।

कुंभ आज निजी मामलों पर ध्यान देना पड़ सकता है। किसी विषय पर गंभीर चर्चा हो सकती है। काम के साथ निजी जीवन को संतुलित रखें।

मीन आज के दिन को हल्के में न लें। आपके लिए बातचीत महत्वपूर्ण रहेगी। छोटी सी बात आपके लिए बड़ा मौका बन सकती है।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

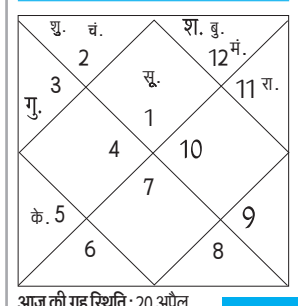

आज की ग्रह स्थिति : 20 अप्रैल, सोमवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 07.27 तक तत्पश्चात चतुर्थी 21 अप्रैल 04.14 तक तत्पश्चात पंचमी।

दिशाशूल-पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृतिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 21 अप्रैल 02.08 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

सुडोकू - 124 का हल

9	3	5	6	4	2	1	7	8
1	6	4	8	3	7	5	2	9
8	2	7	9	1	5	4	6	3
5	7	6	3	2	8	9	1	4
2	1	9	5	6	4	8	3	7
4	8	3	1	7	9	6	5	2
3	9	2	4	5	1	7	8	6
7	4	1	2	8	6	3	9	5
6	5	8	7	9	3	2	4	1

सुडोकू -125

		8			3			4
	2		7		9			1
	6			4			9	
	3				5	7		
		7				2		
6		4	8				5	
	7			5			8	
5			2				3	
	4			1		6		

यूक्रेन से पाइप लाइनों पर हमला न करने की गारंटी ले तुर्किये: रूस

मास्को। रूस ने तुर्किये से अपील की है कि वह यूक्रेन से इस बात की गारंटी ले कि तुर्कस्ट्रीम और ब्लू स्ट्रीम गैस पाइपलाइन बुनियादी ढांचे पर कोई हमला नहीं किया जाएगा।

रूसी उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुश्को ने कहा, काला सागर के नीचे तुर्किये को गैस आपूर्ति करने वाली पाइपलाइनों पर यूक्रेन द्वारा लगातार किए जा रहे हमलों को देखते हुए, हमने अपने तुर्की भागीदारों से आग्रह किया है। हमने उनसे कहा है कि वे यूक्रेन को कड़े संकेत भेजें और मांग करें कि वे इस तरह के कृत्यों को तुरंत रोकें।

वैश्विक रिपोर्ट | लागत कम करने के लिए एआई आधारित पुनर्गठन पर जोर दे रही हैं कंपनियां

आईटी सेक्टर से पहली तिमाही में ही 73,200 कर्मचारी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ष 2026 की पहली तिमाही में आईटी सेक्टर के 73,200 से भी अधिक कर्मियों की नौकरियां चली गई हैं। यह आंकड़ा टेक इंडस्ट्री में छंटनी पर नजर रखने वाली वैश्विक साइट लेऑफ डॉट एफवाईआई ने जारी किया है। इसके मुताबिक पहली तिमाही के दौरान 95 कंपनियां इस छंटनी प्रक्रिया में शामिल रहीं। पिछले रुझानों पर गौर करने से पता चलता है कि 2025 में भी बड़े स्तर पर नौकरियां गई थीं।

वर्तमान आंकड़े बताते हैं कि कंपनियां अब लागत कम करने और एआई आधारित पुनर्गठन पर जोर दे रही हैं। एक के बाद एक छंटनी की घोषणा करने वाले प्रमुख नामों में द वॉल्ट डिज्नी कंपनी, मेटा प्लेटफॉर्म्स, स्नैप इंक और ओरेकल कॉर्पोरेशन शामिल थे। डिज्नी नौकरियों में करीब 1,000 और कटौती की तैयारी कर रहा है। मार्च में जोश डी अमारो के सीईओ के रूप में पदभार संभालने के बाद से यह पहला बड़ा पुनर्गठन है। डिज्नी की सेवा समाप्ति पर मिलने वाली राशि पद और कार्यकाल के आधार पर अलग-अलग हैं। पांच साल से कम की सेवा वाले गैर-प्रबंधकीय कर्मचारियों को चार सप्ताह का वेतन मिलेगा, जबकि लंबे कार्यकाल वाले कर्मचारियों को प्रति वर्ष सेवा के लिए एक सप्ताह का वेतन दिया जाएगा, अधिकतम सीमा 52 सप्ताह है।

मार्च में मेटा ने 700 पदों को कम कर दिया। बरलिंगम और सनीवेल स्थित कैलिफोर्निया कार्यालयों में 198 पद और कम किए जाने हैं। इससे पहले जनवरी में, कंपनी ने अपनी ऑग्मेंटेड और वर्चुअल रियलिटी पहलों से जुड़ी लगभग 1,500 नौकरियों में पहले ही कटौती कर दी थी। ओरेकल कॉर्पोरेशन भी अब तक के सबसे बड़े पुनर्गठन अभियानों में से एक चला रहा है।

भारत सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शामिल

भारत सबसे बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक है, जहां 12,000 नौकरी गईं हैं। रिपोर्टों के अनुसार, ये छंटनी क्लाउड, हेल्थकेयर, सेल्स और नेटसूट डिविजनों में फैली हुई है। स्नैप इंक 1,000 कर्मचारियों की छंटनी की योजना बना रहा है जो इसके कुल कार्यबल का 16 प्रतिशत है। स्नैप 300 से अधिक खाली पड़े पदों को भी खत्म कर रहा है, जो बड़े स्तर पर भर्ती में मंदी का संकेत है। कंपनी को दूसरी छमाही तक सालाना 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर (4,630 करोड़ भारतीय रुपये) से अधिक बचत होने की उम्मीद है।

हमें कभी ऐसा नहीं लगा कि हम कुछ रन कम रह गए हैं। हमने कुछ शानदार कैच पकड़े, बेहतरीन क्षेत्ररक्षण से रन बचाए। हमने 175 रनों को 190 रनों जैसा महसूस कराया, जो कि आप कर सकते हैं।
–दिनेश कार्तिक, बेंगलुरु के बल्लेबाजी कोच

स्टेडियम

अयोध्या, सोमवार, 20 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

गुजरात टाइटंस — बनाम — मुंबई इंडियंस

समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद–283 रन
- शुभमन गिल गुजरात–251 रन
- विराट कोहली बेंगलुरु–247 रन

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई – 13 विकेट
- प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात – 11 विकेट
- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु– 10 विकेट

हाईलाइट

द, अफ्रीका को 2-0 की बढ़त, भारतीय महिलाएं फिर हारीं

डरबन। क्लो ट्रायोन (22 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के कमाल के बाद कप्तान लौरा वोल्वार्ट (54) और सुने लुस (57) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 106 रन की साझेदारी के बूते दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की सीरीज के दूसरे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय में रविवार को यहां भारत को 17 गेंद शेष रहते आठ विकेट से हराया। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के आक्रामक 57 रन के बावजूद भारतीय टीम 147 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने 17.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाकर सीरीज में 2–0 की बढ़त कायम कर ली। वोल्वार्ट ने 34 गेंदों की पारी में सात चौके और एक छक्का, जबकि लुस ने 46 गेंदों की पारी में छह चौके और एक छक्का जड़ा। दोनों ने महज 73 गेंदों में 106 रन की साझेदारी कर टीम की एकतरफा जीत सुनिश्चित की। भारतीय क्षेत्ररक्षण काफी खराब रहा और टीम ने कई आसान कैच टपकाए।

सीएसके को झटका म्हात्रे का मौजूद सत्र में खेलना संदिग्ध

हैदराबाद। युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे का चोटिल होने के कारण आईपीएल के मौजूदा सत्र में आगे खेलना संदिग्ध है जो चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए करारा झटका है। सीएसके के सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान 18 वर्षीय म्हात्रे की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इस मैच में इंपैक्ट प्लेयर के रूप में खेलने वाले म्हात्रे काफी असहज नजर आ रहे थे और उसके बाद वह लंबे समय तक क्रीज पर नहीं टिक पाए। सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइक हसी ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, उसकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है। अभी मुझे नहीं पता कि चोट कितनी गंभीर है। हम कल या परसों उसका स्कैन करवाएंगे।

प्रियांश व कोनोली की तूफानी पारियों से पंजाब ने बनाया सत्र का सर्वोच्च स्कोर

आईपीएल-2026 : लखनऊ सुपर जाएंट्स को दिया 255 रनों का लक्ष्य

मुल्लांपुर, एजेंसी

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते प्रियांश आर्य। एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी के साथ देश की सबसे रोमांचक टी20 बल्लेबाजी प्रतिभाओं से एक सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य की 37 गेंद में 93 रन की अर्धशतकीय पारी और कूपर कोनोली (87 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 182 रन की साझेदारी से पंजाब किंग्स ने रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के खिलाफ सात विकेट पर 254 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

दिल्ली के 24 साल के खिलाड़ी प्रियांश ने अपनी पारी के दौरान नौ छक्के और चार चौके लगाए जबकि ऑस्ट्रेलिया के कोनोली की 46 गेंद की पारी में आठ चौके और सात छक्के जड़े थे। इन दोनों के बीच 80 गेंद की साझेदारी में 16 छक्के (नौ प्रियांश ने लगाए) और 12 चौके जड़े थे। मार्कस स्टोइनिस ने पारी की अंतिम गेंद पर रन आउट होने से पहले 29 रन का योगदान दिया। पावरप्ले में एक विकेट पर 63 रन का स्कोर अच्छा था, लेकिन सातवें से 11वें ओवर के बीच का मध्य चरण और भी बेहतर रहा जिसमें 66 रन बने।

मजबूत कद-काठी वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज प्रियांश काफी कम फुटवर्क के बस एक जगह खड़े होकर पूरी ताकत और बल्ले की पूरी गति से शॉट लगाते रहे जिससे गेंदें तेजी से बाउंड्री के पार जाती रहीं। उन्होंने फुल लेंथ गेंदों को सीधे या एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से मारा। छोटी और वाइड गेंदों को उन्होंने कट या रैंप शॉट से खेला जबकि कंधे की ऊंचाई पर आई बाउंसर गेंदों को उन्होंने बिना चेहरे पर कोई भाव लाए, पुल या हुक शॉट से बाउंड्री के पार भेज दिया। प्रियांश ने गौतम गंभीर के बचपन के कोच संजय भारद्वाज से भी क्रिकेट की बारीकियां सीखी हैं।

वहीं कोनोली का अंदाज बिल्कुल अलग था। एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से उनके ऊंचे छक्के और फ्रंट-फुट पर आकर डीप मिड-विकेट स्टैंड में लगाए गए पुल-शॉट देखकर उनकी फ्रेंचाइजी के कोच रिकी पोंटिंग को भी उन पर गर्व हुआ होगा। दोनों की बल्लेबाजी शैली एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थी। प्रियांश ने अपना अर्धशतक सिर्फ 19 गेंदों में पूरा किया जबकि अगले 43 रन बनाने के लिए उन्होंने 18 गेंदें लीं।

दूसरी ओर कोनोली ने थोड़ा समय लिया, उन्होंने 35 गेंदों में अपने 50 रन पूरे किया, लेकिन अगले 37 रन सिर्फ 12 गेंदों में बना दिए।

दिल्ली का यह युवा खिलाड़ी तब भी बिल्कुल भी विचलित नहीं हुआ, जब उसका पारी की शुरुआत करने वाला जोड़ीदार प्रभसिमरन सिंह मोहम्मद शमी की एक आउटस्विंगर गेंद पर किनारा लगने से अपनी पहली ही गेंद पर आउट हो गया।

एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत को निश्चित रूप से इस बात का पछतावा होगा कि जब पारी की शुरुआत में ही बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने कोनोली को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया था तो उन्होंने डीआरएस का इस्तेमाल क्यों नहीं किया। रिप्ले से यह साफ हो गया कि अगर डीआरएस लिया जाता तो टीवी अंपायर कोनोली को आउट करार दे देते। इसके बाद मोहसिन का आत्मविश्वास डगमगा गया और उन्होंने अपने तीसरे ओवर में 20 रन लुटा दिए जिससे मैच की पूरी लय एलएसजी के हाथों से निकल गई। उनके लिए एकमात्र राहत की बात प्रिंस यादव (चार ओवर में 25 रन देकर दो विकेट) रहे।

कोनोली और प्रियांश दोनों ही बहुत कम समय के अंतराल पर आउट हो गए। हालांकि उस समय दोनों का शतक लगाना आसान लग रहा था। यह भारतीय युवा खिलाड़ी अपना 10वां छक्का लगाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मिचेल मार्श ने बाउंड्री लाइन पर उसे कैच कर लिया। एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका राहत की सांसा लेते हुए नज़र आए। वहीं दूसरी ओर प्रियांश और कोनोली की जोड़ी ने जो नुकसान पहले ही कर दिया था, उसकी भरपाई करना अब नामुमकिन सा लग रहा था।

पंजाब किंग्स

254/7 (20 ओवर)

प्रियांश आर्य का मार्श बो सिद्धार्थ	93
प्रभसिमरन सिंह का मार्श बो शमी	00
कूपर कोनोली का सिद्धार्थ बो प्रिंस	87
श्रेयस अय्यर का शमी बो मोहसिन	05
मार्कस स्टोइनिस रन आउट	29
नेहाल वढेरा का पूरन बो सिद्धार्थ	13
शशांक सिंह का मारक्रम बो प्रिंस	17
मार्को यानसेन नाबाद	01

अतिरिक्त : 09, **विकेट पतन** : 1–3, 2–185, 3–187, 4–193, 5–208, 6–252, 7–254

गेंदबाजी : शमी 4–0–56–1, मोहसिन 4–0–43–1, प्रिंस 4–0–25–2, बडोनी 1–0–14–0, आवेश 3–0–46–0, सिद्धार्थ 3–0–35–2, मारक्रम 1–0–32–0

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	5	4	0	1	9	1.067
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	0	8	1.171
3.	राजस्थान रॉयल्स	6	4	2	0	8	0.599
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	6	3	3	0	6	0.566
5.	दिल्ली कैपिटल्स	5	3	2	0	6	0.310
6.	गुजरात टाइटंस	5	3	2	0	6	0.018
7.	चेन्नई सुपर किंग्स	6	2	4	0	4	–0.780
8.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	5	2	3	0	4	–0.804
9.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	–0.879
10.	मुंबई इंडियंस	5	1	4	0	2	–1.076

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का अनुबंध एक साल और बढ़ाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी

अजीत अगरकर सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2027 एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें एक और साल का अनुबंध देने का फैसला किया है। अगरकर की अध्यक्षता में अक्टूबर 2023 से मार्च 2026 के बीच चुनी गई भारतीय टीम चार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची और इसमें से तीन में टीम ने खिताब जीता। भारत इस दौरान दो टी20 विश्व कप और एक बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में सफल रहा और यह पहले से ही लगभग तय था कि उनका अनुबंध चौथे साल के लिए बढ़ाया जाएगा। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने पीटीआई को बताया अगरकर ने सेवा विस्तार नहीं मांगा था। एक चयनकर्ता जूनियर या सीनियर चयन समिति में चार साल तक और दोनों समितियों में मिलाकर कुल पांच साल तक काम कर सकता है इसलिए अजीत को नया अनुबंध दिया गया है, उसमें विस्तार नहीं किया गया। अगरकर के करीबी सूत्रों ने हमेशा यही कहा कि वह खुद अनुबंध बढ़वाने की मांग करने की जगह फैसला करने वालों को अपनी समिति के प्रदर्शन का आकलन करने देना अधिक पसंद करते हैं। पचास ओवर के विश्व कप से पहले निरंतरता बनाए रखना बोर्ड के इस फैसले के पीछे के मुख्य कारणों में से एक है। अपने कार्यकाल के दौरान समिति ने कई कड़े फैसले किए हैं जिनमें विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की प्रक्रिया को देखना और सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को धीरे–धीरे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर करना शामिल है। समिति ने एक साहसिक चयन फैसला भी लिया जिसमें टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय कप्तान शुभमन गिल को टी20 विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी इशान किशन को टीम में शामिल किया गया।

मुंबई को एक और झटका देना चाहेगा गुजरात

अहमदाबाद, एजेंसी

अभ्यास सत्र के दौरान गुजरात जाइंट्स के प्रसिद्ध कृष्णा। एजेंसी

पिछले तीन मैच में जीत हासिल करके आत्मविश्वास से भारी गुजरात टाइटंस की टीम सोमवार को यहां होने वाले आईपीएल के मैच में लगातार हार से दबाव में चल रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने की कोशिश करेगी। पिछले कुछ सप्ताह में इन दोनों टीमों का प्रदर्शन बिल्कुल विपरीत रहा है।

गुजरात टाइटंस ने अपने अभियान की शुरुआत लगातार दो हार के साथ की थी, लेकिन उसके बाद उसने लगातार तीन मैच जीत कर लय हासिल कर ली है और वह तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। गुजरात टाइटंस ने अपनी समस्याओं के बावजूद जीत हासिल करने के तरीके खोज लिए हैं। उसकी बल्लेबाजी अभी भी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर काफी हद तक निर्भर है, जिसमें कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर ही अधिकतर रन बनाने का जिम्मा संभालते हैं। ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे मध्यक्रम के बल्लेबाज अभी तक विश्वसनीय प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। गेंदबाजी की बात करें तो गुजरात के गेंदबाजों ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। मोहम्मद सिराज और कागिसो रबाडा कई बार महंगे साबित हुए हैं, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव वाला रहा है।

लगातार हार से दबाव में मुंबई इंडियंस

मुंबई ने अपने पहले मैच में जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन उसके बाद से उसका प्रदर्शन खराब होता चला गया है। उसे लगातार चार हार का सामना करना पड़ा है और उनकी हार का अंतर बहुत बड़ा रहा है, जिससे वह नौवें स्थान पर खिसक गया है। पांच बार की चैंपियन टीम मुंबई पर खराब प्रदर्शन के कारण काफी दबाव है और उसे अगर अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो अब हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। उसकी टीम पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। इसके अलावा मध्यक्रम के बल्लेबाजों के अनियमित प्रदर्शन और गेंदबाजी आक्रमण में धार की कमी ने उसे बुरी तरह प्रभावित किया है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा मुंबई इंडियंस के मध्यक्रम के मुख्य आधार रहे हैं लेकिन यह दोनों ही अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

टीम

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कगिसो रबाडा, आर साई किशोर, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया।

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मो. इज़हार, रघु शर्मा।

नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को हराकर खोला जीत का खाता

जुझारू पारी के दौरान शॉट लगाते रिंकू सिंह।

कोलकाता, एजेंसी

वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण की फिरकी के जादू के बाद रिंकू सिंह के जुझारू अर्धशतक से कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां विषम परिस्थितियों से उबरते हुए राजस्थान रॉयल्स चार विकेट से हराकर मौजूदा सत्र में जीत का खाता खोला।

रॉयल्स के 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाइट राइडर्स की टीम 14वें ओवर में 85 रन पर छह विकेट गंवाने के बाद संकट में थी लेकिन रिंकू (नाबाद 53 रन, 34 गेंद, पांच चौके, दो छक्के) और अनकूल रॉय (नाबाद 29, 16 गेंद, दो छक्के, एक चौका) के बीच सातवें विकेट की 37 गेंद में 76 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 19.4 ओवर में छह विकेट पर 161 रन बनाकर जीत दर्ज करने में सफल रही।

सात मैच में पहली जीत दर्ज करने के बाद नाइट राइडर्स की टीम तीन अंक के साथ 10 टीम की तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गई है। लगातार दूसरी हार के बाद रॉयल्स की टीम छह मैच में आठ अंक के तीसरे स्थान पर है। सलामी बल्लेबाजों वैभव सूर्यवंशी (46 रन, 28 गेंद, छह चौके, दो छक्के) और यशस्वी जायसवाल (39 रन, 29 गेंद, चार चौके, दो छक्के) के बीच पहले विकेट के लिए 8.4 ओवर में 81 रन की साझेदारी के बावजूद रॉयल्स की टीम नौ विकेट पर 155 रन ही बना सकी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे नाइट राइडर्स की शुरुआत खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में पांच रन के स्कोर तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों टिम सीफर्ट और कप्तान अजिंक्य रहाणे के विकेट गंवा दिए जो खाता खोलने में भी नाकाम रहे। जोफ्रा आर्चर ने पारी की पहली ही गेंद पर सीफर्ट को बोल्ड किया जबकि अगले ओवर में नांद्रे बर्गर ने रहाणे को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया।

राजस्थान रॉयल्स

155/9 (20 ओवर)

यशस्वी जायसवाल का रहाणे बो नारायण	39
वैभव सूर्यवंशी का रमनदीप बो चक्रवर्ती	46
ध्रुव जुरेल स्टं सीफर्ट बो चक्रवर्ती	05
रियान पराग बो चक्रवर्ती	12
शिमरोन हेटमायर का रघुवंशी बो त्यागी	15
डोनोवन फरेरा कैच एवं बो नारायण	07
रविंद्र जडेजा का ग्रीन बो त्यागी	09
जोफ्रा आर्चर रन आउट	08
रवि बिश्नोई का सीफर्ट को त्यागी	00
ब्रिजेश शर्मा नाबाद	01

अतिरिक्त : 13, **विकेट पतन** : 1–81, 2–97, 3–99, 4–117, 5–124, 6–144, 7–146, 8–146, 9–155

गेंदबाजी : अरोड़ा 4–0–37–0, त्यागी 4–0–22–3, ग्रीन 2–0–27–0, नारायण 4–0–26–2, चक्रवर्ती 4–0–14–3, रमनदीप 2–0–26–0

कोलकाता नाइट राइडर्स

161/6 (19.4 ओवर)

टिम सीफर्ट बो आर्चर	00
अजिंक्य रहाणे का जुरेल बो बर्गर	00
अंगकृष रघुवंशी पगबधा बो जडेजा	10
कैमरन ग्रीन स्टं जुरेल बो बिश्नोई	27
रोवमैन पावेल का फरेरा बो जडेजा	23
रिंकू सिंह नाबाद	53
रमनदीप सिंह बो यश	10
अनुकूल रॉय नाबाद	29

अतिरिक्त : 09, **विकेट पतन** : 1–0, 2–5, 3–37, 4–52, 5–70, 6–85

गेंदबाजी : आर्चर 4–0–35–1, बर्गर 2–0–20–1, बिश्नोई 4–0–41–1, यश 4–0–25–1, जडेजा 3–0–8–2, ब्रिजेश 1.4–0–21–0

53 रनों की नाबाद पारी रिंकू सिंह ने 34 गेंदों पर खेली, जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं

सफलता — पेनाल्टी शूटआउट तक खिंचे फाइनल में एटलेटिको को 4–3 से हराया

रियल सोसिडाड ने कोपा डेल रे का खिताब जीता

सेविले (स्पेन), एजेंसी

खिताब के साथ जश्न मनाते रियल सोसिडाड के खिलाड़ी।

रियल सोसिडाड ने पेनल्टी शूटआउट में एटलेटिको मैड्रिड को हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। फाइनल मैच अतिरिक्त समय के बाद 2-2 से बराबरी पर था जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया।

सोसिडाड के गोलकीपर उनाई मैरेरो ने अलेक्जेंडर सोरलॉथ और जूलियन अल्वारेज़ के शॉट को बचाया। इसके बाद पाब्लो मारिन ने अंतिम किक को गोल में बदला जिससे सोसिडाड ने शूटआउट में 4-3 से जीत हासिल की। अमेरिका के पेलेग्रिनो माटाराज़ो के सोसिडाड का कोच बनने के बाद स्पेन के क्लब की यह पहली जीत है। माटाराजो ने कहा यह अविश्वसनीय सफर रहा है।

एशियाई चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में विसेल कोबे से टकराएगा अल अहली

जेद्दा। सऊदी अरब का क्लब अल अहली चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में सोमवार को जापान के विसेल कोबे से भिड़ेगा। एशिया के इस प्रमुख क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में जापान की माचिदा ज़ेलविया का मुकाबला संयुक्त अरब अमीरात के शबाब अल अहली से होगा। पिछले साल मई में पहली बार खिताब जीतने वाले अल अहली ने क्वार्टर फाइनल में यहां मलेशिया के जोहोर दारुल ताज़िम को 2–1 से हराया। जेद्दा टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण की मेजबानी कर रहा है। अली मजराशी ने 19वें मिनट में आत्मघाती गोल किया जिससे जोहोर को बढ़त मिल गई। अल अहली के इस डिफेंडर को जल्द ही लाल कार्ड दिखाया गया।

मेसी के दो गोल से इंटर मियामी ने रैपिड्स को हराया

कॉमर्स सिटी (अमेरिका)। लियोनेल मेसी ने विश्व कप से पहले अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस फुटबॉल टूर्नामेंट में कोलोराडो रैपिड्स के खिलाफ दो गोल किए जिससे उनकी टीम ने यह मैच 3–2 से जीतकर अपना अजेय अभियान सात मैच तक पहुंचा दिया। इंटर मियामी की गुइलेर्मो होयोस के अंतरिम कोच बनने के बाद यह पहली जीत थी। मेसी ने 13वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर स्कोरिंग की शुरुआत की और 79वें मिनट में निर्णायक गोल दागा। इंटर मियामी की तरफ से एक अन्य गोल जर्मन बर्तेरामे ने किया।